



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 1, 1980/कार्तिक 10, 1902

No. 44]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 1, 1980/KARTIKA 10, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यसभेत्र प्रशासनों को छोड़ कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और प्रधिसूचनाएं

**Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the
Administrations of Union Territories)**

विधी, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1980

सा. ०८० २०१८.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार प्रधिनियम, 1969 (1969 का ५४) की धारा २६ की उप-धारा (३) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एन्डड्वारा मे० माइन पेकेजिंग लिमिटेड का कथित प्रधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण के निरस्तीकरण की घटिसूचित करती है। (पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. २४/१९७०)

2. यह सी प्रधिसूचित किया जाता है कि उपक्रम, जो पहले आवेदक कम्पनी के स्वामित्व में था, तथा जो धारिता कम्पनी को हस्तातित हो गया है (धारिता कम्पनी के साथ एकीकरण के उद्देश्य के लिये आवेदक कम्पनी तथा इसके विस्तैरियों के मध्य व्यवस्था योजना के माध्यम से), अपनी कलर कार्टन्स लिमिटेड नामक धारिता कम्पनी के एक एकक के रूप में, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार प्रधिनियम की धारा २०(क)(ii) के उपचार्यों द्वारा, यशापूर्व गासित रहेगा। यह सी प्रधिसूचित किया जाता है कि एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार प्रधिनियम के अन्य आनुषंगक उपचार्य भी कथित उपक्रम पर यथापूर्व लागू रहेंगे।

[सं. १६/२९/८०-एम. ३]

जनकान्त व्युशालदाम, निदेशक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 13th October, 1980

S.O. 2918.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies & Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of Messrs Modern Packagings Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 24/1970).

2. It is further notified that the undertaking which was formerly owned by applicant company and which has been transferred to holding company (through the scheme of arrangement between the applicant company and its shareholders for the purpose of amalgamation with the holding company), will continue to be governed by the provisions of the Section 20(a)(ii) of the M.R.T.P. Act, as a unit of the holding company, namely Colour Cartons Limited. It is also notified that the other consequential provisions of the M.R.T.P. Act will also continue to apply to the said undertaking.

[No. 16/29/80-M. III]

C. KHUSHALDAS, Director

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1980

का०आ० 2919.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 239 के खण्ड (1) के अनुसरण में यह निर्देश देते हैं कि उनके नियमण के ग्रन्थीन रहते हुए और जब तक और आदेश नहीं किए जाएं, प्रस्तेक संघ राज्य कोष का प्रशासक, संविधित सभा राज्य कोष के समध में, शेष प्रधिनियम, 1969 (1969 का 44) की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ष) के उपबंधों के ग्रन्थीन राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग और कुर्यां का निश्चित करेगा।

[सं. यू-11030/2/80-यू.टी.एल]
सुवेश कुमार, डेस्क प्रधिकारी

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 14th October, 1980

S.O. 2919.—In pursuance of clause (1) of article 239 of the Constitution, the President hereby directs that, subject to his control and until further orders, the Administrator of every Union territory, shall, in relation to the Union territory concerned, exercise the powers and discharge the functions of the State Government under the provisions of clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the Oaths Act, 1969 (44 of 1969).

[No. U-11030/2/80-UTL]

SUDESH KUMAR, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1980

का०आ० 2920.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (सभ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालय को, जिस के कर्मचारी बृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

1. समन्वय निर्देशालय पुस्तिकार्यालय के पुरम, नई दिल्ली।

[संख्या 12017/1/80-हिन्दी]

प्रशोक कुमार वर्मा, उप सचिव

New Delhi, the 15th October, 1980

S.O. 2920.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following office of the Ministry of Home Affairs, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

1. Office of the Director Coordination (Police Computers)
R. K. Puram, New Delhi.

[No. 12017/1/80-Hindi]

ASHOK KUMAR VARMA, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राज्यव्यवस्था)

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

आपूर्वक

का०आ० 2921.—केन्द्रीय सरकार, आपूर्वक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उप-धारा (23 ग) के खण्ड (5) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्रोत्र सोयल सर्जिस सोसाइटी" को निर्धारण वर्ष 1980-81 के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 3488/का० सं. 197/73/79-मा०क० (ए 1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 19th June, 1980

INCOME-TAX

S.O. 2921.—In exercise of the powers conferred by clause (V) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Broach Social Service Society" for the purpose of the said section for the assessment year 1980-81.

[No. 3488/F. No. 197/73/79-IT(AI)]

का०आ० 2922.—केन्द्रीय सरकार, आपूर्वक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उप-धारा (23 ग) के खण्ड (iv) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "जै. एन. टाटा एंडमेंट सुम्बहू" को निर्धारण वर्ष 1977-78 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 3478/का० सं. 197/27/79-मा०क० (ए 1)]

S.O. 2922.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "J. N. Tata Endowment Bombay" for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1977-78 to 1980-81.

[No. 3478/F. No. 197/27/79-IT(AI)]

का०आ० 2923.—केन्द्रीय सरकार, आपूर्वक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उप-धारा (23 ग) के खण्ड (iv) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "केंसर पेसेट्स एंड एसोसिएशन, मुम्बहू" को निर्धारण वर्ष 1978-79, 1979-80 और 1980-81 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 3484/का० सं. 197/157/79-मा०क० (ए 1)]

S.O. 2923.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Cancer Patients Aid Association, Bombay" for the purpose of the said section for the assessment years 1978-79, 1979-80 and 1980-81.

[No. 3484/F. No. 197/157/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 1 जूनाई, 1980

का०आ० 2924.—केन्द्रीय सरकार, आपूर्वक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उप-धारा (23 ग) के खण्ड (iv) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "दि चर्च ऑफ नॉर्थ इण्डिया कार्यसिल फार चाहल केयर" को निर्धारण वर्ष 1976-77 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 3507/का० सं. 197/101/78-मा०क० (ए 1)]

New Delhi, the 1st July, 1980

S.O. 2924.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Church of North India Council for Child Care" for the purpose of the said section for the assessment years 1976-77 to 1980-81.

[No. 3507/F. No. 197/101/78-IT(IA)]

का०आ० 2925.—केन्द्रीय सरकार, आपूर्वक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उप-धारा (23 ग) के खण्ड (iv) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सेप्ट मेरी नसिंग होम, गोमती-पुर, महमदाबाद" को निर्धारण वर्ष 1977-78 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 3509/का० सं. 197/20/79-मा०क० (ए 1)]

S.O. 2925.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "St. Mary's Nursing Home, Gomtipur, Ahmedabad" for the purpose of the said section for the assessment years 1977-78 to 1980-81.

[No. 3509/F. No. 197/20/79-IT(AI)]

का० धा० 2926.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "दि नासिक पंचवटी पंजारापोल" को निर्धारण वर्ष 1978-79, 1979-80 और 1980-81 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3510/का० सं० 197/193/78-आ०क० (ए 1)]

S.O. 2926.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies, "The Nasik Panchvati Panjrapole" for the purpose of the said section for the assessment years 1978-79, 1979-80 and 1980-81.

[No. 3510/F. No. 197/193/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1980

का० धा० 2927.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "भारतीय भाषा परिषद्" को निर्धारण वर्ष 1978-79, 1979-80 और 1980-81 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3513/का० सं० 197/15/80-आ०क० (ए 1)]

New Delhi, the 2nd July, 1980

S.O. 2927.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharatiya Bhasha Parishad" for the purpose of the said section for the assessment years 1978-79, 1979-80 and 1980-81.

[No. 3513/F. No. 197/15/80-IT(AI)]

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1980

का० धा० 2928.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इण्डियन स्टैडर्डेस इंस्टीट्यूशन" को निर्धारण वर्ष 1972-73 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3515/का० सं० 197/27/80-आ०क० (ए 1)]

New Delhi, the 4th July, 1980

S.O. 2928.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Standards Institution" for the purpose of the said section for the assessment years 1972-73 to 1980-81.

[No. 3515/F. No. 197/27/80-IT(AI)]

का० धा० 2929.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "पब्लिक इण्टरप्रेजेंटर कंटीन्यूहांग एजुकेशन नई दिल्ली" को निर्धारण वर्ष 1978-79, 1979-80 और 1980-81 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3517/का० सं० 197/182/79-आ०क० (ए 1)]

S.O. 2929.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Public Enterprises Centre for Continuing Education,

New Delhi" for the purpose of the said section for the assessment years 1978-79, 1979-80 and 1980-81.

[No. 3517/F. No. 197/182/79-IT(AI)]

का० धा० 2930.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "आंध्र प्रवेश ललित कला एकादमी" को निर्धारण वर्ष 1975-76 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3518/का० सं० 197/37/78-आ०क० (ए 1)]

S.O. 2930.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Andhra Pradesh Lalit Kala Akademi" for the purpose of the said section for the assessment years 1975-76 to 1980-81.

[No. 3518/F. No. 197/37/78-IT(AI)]

का० धा० 2931.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक प्रसीस्टेंस" को निर्धारण वर्ष 1963-64 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3519/का० सं० 197/100/78-आ०क० (ए 1)]

S.O. 2931.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Public Assistance" for the purpose of the said section for the assessment years 1963-64 to 1980-81.

[No. 3519/F. No. 197/100/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1980

का० धा० 2932.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "प्रेटर विसाखा ऐपरोसी ट्रीटमेंट एण्ड हेल्प एजुकेशन स्कीम" को निर्धारण वर्ष 1975-76 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3591/का० सं० 197/105/80-आ०क० (ए 1)]

New Delhi, the 16th July, 1980

S.O. 2932.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Greater Visakha Leprosy Treatment and Health Education Scheme" for the purpose of the said section for the assessment years 1975-76 to 1980-81.

[No. 3591/F. No. 197/105/80-IT(AI)]

का० धा० 2933.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री सत्या साई सेंट्रल इस्ट मुम्बई" को निर्धारण वर्ष 1977-78 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3592/का० सं० 197/50/79-आ०क० (ए 1)]

S.O. 2933.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Sathya Sai Central Trust Bombay" for the purpose of the said section for the assessment years 1977-78 to 1980-81.

[No. 3592/F. No. 197/50/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1980

का०प्र० 2934—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “राजस्थान गो-सेवा संघ जयपुर” को निर्धारण वर्ष 1977-78 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3620/फा० सं० 197/187/79-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 7th August, 1980

S.O. 2934.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Rajasthan Go-Seva Sangh Jaipur” for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1977-78 to 1980-81.

[No. 3620/F. No. 197/187/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1980

का०प्र० 2935.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “एन ए बी लाइन्स होम फॉर एजिं ब्लाइंड” को निर्धारण वर्ष 1976-77 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3622/फा० सं० 197/165/78-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 10th August, 1980

S.O. 2935.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “NAB Lions Home for Aging Blind” for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1976-77 to 1980-81.

[No. 3622/F. No. 197/165/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1980

का०प्र० 2936.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “त्रिपुरा रिलीफ कमेटी” को निर्धारण वर्ष 1980-81 से 1982-83 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3642/फा० सं० 197/129/80-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 30th August, 1980

S.O. 2936.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Tripura Relief Committee” for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1980-81 to 1982-83.

[No. 3642/F. No. 197/129/80-IT(AI)]

का०प्र० 2937.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “सेट जोसेफ एजुकेशन एंड मीडिकल रिलीफ सोसाइटी, मुम्बई” को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1981-82 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3643/फा० सं० 197/193/79-आ० क० (ए 1)]

S.O. 2937.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “St. Joseph’s Education and Medical Relief Society, Bombay” for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1978-79 to 1981-82.

[No. 3643/F. No. 197/193/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1980

का०प्र० 2938.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “दि एसोसिएटेड चैम्पस आफ कामर्स एंड इण्डस्ट्री

आफ इंडिया” को निर्धारण वर्ष 1974-75 से 1981-82 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3652/फा० सं० 197/179/77-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 10th September, 1980

S.O. 2938.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Associated Chambers of Commerce and Industry of India” for the purpose of the said section for the assessment years 1974-75 to 1981-82.

[No. 3652/F. No. 197/179/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1980

का०प्र० 2939.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “लिटल सिस्टर्स ऑफ पुअर, मद्रास” को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1980-81 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3665/फा० सं० 197/58/80-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 18th September, 1980

S.O. 2939.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Little Sisters of the Poor, Madras” for the purpose of the said section for the assessment years 1978-79 to 1980-81.

[No. 3665/F. No. 197/58/80-IT(AI)]

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1980

का०प्र० 2940.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “दो लक्ष्मणजूला डिस्पेसरी एंड रिहाबिलिटेशन सेंटर, तपोवन” को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1981-82 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3678/फा० सं० 197/151/79-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 29th September, 1980

S.O. 2940.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Lakshmanjhula Dispensary and Rehabilitation Centre, Tapovan” for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1978-79 to 1981-82.

[No. 3678/F. No. 197/151/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1980

का०प्र० 2941.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “पंजाब एमलगेमेंट एंड फार दि वेलफेर आफ एक्स सर्विसमैन” को निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3682/फा० सं० 197/110/79-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 1st October, 1980

S.O. 2941.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Punj.b Amalgamated Fund for the Welfare of Ex-servicemen” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1978-79.

[No. 3682/F. No. 197/110/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1980

का०प्र० 2942.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “केसर पोलेन्टम एंड गांधीनिएशन, मुम्बई” को निर्धारण वर्ष 1981-82 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 3704/फा० सं० 197/169/80-आ० क० (ए 1)]

S.O. 2942.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Cancer Patients Aid Association, Bombay" for the purpose of the said section for the assessment year 1981-82.

[No. 3704/F. No. 197/169/80-IT(AI)]

का०धा० 2943.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सर सासून डेविल ट्रस्ट फँड" को निर्धारण वर्ष 1972-73 से 1981-82 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[स० 3705/का०स० 197/151/78-आ०क० (एI)]

S.O. 2943.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sir Sasoon David Trust Fund" for the assessment year(s) 1972-73 to 1981-82.

[No. 3705/F. No. 197/151/78-IT(AI)]

का०धा० 2944.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "वि नासिक पंचवटी पंजरापोल" को निर्धारण वर्ष 1981-82 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[स० 3706/का०स० 197/193/78-आ०क० (एI)]

बी०एम० सिंह, अव०र सचिव

S.O. 2944.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Nasik Panchvati Panjrapole" for the purpose of the said section for the assessment year 1981-82.

[No. 3706/F. No. 197/193/78-IT(AI)]
B. M. SINGH, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1980

स्वाक्षर

का०धा० 2945.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (i) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उस शुल्क की माफ करती है, जो कृषि पुनर्वित तथा विकास निगम द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले अण-पदों के रूप में अन्य-पदों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य है।

[स० 20/80/स्टाम्प० आ०स० 33/33/80-दि०क]

जी० एस० मेहरा, अव०र सचिव

ORDER

New Delhi, the 13th October, 1980

STAMP

S.O. 2945.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty chargeable under the said Act in respect of bonds in the form of debentures to be issued from time to time by the Agricultural Refinance and Development Corporation.

[No. 20/80-Stamp. F. No. 33/33/80-ST]

G. S. MEHRA, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1980

(आय-कर)

का०धा० 2946.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस धारा की भूवं प्रधिसूचनाओं को अधिकारी करते हुए, भिवेण बता है कि इसने उपावद्ध प्रनुसूची के स्तम्भ 1 में विनियिट आय-कर आयुक्त, उसके स्तम्भ 2 में विनियिट मुख्यालय सहित, ऐसे शेषों या ऐसे व्यक्तियों या ऐसे वर्गों के अधिकारी या ऐसी आय या ऐसे मामलों या ऐसे वर्गों के मामलों की वाचत, जो उक्त स्तम्भ 3 में विनियिट आय-कर संकेत, बाढ़ों या जिलों के प्रत्यंगत आते हैं, प्रपते कृत्यों का पालन करेंगे।

परन्तु यह कि आय-कर आयुक्त ऐसे अधिकारी या ऐसे मामलों की वाचत भी, जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा उनके अधीनस्थ किसी आय-कर प्रधिकारी को समनुविष्ट किए गए हों या किए जाए, अपने कृत्यों का पालन नहीं करेंगे।

प्रनुसूची

आय-कर आयुक्त	मुख्यालय	प्रधिकारी	1	2	3
			भोपाल	भोपाल	भोपाल जिला
15 भोपाल			1. भोपाल जिला		2. बेंगलुरु जिला
			3. फिल्ड जिला		4. बतिया जिला
			5. देवाम जिला		6. धार जिला
			7. ग्वालियर जिला		8. गुना जिला
			9. हीमगीबाद जिला		10. इटावा जिला
			11. खण्डवा जिला		12. खरोन जिला
			13. मन्दसौर जिला		14. मुरेना जिला
			15. रायसेन जिला		16. रायगढ़ जिला
			17. रत्नाम जिला		18. सीहांहर जिला
			19. शाजापुर जिला		20. शिवपुरी जिला
			21. उज्जीव जिला		22. विद्याम जिला
			23. शाक्तपुरा जिला		
15-क० जबलपुर	जबलपुर		1. अधिवक्तापुर जिला		2. बालाशाह जिला
			3. बस्तर जिला		4. बिलासपुर जिला
			5. छतरपुर जिला		6. छिन्दवाहा जिला
			7. दमोह जिला		8. दुर्ग जिला

1	2	3	1	2	3
		9. जबलपुर जिला			11. District of Khandwa
		10. मंदला जिला			12. District of Khargone
		11. नरसिंहपुर जिला			13. District of Mandsaur
		12. पटा जिला			14. District of Morena
		13. रायगढ़ जिला			15. District of Raisen
		14. रायपुर जिला			16. District of Rajgarh
		15. राजनगांव जिला			17. District of Ratlam
		16. रीचा जिला			18. District of Sehore
		17. सागर जिला			19. District of Shajapur
		18. सतना जिला			20. District of Shivpuri
		19. सिवनी जिला	15A. Jabalpur.		21. District of Ujjain
		20. शहडोल जिला	pur.		22. District of Vidisha
		21. सीधी जिला			23. District of Zabua,
		22. टीकमगढ़ जिला			

यह घोषणा 28-8-1980 से प्रभावी होगी।

[स० 3638/फा० स० 187/33/79-प्राइटीएन]
वी० एक० सिंह, प्रब० सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 27th August, 1980

(INCOME-TAX)

S.O. 2946.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioners of Income-tax specified in column 1 of the Schedule hereto annexed with headquarters specified in column 2 thereof shall perform their functions in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as are comprised in the Income-tax Circle, Wards or Districts referred to in the said column 3 :

Provided that a Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or of such cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax authority subordinate to him :

Provided further that a Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned to any Income-tax authority outside his jurisdiction.

SCHEDULE

Commissioner of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
15. Bhopal	Bhopal	1. District of Bhopal 2. District of Betul 3. District of Bhind 4. District of Datia 5. District of Dewas 6. District of Dhar 7. District of Gwalior 8. District of Guna 9. District of Hoshangabad 10. District of Indore

1. District of Ambilkapur
2. District of Balaghat
3. District of Bastar
4. District of Bilaspur
5. District of Chhattarpur
6. District of Chhindwara
7. District of Damoh
8. District of Durg
9. District of Jabalpur
10. District of Mandla
11. District of Narsinghpur
12. District of Panna
13. District of Raigarh
14. District of Raipur
15. District of Rajnandgaon
16. District of Rewa
17. District of Sagar
18. District of Satna
19. District of Seoni
20. District of Shahdol
21. District of Sidhi
22. District of Tikamgarh

This notification shall have effect from 28-8-1980.

[No. 3638/F.No.187/33/79-ITA]
B.M. SINGH, Under Secy.

आपकर आपूर्त का कार्यालय, कोचीन

कोचीन, 14 अक्टूबर, 1980

S.O. 2947.—आपकर आपूर्त, 1981 (1961 का 43) की आय 287 की उपधारा (1) और भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व और धीमा विभाग) के आदेश एक० सं० 83/108/69-एटी० (वी), विमांक 26-12-1970 के अनुसरण में, मैं एसथृदारा ऐसे करवाताओं का नाम प्रकाशन करता हूँ जिनके वित्तीय वर्ष 1979-80 में एक साल रूपये से अधिक प्रमाण कर बढ़ते जाते में विद्या गया है, उनका नाम निम्नलिखित आय-सूची-1 में दिया गया है :—

आय-सूची-1

आपकर आपूर्त, केरल प्रभार I और II के करवाताओं का नाम जिनसे वित्तीय वर्ष 1979-80 में एक साल रूपये से अधिक प्राप्त कर बढ़ते जाते में लिखा गया है।

नाम करवाताओं का स्थानि निर्धारण	बढ़ते जाते में अपलेखन का सं० नाम व पता	वर्ष	बढ़ते जाते में हुय रकम	कारण संक्षेप में	
1	2	3	4	5	6

केरल-I

1. मे० कोचीन कंपनी 1962-63 मेरेस्स आप्प गलबानिसेस (वी)	र० निषिकम कंपनी है से 2,47,070 1966-67 तक
---	--

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
लिमिटेड,				सिये	इनके	3	श्री इ० पी०	ध्यक्ति	1965-66	रु०	करदाता के
एरकुलम।				पास कोई चल		एम. भोहम्मद,		से	1,81,974		विलद कारबाई
				या अचल		जकीना		1971-72			करने, इनके
				संपत्ति नहीं		मंजिल,		तक			पास कोई चल
				है।		कारपंचांगा,					या अचल
						कालिकट					संपत्ति नहीं
केरल-II				रु० 106, 782							है।
2. श्री बी० जे	ध्यक्ति	1948-49		रु०	करदाता के विशद	टिप्पणी :—“एक ध्यक्ति से प्राप्य कर बहे थाते में डाला गया है, इसका अर्थ सिफ़ यह है कि आयकर विभाग की राय में इस प्रकाशन की तारीख तक करदाता के विहित आस्तियों से बहुत नहीं किया जा सकता है। प्रकाशन का यह आवाय नहीं है कि कानून के अनुसार यह रकम अवैध है या करदाता को उक्त रकम चुकाने के उत्तरदायित्व से उनमुक्त किया गया है।”					
मातृ०		1952-53	1,06,782		कारबाई करने,						[सी० स० 42/80-81/पार०]
फातिमा		प्रौर			इनके, पास						एम० एस० उण्णिनायर, आयकर आयुक्त, कोचिन।
कालेज,		1953-54			कोई चल या						
तालपाया,					अचल संपत्ति						
कण्णूर					नहीं है।						

Office of the Commissioner of Income-Tax Cochin

Cochin, the 14th October, 1980

S.O. 2947.—In pursuance of Sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in pursuance of Order F.No.83/108/69-IT(B) dated 26th December, 1970 of the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), Government of India, I, hereby publish the names of assessees in whose cases tax dues exceeding Rs. 1 lakh have been written off during the financial year 1979-80 as per Schedule I appended hereto :—

SCHEDULE I

Names of Assessee in whose cases tax dues over Rs. 1 lakh have been written off during the Financial year 1979-80 in the Erst-while Charges of the Commissioners of Income-tax, Kerala I and Kerala II.

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asst. year	Amount written off	Brief reasons for written off
KERALA I					
1.	M/s. Cochin Metals and Galvanisers (P) Limited, Ernakulam.	Company	1962-63 to 1966-67	Rs.2,47,070	The Company is defunct and does not own any movable or immovable properties which could be proceeded against.
KERALA II					
2.	Sri. V.J. Mathew, Fathima College, Talapaya, Cannanore.	Individual	1948-49, 1952-53 and 1953-54	Rs.1,06,782	The assessee does not own any movable or immovable property which could be proceeded against.
3.	Sri. E.P.M. Mohammed, Zakeena Manzil, Karaparamba, Calicut.	Individual	1965-66 to 1971-72	Rs.1,81,974	The assessee does not own any movable or immovable properties which could be proceeded against.

Note : The statement that the tax dues from a person has been written off only mean that in the opinion of the Income-tax Department it cannot on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liability to pay the amount in question.

[C. No. 42/80-81/R]

M.S. UNNINAYAR, Commissioner of Income-tax, Cochin.

बाणिज्य मन्त्रालय

नई विल्ली, 8 अक्टूबर, 1980

(रबड़ निपटन)

का० आ० 2948—रबड़ नियम, 1955 के नियम 4 के उपस्थिति

(1) के माध्य पठित रबड़ अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4 की उपधारा (3) के बाण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को अधिक वित्तीय करने के लिए रबड़ बोर्ड के गवर्नर भनोनीत करती है और निदेश देती है कि बाणिज्य मन्त्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं० का० आ० 13 (E) विनाक 11 जनवरी, 1978 मे निम्नलिखित संरोधन किया जाएगा, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना मे क्रमांक 16 तथा उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नोक्त क्रमांक तथा प्रविष्टियाँ जोड़ दी जायेंगी, अर्थात् :—

17 श्री पी० डॉ जार्ज, महामचिव, केरल प्राइवेट वर्कर्स फेडरेशन, मन्दाकायम, केरल।	अधिक हित का प्रतिनिधित्व करने के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा भनोनीत।
18 श्री अरु० रविन्द्रन, मचिव, केरल स्टेट ट्रेड यूनियन कॉमिटी, मुण्णातन मैमोरियल बिन्डिंग, बायूतकड़, क्रिवेन्डम, केरल।	
19 श्री क० परमानन्द, मीटू हाऊस, मालडार रोड, विवेद्रम-695001 केरल।	
20 श्री एन० श्रीकान्तन नायर, जामकी सदनम, अम्बालापुरा पो० आ०, मलनपी, डिस्ट्रिक्ट केरल।	

2 केन्द्रीय सरकार विवादिष्ट करती है कि क्रमांक 17 से 20 तक के सामने विवेचने वाले सदस्य सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 10 जनवरी, 1981 को मनाज द्वारा जारी करना चाहिए, जिसमें यह नारीख भी शामिल है पद पर बने रहेंगे।

[का० सं० 15 (2)/77-प्राइवेट (बा०)]

एम० महादेव अध्यक्ष, उप निवेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 8th October, 1980

(RUBBER CONTROL)

S.O. 2948.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (3) of section 4 of the Rubber Act, 1947 (24 of 1947) read with sub-rule (1) of rule 4 of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby nominates the following persons to be the members of the Rubber Board to represent labour interests and directs that the following amendment shall be made to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce N.S.O. 13 (E) dated the 11th January, 1978, namely:—

In the said notification, after Serial No. 16 and the entry relating thereto, the following Serial Nos. and entries shall be inserted namely:—

- | | |
|---|--|
| 17. Shri P.D. George,
General Secretary,
Kerala Plantation Workers
Federation,
Mundakayam,
Kerala. | Nominated by the
Central Govern-
ment to represent
the interest of
labour. |
| 18. Shri R. Ravindran,
Secretary,
Kerala State Trade Union Council,
Sugathan Memorial Building,
Vazhuthakkad,
Trivandrum,
Kerala. | |
| 19. Shri K. Padmanabhan,
CITU House,
Malldor Road,
Trivandrum-695001
Kerala. | |
| 20. Shri N. Sreekantan Nair,
Janaki Sadanam,
Ambalapuzha P.O.,
Alleppy District,
Kerala. | |

2. The Central Government specifies that the members at Serial Nos. 17 to 20 shall hold office for a period commencing from the date of publication of this notification in the Official Gazette and ending with and inclusive of the 10th January, 1981.

[File No. 15(2)/77-Plant(B)]
S. MAHADEVA IYER, Deputy Director

(बाणिज्य विभाग)

नई विल्ली, 1 नवम्बर, 1980

का० आ० 2949.—केन्द्रीय सरकार, काङू की गिरियों के निर्धारा (बालिटी नियवण और निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 8 के अनुसार में और सारस सरकार के बाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1050 तारीख 1 फ्रैश, 1966, स० का० आ० 1694 तारीख 6 जून, 1966 स० का० आ० 2705 तारीख 5 सितम्बर, 1966 और स० का० आ० 2781 तारीख, 14 अगस्त, 1967 को अधिकालन करते हुए, इस अधिसूचना के माध्य उपबद्ध सारणी के सम्बन्ध (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को नियन्त निरीक्षण अधिकारण के विवर उक्त नियमों के अन्तर्गत अपील सुनने के प्रयोजन के लिए विशेषज्ञों के पैनल के रूप में नियुक्त करती है :—

परन्तु नियांत निरीक्षण अधिकारण द्वारा किए गए विनियोग के विवर उक्त सारणी के सम्बन्ध (1) में उपलिखित स्थानों पर जो सम्बन्ध (2) में विनियन किए गए हैं, उस स्थान के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा अपील सुनी जाएगी।

परन्तु यह भी कि यदि उक्त पैनल का नियम विवर वस्तु में व्यक्तिगत रूप से हितवाद है तो वह उस अपील से संबंधित कार्यवाहीयों में भाग नहीं लेगा।

सारणी

अपील का सुनवाई का स्थान	विशेषज्ञों का पैनल गठित करने वाले व्यक्ति जिन्होंने अपील हो सकती है
बूषीधार (तमिलनाडु राज्य के कल्याण-कुमारी, तिस्तवेली तथा रामतद जिलों की सम्मिलित करते हुए)	1 श्री पी० गोपीनाथ गिलौ श्री मै० लक्ष्मी के शृणु कापोरिशन, किलालान।

1	2	3	1	2	3
2. श्री के. कारनाकरण, मै. करुना कैश्यू का. किवलान ।			उप-निदेशक, नि. नि. अ. कोचीन, किवलान ।		पीर सदस्य, संघीजक
3. श्री पी. गोपीनाथन नायर, ग्रनिटर कैश्यू का. किवलान ।			कोचीन (केरल राज्य के एनकुलम तथा लिंगुर जिला को सम्मिलित करते हुए)	1. श्री के. पी. जौन, मै. हिमीसियस कैश्यू का. इरजलाकुड़ा	
4. श्री पी. भाराधन पिलै, मै. ऐश्वर्याटिक एक्स- पोर्ट इन्टरप्राइज, किवलान,				2. श्री के. गोपीनाथन नायर, मै. गोपीनाथनायर एण्ड का., किवलान ।	
5. श्री के. रविन्द्रालाधन नायर, मै. विजय लक्ष्मी कैश्यू का. किवलान ।				3. श्री यामन भग्नी, मै. पेरस लैजली इंडिया लि., कोचीन- 18	
6. जिला हृषि अधिकारी, जिला कन्याकुमारी, नमिलनाडु । (पदेन)				4. श्री पी. सी. मध्यम, मै. स्टेटबडे कैश्यू इंडस्ट्रीज, कोचीन-18	
7. उप-निदेशक भारतीय मानक संस्था, किवलान । (पदेन) उप-निदेशक नि. नि. अ. कोचीन किवलान । पीर सदस्य				5. श्री जी. यशोधरन, मै. जामिमिया इन्स्ट- रेशनल, कुन्द्रा ।	
किवलान (केरल राज्य के किवलान, त्रिवेश्वरम, अलप्पी और कोट्यम जिलों को सम्मिलित करते हुए)	1. श्री एन. सुम्दरास्वरन, संयोजक काजू नियंत्रित कर्ता किवलान		6. उप अध्येता विष्णु अधिकारी, विष्णु और निरीक्षण निदेश- शालय, (भारत सरकार) प०/दीप, कोचीन-3 । (पदेन)		
	2. श्री सुजीर गणेशना- यक, मै. सुजीर गणेश नायक एण्ड का, किवलान ।		7. जिला हृषि अधि- कारी, एनकुलम (पदेन) संयुक्त निदेशक, नि. नि. अ. कोचीन, कोचीन-11 पीर सदस्य, संयोजक		
	3. श्री के. भाराधन, प्रब्रह्म निदेशक, केरल राज्य काजू विकास निगम, किवलान ।				
	4. श्री के. जनार्थन पिलै, मै. राजमोहन कैश्यू खाल लि. । किवलान ।				
	5. श्री पी. गंगाधरन पिलै, मै. के. गिरी यास का., किवलान ।				
	6. जिला हृषि अधि- कारी, किवलान । (पदेन)				
	7. डा. ए. जी. मैथू, प्रादेशिक अनुसंधान प्रयोगशाला श्रीछोगिक इंस्टेट, पापनमकोडे, किवेन्ड्रम । (पदेन)				
			कालीकट, गोवा तथा मेंगलुर (राज्य, संघ शेत्र के राज्य के कालीकट, पलाशाट और कैनूर जिलों गोवा, दमण और हिंप संघ राज्य के तथा मैसूर राज्य को सम्मिलित करते हुए)	1. श्री मिजार मवामन्दन मै. ० मै. मिजार गोविन्दा अम्बाया वी. एण्ड सन्स, मेंगलुर ।	
				2. श्री पी. लक्ष्मन पिलै, मै. लक्ष्मन एण्ड का., किवलान -691004	
				3. श्री आर. ए. डी. मैकालिफ, मै. पेरस लैजली इंडिया लि., मेंगलुर ।	
				4. श्री के. मुवरेया अब्दु कामथ,	

मैं० के सुबरेया प्रभाय
कामय,
एड नन्स,
कासर गोडे ।

5. श्री सुरेश नारायण
प्रभु जैटे,
मुख्य कार्यपालक'
मैं० नारायण गणेश-
प्रभु जैटे,
गोवा ।
6. सहायक विषयन
अधिकारी, विषयन और
निरीक्षण मिडेशालय,
(भारत सरकार)
भांसारी रोड, बुद्धर,
मैगलूर-1

(पदेन)

7. जिला कृषि अधिकारी,
जिला-दक्षिण कैनरा,
मैगलूर-1 (पदेन)
(मैसूर राज्य)
उप-निरीक्षक,
निय० भ० -कोचीन
मैगलूर गैर सदस्य संघोजक

35, हैडहोरोड,
मद्रास-6 (पदेन)
उप-मुख्य कार्यपालक,
निय० भ० मद्रास,
मद्रास

गैर सदस्य
संघोजक

2. पैसल की वर्णनपूर्ति तीन की होगी ।

[सं० 6(1)/77-निय० तथा निय० उ०]

सी०बी० कुकरेती, संयुक्त निवेशक

(Department of Commerce)

New Delhi, the 1st November, 1980

S.O.2949—In pursuance of rule 8 of the Export of Cashew Kernals (Quality Control and Inspection) Rules, 1966 and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1050, dated the 1st April 1966, No. S.O. 1694 dated the 6th June 1966, No. S.O. 2705, dated the 5th September, 1966 and No. S.O. 2781, dated the 14th August 1967, the Central Government hereby appoint the persons mentioned in the column (2) of the Table annexed to this notification, as the panel of experts for the purpose of hearing appeals under the said rules against the decision of the Export Inspection Agency.

Provided that an appeal against a decision made by the Export Inspection Agency at places indicated in column (1) of the said Table shall be heard by the Panel of Experts constituted for that place as shown in column (2) thereof:

Provided further that when a member of any of the said panel is personally interested in the subject matter of any appeal he shall not take part in the proceeding relating to that appeal.

TABLE

श्रीमं भारत
(मद्रास राज्य तथा कौशल शोवोंकी समिति-
निय० करते हुए जो अभ्यं पैसलों द्वारा
समिक्षित नहीं किए गए हैं)

1. श्री विनायक लीला
राम,
मैं० लीला राम सेवा राम
मद्रास ।
2. श्री ई० के० शाहल
हेसोन मुजालियर,
मैं० बैस्टनट कार्प०-
रेशन,
मद्रास ।
3. श्री ई० जालालुमा-
नक्काम,,
काणू नियर्ति संवर्धन
परिषद्,
कोचीन-16—
4. श्री घरम पिलै :
मैं० विजयलक्ष्मी कैश्यू
को०,
किल्लान,
5. ज्येष्ठ विषयन अधि-
कारी,
विषयन और निरी-
क्षण,
(भारत सरकार)

Place of hearing of appeal	Persons constituting the Panel of Experts to which appeal list
KUZHITHURAI (cover- ring the districts of Kanya- kumari, Tirunelveli and Ramanad of Tamilnadu).	1. Shri P. Gopinatha Pillai, M/s. Laxmi Cashew Corp., QUILON. 2. Shri K. Karunakaran, M/s. Karuna Cashew Co., QUILON. 3. Shri P. Gopinath Nair, The Jupiter Cashew Co., QUILON. 4. Shri P. Bharath N Pillai, M/s. Asiatic Export Enter- prises, QUILON. 5. Shri K. Ravindranathan Nair, M/s. Vijayalakshmi Cashew Co., QUILON.

1

2

1

2

<p>COCHIN (covering the districts of Ernakulam and Trichur of Kerala State).</p> <p>QUIILON, (covering the districts of Quilon, Trivandrum & Alleppey, Kottayam of Kerala State).</p>	<p>6. The District Agricultural Officer, Kanyakumari District, Tamilnadu. (Ex-officio)</p> <p>7. Dy. Director ISI TRIVANDRUM. (Ex- officio). Dy. Director, EIA-Cochin, QUIILON. Non-member, Convenor.</p> <p>1. Shri N. Sundarayyan Cashew Exporter, QUIILON.</p> <p>2. Shri Sujit Ganesh Nayak, M/s. Sujit Ganesh Nayak & Co., QUIILON.</p> <p>3. Shri K. Bhuvathan, Managing Director, Kerala State Cashew Dev. Corp., QUIILON.</p> <p>4. Shri K. Janardhanan Pillai, M/s. Rajmohan Cashews Ltd., QUIILON.</p> <p>5. Shri P. Gangadharan Pillai, M/s. Kerala Nut Food Co., QUIILON.</p> <p>6. Dist. Agricultural Officer, QUIILON. (Ex-officio).</p> <p>7. Dr. A.G. Mathew, Regional Research Laboratory, Industrial Estate, Pappanamkode, TRIVANDRUM. (Ex-officio). Dy. Director, EIA Cochinchina, QUIILON. Non-member, Convenor.</p> <p>1. Shri K.P. John, M/s. Delicious Cashew Co., Irinjalakuda.</p> <p>2. Shri K. Gopinathan Nair, M/s. K. Gopinathan Nair & Co., QUIILON.</p> <p>3. Shri Thomas Chandy, M/s. Pairce Leslie India Ltd., COCHIN</p> <p>4. Shri P.C. Abraham, M/s. Standard Cashew Indus., COCHIN-18.</p>	<p>5. Shri G. Yesodharan, M/s. Dulmia International, KUNDARA.</p> <p>6. Dy. Senior Marketing Officer, Directorate of Marketing and Inspection, (Govt. of India), W/Island, COCHIN-3. (Ex-officio).</p> <p>7. District Agricultural Officer, ERNAKULAM. (Ex-officio). The Joint Director, EIA—Cochin, COCHIN-11. Non-member, Convenor.</p> <p>CALICUT, GOA & MANGALORE (covering the districts of Calicut, Pal- ghat and Cannanore of Kerala State, Union Terri- tory of Goa, Damrau & Diu and the State of My- sore).</p> <p>1. Shri Mizar Sadananda Pai, M/s. Mizar Govinda Annappa Pai & Sons, MANGALORE.</p> <p>2. Shri P. Lekshmanan Pillai, M/s. Lkshman & Co., QUIILON-691 004.</p> <p>3. Shri R.A.D.McAuliffe, M/s. Peirce Leslie India Ltd., MANAGALORE.</p> <p>4. Shri K. Subraya Anantha Kamath, M/s. K. Subraya Ananth Kamath & Sons, KASARGODE.</p> <p>5. Shri Suresh Narayan Prabhu Zantye Chief Executive, M/s. Narayan Ganesh Prabhu Zantye, GOA.</p> <p>6. Asst. Marketing Officer, Directorate of Marketing & Inspection, (Govt. of India), Apsari Road, Bunder, MANAGALORE-1. (Ex-officio).</p> <p>7. District Agricultural Officer, South Kanara District. MANAGALORE (MYSORE STATE) (Ex-officio). Dy. Director, EIA-Cochin, MANGALORE. Non-member, Convenor.</p>
---	---	--

1

2

REST OF INDIA (covering the state of Madras and any other area not covered by the other panels).

1. Shri Vishnides Leelaram, M/s. Leelaram Shewaram (P) Ltd., MADRAS.
2. Shri T.K. Shahal Haseen Musaliar, M/s. Bestnut Corporation, MADRAS.
3. Shri D. Balasubramaniam, Chairman, Cashew Export Promotion Council, COCHIN-16.
4. Shri Sreedharan Pillai, M/s. Vijayalaxmi Cashew Co., QUIILON.
5. Senior Marketing Officer, Directorate of Marketing & Inspection, (Govt. of India), 35, Haddows Road, MADRAS-6. (Ex-officio). The Deputy Chief Executive, EIA-Madras, MADRAS. Non-member, Convenor.

2. The quorum of the Panel shall be three.

[No. 6(1)/77—E I & E P]
C.B. KUKRETI, Joint Director

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक प्रायात तथा नीरात का कार्यालय)

आवेदन

मद्रास, 14 अक्टूबर, 1980

का० आ० 2950 संघीय एक्सप्रेस यूरोपेपरज़ लिमिटेड, बौन्टरोड, मद्रास-2 को रुपये 34,000 तक, वेच आफ्सेट प्लेट्स के डिवेलपिंग के लिए आवश्यक केमिकल्स का आवात करने के लिए लाइसेंस संख्या पी-डी-1438072-सी-एक्स-71-एम-78 दिनांक 21-4-1979 जारी किया गया था। उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति ओं जाने के कारण, उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए लाइसेंसधारी ने आवेदन किया है। उमसे यह भी कहा गया है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल्य में रुपये 23,380,13 को छोड़कर रुपये 10619.87 का उपयोग कर लिया गया है।

उपर्युक्त लाइसेंस के समर्थन में आवेदक में एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी-डी-1438072-सी-एक्स-एक्स-71-एम-78 दिनांक 21-4-79 की मुद्रा विनियम नियन्त्रण की मूल प्रति ओं दी गयी है और आवेदन देता है कि आवेदक को उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियन्त्रण की अनुलिपि प्रति जारी किया जाय। लाइसेंस की मूल प्रति एकद्वारा रद्द किया जाता है।

मुद्रा विनियम नियन्त्रण की अनुलिपि प्रति संख्या पी-डी-1438072 दिनांक 21-4-79 ग्राहण जारी किया जाता है।

[संख्या . एटीसी-डीजीटीडी-329-एम 79-एयू-1]

के० रामन

उप मुख्य नियंत्रक, प्रायात तथा नीरात,
वैते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, प्रायात तथा नीरात।

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Madras, the 15th October, 1980

S.O.2950.—M/s. Express Newspapers Limited, Express Estates, Mount Road, Madras 2, were granted licence No. P/D/1438072/C/XX/71/M/78 dated 21-4-1979, for import of necessary chemicals for developing of Web Offset Plates for Rs. 34,000. They have requested for the issue of duplicate copy of the above licence (Exchange Control Copy) which has been lost by them. Further it has been stated by them that the above licence has been lost by them and having been utilised a sum of Rs. 10,619.87 only leaving a balance of Rs. 23,380.13P.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original copy of the licence No. P/D/1438072/C/XX/71/M/78 dated 21-4-79 (Exchange Control copy) has been lost and directs that a duplicate copy of the said licence (Exchange Control copy) should be issued to them. The original copy of the licence is hereby cancelled.

A duplicate licence (Exchange Control copy) No. P/D/1438072 dated 21-4-79 has been issued separately.

[No. ITC/DGTD/329/AM-79/AU-I]

K. RAMAN, Dy. Chief Controller of
Imports and Exports
For Joint Chief Controller of
Imports and Exports

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक संचालन

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1980

का० आ० 2951.—यत् पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रतीक) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक संचालन का० आ० सं० 1313 तारीख 11-4-80 द्वारा केन्द्रीय भरकार ने उक्त प्रधिनियम से सलग अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत् संसाम प्रधिकारी ने उक्त आधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिनियम से सलग अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का विनाशक यित्र किया है।

अब, अस. उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एकद्वारा योग्यता करती है कि इस प्रधिनियम से सलग अनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन विभाने के प्रयोजन के लिए एकद्वारा अर्जित किया जाता है।

श्रीर आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विरहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त हूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रगति

बी० प्रार० सी० मे० जी० जी० एस० विराज तक पाइप लाइन विछाने ।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तहसील : कड़ी	Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एक्स्ट्राई	सेक्टोर			
नानी कड़ी	114/ए	0	07	50	141	0	10 50
	117/ए	0	10	80	138/1	0	25 65
	128/ए	0	16	80	154	0	07 80
	133	0	13	29	136	0	03 50
	134	0	06	75			
	142/3	0	08	25			
	142/1	0	08	25			
	141	0	10	50			
	138/1	0	25	6.5			
	154	0	07	80			
	136	0	03	50			

[सं० 12016/13/80-प्र० I]

[No. 12016/13/80-Part-I]

नई विल्नी, 8 अक्टूबर, 1980

का० आ० 2952—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतोत्तर होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० एम० इ० सी० से सोभासन जी० जी० ए० ए० तक पेट्रोलियम के पारबहन के लिये पार्श्व लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाइ जानी चाहिए।

और यह, यह प्रतोत्तर होता है कि ऐसे लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एकदमावद्ध अनुसूची वर्णन भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रभित करना आवश्यक है।

अनु० ग्रब वेट्रोलियम और अनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रधिकार का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने इसमें उपयोग का प्रधिकार में अंजित करने का अपना प्राप्त एकदमावद्ध अधिकार किया है।

घराते कि उक्त भूमि में हितखड़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आवश्यक संबंध प्रधिकारी, तेल संथा प्राकृतिक गैस, आयोग, निर्माण और वेष्टमाल प्रभाग, मकरपुरा रोह, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकें।

और ऐसा आवश्यक करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विंध व्यक्तियों की साफ्त है।

प्रगति

कूप नं० एम० इ० सी० से सोभासन जी० जी० ए० II तक पाइप लाइन विछाने के लिए।

राज्य गुजरात जिला : मेहसाना साल्तुका . मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एक्स्ट्राई	सेक्टोर
जगुदण	464	0	09	84
	465	0	12	96
	466	0	06	48
	470	0	07	80
	472	0	11	67
	473	0	00	60

[सं० 12016/54/80-प्र० I]

SCHEDULE

Pipeline from VRC to GGS Viraj

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Nani Kadi	114/A	0	07	50
	117/A	0	10	80
	128/A	0	16	80
	133	0	13	20
	134	0	06	75
	142/3	0	08	25
	142/1	0	08	25

New Delhi, the 8th October, 1980

S.O. 2952.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from S.E.C. to Sobhasan GGs II in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every reason making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for Well No. S.E.C. to Sobhasan GGS II

State : Gujarat	District & Taluka : Mehsana			
Village	Survey No.	Hec-tare	Acre	Centiare
Jagudan	464	0	09	84
	465	0	12	96
	466	0	06	48
	470	0	07	80
	472	0	11	67
	473	0	00	60

[No. 12016/54/80-Prod.-II]

का० अा० 2953.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि नोकहिंसा में यह आवश्यक है कि गुणात राज्य में कूप नं० ५४० ई० जे० ५४ से ४९ (एस० सी० जी०) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिठाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिठाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और जूनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आवश्यकता घोषित किया है।

बास्ते कि उस भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिठाने के लिए आक्षेप सभाम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, नियमित और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-९ को इस अधिसूचना की सारीक से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी ज्ञान करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवस्थापी की मार्फत।

प्राप्ति

कूप नं० ५४ (एस० ई० जे०) से ४९ (एस० सी० जी०)
राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : मेहसाना

पाँच	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकार्ड	सेटीयर
जगुदान	859	0	79	80
	711	0	24	96
	710	0	07	00
कार्ट ट्रैक	0	00	50	
	708	0	01	00
	705	0	30	60
	703	0	12	60
	702	0	04	80
Cart tract	0	00	50	
	875	0	06	95
Cart tract	0	00	50	
	874	0	24	96
Cart tract	0	00	50	
	674	0	27	99
Road	0	01	00	
	683	0	03	60

[सं० 12016/54/80-प्रा०-II])

S.O. 2953.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from 54(S.E.J.) to 49 (SCG) in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every reason making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for Well No. 54 (SEJ) to No. 49 (SCG)

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Mehsana		
Village	Survey No.	Hec-tare	Acre	Centiare
Jagudan	859	0	79	80
	711	0	24	96
	710	0	07	00
Cart tract	0	00	50	
	708	0	01	00
	705	0	30	60
	703	0	12	60
	702	0	04	80
Cart tract	0	00	50	
	875	0	06	95
Cart tract	0	00	50	
	874	0	24	96
Cart tract	0	00	50	
	674	0	27	99
Road	0	01	00	
	683	0	03	60

[No. 12016/54/80-Prod. II]

का० अा० 2954.—यह: पेट्रोलियम और जूनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1242 तारीख 10-4-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिठाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आवश्यकता घोषित कर दिया था।

और यह: सभी प्राधिकारी में उस अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

और आगे, यह केन्द्रीय सरकार ने उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का विविधय किया है।

अब, यह उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी आधारों से मूल रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जै०ए०ल०ज०० से झलोरा जी०जी०ए० तक पाइपलाइन बिछाने के लिए
राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कड़ी

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर ए०मार०	सेटीयर फ०
लक्ष्मनपुरा	242	0	34 45
	241	0	18 25
	243	0	03 90
मेरठा	250	0	07 73
	238	0	11 10
	253/2	0	06 30
	253/1	0	07 12
	230	0	10 20
	227/2	0	05 70
	227/1	0	04 35
कार्ट ट्रैक	0	04	35
	226/2	0	10 50
	226/1	0	12 00
	217	0	13 95
	216	0	01 50
	59	0	01 50
	214	0	13 20
	213	0	02 55
	212	0	09 45
	209	0	01 00
	68	0	06 60
	70/2	0	05 40
	71	0	05 40
	72	0	08 55
	73	0	07 80
	195	0	09 00
	194	0	05 65

[सं० 12016/4/80-प्रोड०]

S.O. 2954. Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1242 dated 10-4-80 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from JLZ to Jhalora GGS

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kadi	Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
			Laxmanpura	242	0	34	45
				241	0	18	25
				243	0	03	90
Merda			250	0	07	73	
			238	0	11	10	
			253/2	0	06	30	
			253/1	0	07	12	
			230	0	10	20	
			227/2	0	05	70	
			227/1	0	04	35	
			Cart track	0	01	95	
			226/2	0	10	50	
			226/1	0	12	00	
			217	0	13	95	
			216	0	01	50	
			59	0	01	50	
			214	0	13	20	
			213	0	02	55	
Kadi			212	0	09	45	
			209	0	01	00	
			68	0	06	60	
			70/2	0	05	40	
			71	0	05	40	
			72	0	08	55	
			73	0	07	80	
			195	0	09	00	
			194	0	05	65	

[No. 12016/4/80-Prod.]

का० आ० 2955.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावधान है कि गुजरात राज्य में कूप नं० ५० के०-१२६ से जी०जी०ए० VI तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि देसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में विवित भूमि में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

यह अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप तालूक (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रज्ञम) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें अपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का अनन्त आवश्यकता वाला विवित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उम भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आवश्यक समय अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेष्टभाल प्रसार,

मकरसुरा गोड, वडोदरा-९ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा प्राप्ति करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्ट यह भी कह सकेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनबाई अनिवार्य हो या किसी विधि अवश्यायी की आवृत्ति।

प्रनुसूची

के-126 से जी०जी०एस० VI तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : महसाना	तालुका : कड़ी		
गाँव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	ए०प्रार०ई०	सेटीयर
Zulasan	642	0	01	50
	641	0	19	05
	654	0	15	60
	655	0	17	55
	657/2	0	04	50

[सं० 12016/52/80-प्र०]

S.O. 2955—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from K-126 to GOS VI in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land of the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From K—126 to GGS VI

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kadi		
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-tare
Zulasan	642	0	01	50
	641	0	19	05
	654	0	15	60
	655	0	17	55
	657/2	0	04	50

[No. 12016/52/80-Prod.]

का० जा० 2956.—यह: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रज्ञन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०जा० सं० 1243 तारीख 10-4-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाईमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह: सकाम प्राधिकारी से उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को लिपोट दे दी है।

और यहां यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त लिपोट पर विचार के पश्चात् हम अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गणक का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और यहां उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार से विहित होने के बजाय तेज़ और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषित द्वारा के प्रकाशन की इस तारीख की विहित होगा।

अनुसूची

एस०जी०आर० से जी०जी०एम० एम सी०टी०एफ० सोमासन तक पाइप-लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला और तालुका मेहसाना

गाँव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	ए०प्रार०ई०	सेटीयर
Zulasan	407	00	11	28
	428	00	03	24
	401	00	00	50
	400	00	14	40
	429	00	30	00
	11	00	08	88
	10	00	01	92
	6	00	01	20
	9	00	07	20
	65	00	04	32
	64	00	04	68
	63	00	04	80
	62	00	03	80
	92	00	11	00
	93/1	00	02	88
	93/2	00	09	96
	94	00	19	20
	440	00	14	40
	रोड	00	00	75
	441	00	05	28
	132	00	05	40
	133	00	06	84
	126	00	04	80

[मं० 12016/9/80-III]

S.O. 2956.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1243 dated 10-4-80 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

ROU for SDR to GGS GUM CFT SOB

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Mehsana		
Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
Punasan	407	00	11	28
	428	00	03	24
	401	00	00	50
	400	00	14	40
	429	00	30	00
	11	00	08	88
	10	00	01	92
	6	00	01	20
	9	00	07	20
	65	00	04	32
	64	00	04	68
	63	00	04	80
	62	00	03	60
	92	00	11	00
	93/1	00	02	88
	93/2	00	09	96
	94	00	19	20
	440	00	14	40
	ROAD	00	00	75
	441	00	05	28
	132	00	05	40
	133	00	06	84
	126	00	04	80

[No. 12016/9/80-Prod-II]

का० आ० 2957.—यतः पेट्रोलियम और जूनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1169 तरीका 3-4-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिष्टिष्ठ भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी को उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिष्टिष्ठ भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिष्टिष्ठ उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग

827 GI/80—3

का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक नैट आयोग में, सभी भाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तरीका को निहित होगा।

प्रतुसूची

मानन्द— 42 से सानन्द 15 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कलोल

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	प०आर०ई०	सेटीयर
जेठलज	9/1	0	0.8	22
	9/2	0	0.3	15
	544	0	0.1	8.6
	373/1	0	1.1	16
	373/2	0	0.9	77

[सं० 12016/1/80-प्र००]

S.O. 2957.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1169 dated 3-4-80 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by such section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Sanand—42 to Sanan 15

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol		
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Jethalaj	9/1	0	0.8	22
	9/2	0	0.3	15
	544	0	0.1	8.6
	373/1	0	1.1	16
	373/P	0	0.9	77

[No. 12016/1/80-Prod.]

का० आ० 2958.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० के-83 से के-5 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी आहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुच्छेद में विनियम भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और जूनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3

की उपधारा (1) द्वारा प्रकृति शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का अपना मास्य एवं दूसरा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हिस्बद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के निषे पा प लाइन विलाने के लिए आक्षेप मकाम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस तथा आयोग, निर्माण और देखभाल प्रबाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनबाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफेत।

अनुसूची

कूप नं० के-83 से के-5 तक पार्श्व लैन विलाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: तालुका गांधी नगर

पांच	सर्वे नं०	हेक्टेयर एक्ट्रार०ह० सेटीयर
सरथा	21/1	0 01 00
	80	0 07 15
	81/6	0 08 25
	81/5	0 08 40
कार्ट ट्रैक	0 01 50	
1362	0 06 90	
1361/2	0 06 90	
1360/1	0 01 50	
1357	0 04 50	

[सं० 12016/1/80-प्र०]

[No. 12016/1/80 Prod.]

शुद्धि पत्र

नई विली, 9 अक्टूबर, 1980

का० आ० 2959—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्ति) अधिनियम 1962 (1962 का 50) के अन्तर्गत भारत सरकार पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) द्वारा जारी अधिसूचना का० आ० सं० 1461 संघा० 12020/10/80 प्रोट्र विनाक 8-5-80 के संसाग अनुसूची में भारत के राजपत्र के भाग II, अंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 24-5-80 में प्रकाशित तस्वीर गुडगांव जिला गुडगांव राज्य हरियाणा के लिये :

के स्थान पर

पांच

प्राम	खसरा	छेत्रफल			खसरा	छेत्रफल		
		हेक्टेयर	ऐयर	वर्ग मी०		हेक्टेयर	ऐयर	वर्ग मी०
1	2	3	4	5	6	7	8	9
सैकानी ह०न० 207	101/1/3 मिन	0	02	20	101/1/3 मिन	0	02	28
	24/13/1 "	0	08	05	24/13/1 "	0	08	10
	24/14/1 "	0	04	10	24/14/1 "	0	04	05
	38/10 "	0	10	88	37/10 "	0	10	88
	57/11/1 "	0	02	28	58/11/1 "	0	02	28
	57/11/2 "	0	10	88	58/11/2 "	0	10	88
	57/19 "	0	10	37	58/19 "	0	10	37
	57/20 "	0	02	78	58/20 "	0	02	78
दमदमा ह०न० 174	34/16/2 "	0	00	00	33/16/2 "	0	00	00
जोरला ह०न० 177	39/22 "	0	10	37	30/22 "	0	10	37
भोंडी ह० न० 168	6/6 "	0	01	01	16/6 "	0	01	01
	145/5/2 "	0	08	86	145/6/2 "	0	08	86
मेदाषास ह०न० 85	74/25 "	0	10	12	73/25 "	0	10	12

S.O. 2958.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from K-83 to K-5 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land of the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara 390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. K-83 to K-5

State : Gujarat District & Taluka : Gandhinagar

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centi tiare
Sertha	21/2	0	01	00
	80	0	07	15
	81/6	0	08	25
	81/5	0	08	40
Cart track	0	01	50	
1362	0	06	90	
1361/2	0	06	60	
1360/1	0	01	50	
1357	0	04	50	

1	2	3	4	5	6	7	8	9		
तिगरा ह०न० 51	8/16	मिन	0	08	60	4/16	मिन	0	08	60
	15/5/2	"	0	05	51	15/5/2	"	0	05	52
बन्दपुर ह०न० 93	8/11	"	0	07	84	5/11	"	0	07	84
मुलाहेडा ह०न० 65	9/1/2	"	0	01	01	16/1/2	"	0	01	01
	9/10	"	0	10	12	16/10		0	10	12
	9/11	"	0	10	12	16/11	"	0	10	12
	9/20	"	0	09	61	16/20		0	09	61
	9/21	"	0	10	12	16/21	"	0	10	12
कार्टर पुरी ह०न० 63	12/14/2	"	0	10	12	12/19/2	"	0	10	12

[ऋग संख्या 12020/10/80-प्रोड०]

ERRATUM

New Delhi, 9th October, 1980

S.O. 2959.—In the Schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum S.O.No. 1461 (No. 12020 10/80 Prod) dated 8th May, 1980 issued under Sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962) published at pages 1495-1503 dated 24th May 1980 of the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section (ii) for Tehsil Gurgaon Distt. Gurgaon State of Haryana.

Name of Village	For	Revd							
		Khasra No.	H	A	Sq. Mtrs	Khasra No.	H	A	Sq. Mtrs.
Selani H.No. 207	17/105 Min	0	01	01	105 Min	0	01	01	01
Kranki H.No. 206	3/4 Min	0	11	13	7/4 Min	0	11	13	
	3/6 Min	0	03	29	7/6 Min	0	03	29	
	3/7 Min	0	08	86	7/7 Min	0	08	86	
	3/15 Min	0	12	14	7/15 Min	0	12	14	
	3/16 Min	0	04	81	7/16 Min	0	04	81	
	3/21 Min	0	11	89	6/21 Min	0	11	89	
	3/22 Min	0	00	25	6/22 Min	0	00	25	
	21/15 Min	0	11	51	21/15 Min	0	00	51	
Choharpur H.No. 203	8/15 Min	0	09	36	18/15 Min	0	09	36	
Abhepur H.No. 173	73/24 Min	0	08	61	73/24 Min	0	09	61	
Damdaama H.No. 174	33/52 Min	0	00	76	52 Min	0	00	76	
Kherla H.No. 177	6/78 Min	0	02	78	78/Min	0	02	78	
	16/19/1 Min	0	07	84	61/19/1 Min	0	07	84	
Medawas H.No. 85	990 Min	0	00	76	90 Min	0	00	76	
Tigra H.No. 51	8/9 Min	0	10	12	28/9 Min	0	10	12	
	15/5/2 Min	0	05	51	15/5/2 Min	0	05	57	
Sirhol H.No. 70	14/1 Min	0	02	82	25/14/1 Min	0	05	82	
	43/20 Min	0	06	58	42/20 Min	0	06	58	
Mulahera H.No. 65	10/21/2 Min	0	06	58	20/21/2 Min	0	06	58	
Carter pur H.No. 63	12/14/2 Min	0	10	12	12/19/2 Min	0	10	12	

[No. 12020/10/80-Prod.]

नई विल्सो, 9 अक्टूबर, 1980

श्रीराधारा: मध्यम प्राविकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देकी है।

श्रीराधारे, यन् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पालन करने के अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब अन: उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा व्योजित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्रदान किया जाना के लिए अर्जित करने का अनन्य आशय सौचित्र कर दिया था।

और आगे उस आय की उपचारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में नहिं होने के बजाय इंडियन आयल कारपोरेशन लिं. में भूमि बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रनुस्खी

तहसील : छाता जिला : मधुरा राज्य : उत्तर प्रदेश

ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल				
		हैक्टर				
		एक्टर	ऐक्टर	वर्ग-मीटर		
1	2	3	4	5		
आझई खुद	92 मिन	0	00	81		
	94 "	0	03	24		
	95 "	0	03	24		
	96 "	0	00	81		
	98 "	0	27	52		
	115 "	0	16	19		
	116 "	0	25	90		
	117 "	0	00	81		
	127 "	0	12	95		
	128 "	0	04	45		
	133 "	0	20	23		
	136 "	0	00	81		
	137 "	0	00	40		
	139 ,	0	19	42		
	140 ,	0	17	81		
	141 ,	0	07	28		
	142 ,	0	01	21		
	198 "	0	17	40		
	199 "	0	44	92		
	225 "	0	00	81		
	226 "	0	00	81		
	231 "	0	27	52		
	233 "	0	20	23		
	234 "	0	00	81		
	235 "	0	21	04		
	248 "	0	15	38		
	251 "	0	16	19		
	253 "	0	01	62		
	254 "	0	08	50		
	255 "	0	00	81		
	256 "	0	05	26		
	258 "	0	11	33		
	259 "	0	23	47		
	261 "	0	06	48		
	264 "	0	00	40		
	262 "	0	15	38		
	886 "	0	11	33		
	889 "	0	00	81		
	890 "	0	10	52		
	891 "	0	11	33		
	892 "	0	14	57		
	896 "	0	06	88		
	897 "	0	33	59		

1	2	3	4	5
	912 मिन	0	00	81
	1267 "	0	02	43
	1277 "	0	21	04
	1279 "	0	00	81
	1281 "	0	01	62
	1283 "	0	21	85
	1284 "	0	11	74
	1288 "	0	17	40
	1289 "	0	20	23
	1311 "	0	20	23
	1313 "	0	25	50
	1315 "	0	00	40
	1316 "	0	00	40
	1318 "	0	25	90
	1320 "	0	18	62
	770 "	0	10	12
	771 "	0	46	54
	774 "	0	00	40
	775 "	0	00	81
	777 "	0	16	59
	778 "	0	12	95
	828 "	0	01	62
	829 "	0	10	93
	830 "	0	31	16
	874 "	0	12	55
	875 "	0	00	81
	876 "	0	24	69
	879 "	0	01	21
	880 "	0	05	26
	881 "	0	14	57
	882 "	0	14	97
	884 "	0	01	62
	889 "	0	33	59
	890 "	0	00	40
	891 "	0	19	83
	894 "	0	02	83
	895 "	0	23	47
	964 "	0	15	78
	965 "	0	01	21
	85 "	0	12	14
	86 "	0	11	74
	87 "	0	41	68
	88 "	0	01	62
	194 "	0	00	40
	197 "	0	41	28
	207 "	0	00	81
	209 "	0	00	81
	223 "	0	00	81
	242 "	0	08	90
	243 "	0	00	81
	244 "	0	17	00
	245 "	0	00	81
	247 "	0	25	50
	248 "	0	03	64
	322 "	0	03	24

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सिंहासन	338 मिन	0	14	16	नरी	608 मिन	0	34	40
	339 "	0	00	40		615 मिन	0	00	40
	340 "	0	11	33		616 मिन	0	00	81
	341 "	0	01	21		632 मिन	0	00	81
	342 "	0	10	52		634 मिन	0	08	09
	362 "	0	03	24		635 मिन	0	02	39
	364 "	0	01	21		636 मिन	0	01	21
	368 "	0	00	81		646 मिन	0	00	40
	369 "	0	00	40		654 मिन	0	20	23
	370 "	0	00	81		655 मिन	0	05	26
	371 "	0	05	67		656 मिन	0	00	40
	377 "	0	04	45		659 मिन	0	08	90
	378 "	0	04	86		660 मिन	0	03	24
	379 "	0	00	40		661 मिन	0	08	50
	380 "	0	12	95		662 मिन	0	17	81
	381 "	0	00	81		665 मिन	0	17	81
	382 "	0	03	64		683 मिन	0	42	49
	423 "	0	18	62	सेमरी	15 मिन	0	03	24
	424 "	0	53	42		16 मिन	0	00	81
	426 "	0	23	88		17 मिन	0	38	04
	429 "	0	31	97		25 मिन	0	00	81
क्रोकेरा	2 "	0	20	23		26 मिन	0	21	85
	4 "	0	18	21		30 मिन	0	00	81
	5 "	0	00	40		36 मिन	0	23	47
	6 "	0	00	81		37 मिन	0	12	55
	8 "	0	09	31		76 मिन	0	01	21
	9 "	0	12	95		79 मिन	0	60	70
	10 मिन	0	32	37		609 मिन	0	28	33
	58 मिन	0	33	59		610 मिन	0	25	50
	59 मिन	0	00	81		619 मिन	0	00	81
	60 मिन	0	00	40		620 मिन	0	57	06
	62 मिन	0	17	81		622 मिन	0	01	21
	106 मिन	0	00	81		628 मिन	0	04	45
	107 मिन	0	23	47		629 मिन	0	40	87
	108 मिन	0	26	71		631 मिन	0	03	24
	110 मिन	0	00	81		639 मिन	0	04	05
	115 मिन	0	14	57		640 मिन	0	21	45
नरी	73 मिन	0	47	75		641 मिन	0	17	00
	74 मिन	0	00	81		642 मिन	0	04	45
	92 मिन	0	00	81		643 मिन	0	26	30
	94 मिन	0	37	64	रनबारी	376 मिन	0	43	30
	95 मिन	0	00	40		377 मिन	0	00	40
	96 मिन	0	00	81		380 मिन	0	04	86
	97 मिन	0	07	28		381 मिन	0	01	21
	104 मिन	0	03	24		382 मिन	0	31	57
	113 मिन	0	00	40		383 मिन	0	00	81
	114 मिन	0	18	21		384 मिन	0	19	02
	115 मिन	0	00	81		385 मिन	0	14	16
	116 मिन	0	10	12		386 मिन	0	02	02
	120 मिन	0	21	45		388 मिन	0	00	81
	124 मिन	0	00	40		389 मिन	0	14	16
	603 मिन	0	53	02		397 मिन	0	10	12
	804 मिन	0	12	14		398 मिन	0	00	81
	606 मिन	0	00	81		399 मिन	0	01	62

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सवारी	403 मिन	0	00	81	त्रूमौला	326 मिन	0	00	81
	411 मिन	0	31	16		336 मिन	0	06	88
	413 मिन	0	02	02		337 मिन	0	25	50
	414 मिन	0	20	64		338 मिन	0	02	83
	415 मिन	0	21	04		342 मिन	0	23	88
	416 मिन	0	00	81		343 मिन	0	10	52
	417 मिन	0	18	21		346 मिन	0	00	81
	420 मिन	0	00	81		347 मिन	0	02	83
	421 मिन	0	16	59		348 मिन	0	10	52
	422 मिन	0	01	21		349 मिन	0	25	50
	423 मिन	0	42	09		350 मिन	0	43	71
गोहारी	11 मिन	0	41	28		351 मिन	0	02	43
	13 मिन	0	06	47		358 मिन	0	02	02
	26 मिन	0	06	07		359 मिन	0	00	81
	27 मिन	0	36	42		400 मिन	0	00	81
	28 मिन	0	10	93		401 मिन	0	10	52
	29 मिन	0	04	05		403 मिन	0	00	81
	31 मिन	0	01	21		415 मिन	0	59	89
	32 मिन	0	01	21		416 मिन	0	01	21
	40 मिन	0	05	26		418 मिन	0	05	26
	41 मिन	0	01	21		419 मिन	0	11	74
	42 मिन	0	01	21		421 मिन	0	19	02
	43 मिन	0	02	83		422 मिन	0	08	90
	44 मिन	0	13	76		429 मिन	0	00	81
	45 मिन	0	13	76		430 मिन	0	01	21
	46 मिन	0	05	26		431 मिन	0	41	68
	62 मिन	0	01	21	बरहाना	435 मिन	0	05	67
	63 मिन	0	25	90		161 मिन	0	00	81
	65 मिन	0	01	21		162 मिन	0	37	64
	66 मिन	0	01	21		163 मिन	0	17	00
	67 मिन	0	11	74		174 मिन	0	26	30
	76 मिन	0	12	14		175 मिन	0	01	21
	78 मिन	0	42	90		176 मिन	0	09	31
	80 मिन	0	10	93		177 मिन	0	09	31
	81 मिन	0	16	19		178 मिन	0	01	21
दीताना	530 मिन	0	05	67		181 मिन	0	10	12
	541 मिन	0	00	81		182 मिन	0	00	81
	542 मिन	0	42	09		187 मिन	0	02	02
	543 मिन	0	00	81		188 मिन	0	19	42
	544 मिन	0	21	85		189 मिन	0	00	81
	545 मिन	0	00	40		190 मिन	0	01	21
	549 मिन	0	07	89		198 मिन	0	29	54
	550 मिन	0	33	99		551 मिन	0	32	78
	551 मिन	0	00	81		552 मिन	0	15	38
	554 मिन	0	00	81		553 मिन	0	25	09
	583 मिन	0	00	81		558 मिन	0	01	21
	586 मिन	0	07	69		572 मिन	0	02	02
	588 मिन	0	06	07		573 मिन	0	14	16
	589 मिन	0	10	93		576 मिन	0	17	40
	590 मिन	0	00	81		577 मिन	0	01	62
	591 मिन	0	25	90		578 मिन	0	01	21
						579 मिन	0	01	62
						598 मिन	0	31	04
						653 मिन	0	00	40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बरहाना	654 मिन	0	00	40	उमराला	89 मिन	0	26	30
	655 मिन	0	33	59		90 मिन	0	02	02
	656 मिन	0	09	31		91 मिनल	0	01	21
	659 मिन	0	01	21		93 मिन	0	00	81
	661 मिन	0	36	83	कोट बन	57 मिन	0	06	88
	662 मिन	0	01	21		73 मिन	0	15	78
	665 मिन	0	02	02		74 मिन	0	08	09
नवीपुर	4 मिन	0	15	78		75 मिन	0	06	88
	5 मिन	0	33	18		76 मिन	0	17	81
	6 मिन	0	09	31		77 मिन	0	08	09
	98 मिन	0	37	23		78 मिन	0	08	50
	101 मिन	0	00	40		80 मिन	0	17	81
	102 मिन	0	15	78		82 मिन	0	00	81
	104 मिन	0	02	02		83 मिन	0	25	90
	105 मिन	0	08	50		84 मिन	0	18	21
	106 मिन	0	04	86		117 मिन	0	00	81
	110 मिन	0	03	24		119 मिन	0	34	40
	136 मिन	0	03	24		123 मिन	0	00	81
	137 मिन	0	01	21		595 मिन	0	00	81
	150 मिन	0	01	21		605 मिन	0	59	08
	155 मिन	0	14	57		608 मिन	0	23	07
	156 मिन	0	50	99		609 मिन	0	21	45
	157 मिन	0	44	11		659/14 मिन	0	07	28
	188 मिन	0	04	86		659/13 मिन	0	16	19
	191 मिन	0	21	45		667 मिन	0	02	43
	192 मिन	0	00	40		684 मिन	0	04	05
	193 मिन	0	01	21		686 मिन	0	04	86
	194 मिन	0	34	40		688 मिन	0	29	14
	195 मिन	0	30	76		689 मिन	0	38	04
	198 मिन	0	02	02	छाता	130 मिन	0	10	93
	199 मिन	0	14	57		131 मिन	0	36	83
	200 मिन	0	34	80		132 मिन	0	21	45
	205 मिन	0	00	81		145 मिन	0	15	38
	240 मिन	0	25	50		165 मिन	0	01	62
	250 मिन	0	22	26		166 मिन	0	01	21
	251 मिन	0	01	21		167 मिन	0	02	43
	252 मिन	0	17	40		168 मिन	0	09	31
	258 मिन	0	00	81		169 मिन	0	00	40
	259 मन	0	07	69		170 मिन	0	11	74
	260 मिन	0	12	14		171 मिन	0	01	62
	199/2 मिन	0	06	48		175 मिन	0	26	71
उमराला	2 मिन	0	64	75		176 मिन	0	19	42
	13 मिन	0	02	02		177 मिन	0	07	28
	15 मिन	0	09	31		178 मिन	0	09	71
	33 मिन	0	00	81		181 मिन	0	09	31
	34 मिन	0	26	30		182 मिन	0	37	23
	34 मिन	0	34	80		1382 मिन	0	14	16
	36 मिन	0	17	00		1383 मिन	0	03	24
	37 मिन	0	00	81		1384 मिन	0	02	83
	38 मिन	0	33	59		1385 मिन	0	01	21
	39 मिन	0	50	18		1392 मिन	0	04	45
	80 मिन	0	31	97		1393 मिन	0	13	76
	85 मिन	0	21	85		1394 मिन	0	00	40
	87 मिन	0	00	81		1395 मिन	0	12	95
						1508 मिन	0	12	55

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
छाता	1509 मिन	0	01	62	कोस्ती कलां	148 मिन	0	29	14
	1528 मिन	0	00	40		149 मिन	0	00	81
	1529 मिन	0	02	43		150 मिन	0	13	76
	1530 मिन	0	01	21		151 मिन	0	08	90
	1532 मिन	0	00	81		152 मिन	0	08	09
	1933 मिन	0	16	19		181 मिन	0	09	31
	1536 मिन	0	57	47		222 मिन	0	39	66
	1537 मिन	0	20	64		224 मिन	0	10	52
	1538 मिन	0	00	81		471 मिन	0	01	21
	1541 मिन	0	24	28		472 मिन	0	00	81
	1542 मिन	0	02	83		473 मिन	0	10	52
	1543 मिन	0	02	02		478 मिन	0	06	48
	1557 मिन	0	01	62		480 मिन	0	01	21
	1559 मिन	0	25	09		486 मिन	0	01	62
	1562 मिन	0	34	40		487 मिन	0	23	88
	1565 मिन	0	02	02		611 मिन	0	15	78
	1568 मिन	0	29	14		618 मिन	0	04	86
	1570 मिन	0	12	55		619 मिन	0	00	40
	1657 मिन	0	10	12		620 मिन	0	06	07
	1658 मिन	0	48	56		621 मिन	0	02	02
	1659 मिन	0	07	28		651 मिन	0	00	40
	1661 मिन	0	00	81		652 मिन	0	01	62
	1664 मिन	0	00	40		650 मिन	0	21	45
	1665 मिन	0	05	67		654 मिन	0	03	64
	1666 मिन	0	02	43		655 मिन	0	04	45
	1667 मिन	0	02	43		663 मिन	0	04	05
	1668 मिन	0	06	88		665 मिन	0	00	81
	1672 मिन	0	15	78		676 मिन	0	00	81
	1673 मिन	0	04	05		677 मिन	0	26	71
	1674 मिन	0	06	48		678 मिन	0	14	16
	1691 मिन	0	27	92		684 मिन	0	01	21
	1692 मिन	0	00	81		702 मिन	0	12	55
कोस्ती कलां	14 मिन	0	04	86		703 मिन	0	12	14
	19 मिन	0	02	02		705 मिन	0	27	92
	20 मिन	0	01	21		708 मिन	0	08	50
	27 मिन	0	19	02		709 मिन	0	17	81
	30 मिन	0	02	83		711 मिन	0	02	02
	31 मिन	0	12	55		712 मिन	0	00	81
	34 मिन	0	10	52		713 मिन	0	00	81
	35 मिन	0	00	81		714 मिन	0	00	40
	36 मिन	0	00	40		1650 मिन	0	02	02
	37 मिन	0	19	42		1666 मिन	0	00	40
	39 मिन	0	04	45		1881/481 मिन	0	02	02
	40 मिन	0	00	40					
	128 मिन	0	17	81					
	130 मिन	0	02	83					
	131 मिन	0	06	88					
	133 मिन	0	17	40					
	140 मिन	0	06	07					
	142 मिन	0	01	21					
	143 मिन	0	12	14					
	144 मिन	0	05	67					
	145 मिन	0	01	21					
	147 मिन	0	04	05					

S.O. 2960.—Whereas by a notification Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 1246 dated 3-5-80 under Sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Aquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of

[सं 12020/9 -प्रौद्योगिकी]

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines:

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Chhata District : Mathura State : Uttar Pradesh

Name of Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
1	2	3	4	5
Ajhai Khurd	92 Min	0	00	81
	94 Min	0	03	24
	95 Min	0	03	24
	96 Min	0	00	81
	98 Min	0	27	52
	115 Min	0	16	19
	116 Min	0	25	90
	117 Min	0	00	81
	127 Min	0	12	95
	128 Mni	0	04	45
	133 Min	0	20	23
	136 Min	0	00	81
	137 Min	0	00	40
	139 Min	0	19	42
	140 Min	0	17	81
	141 Min	0	07	28
	142 Min	0	01	21
	198 Min	0	17	40
	199 Min	0	44	92
	225 Min	0	00	81
	226 Min	0	00	81
	231 Min	0	27	52
	233 Min	0	20	23
	234 Min	0	00	81
	235 Min	0	21	04
	248 Min	0	15	38
	251 Min	0	16	19
	253 Min	0	01	62
	254 Min	0	08	50
	255 Min	0	00	81
	256 Min	0	05	26
	258 Min	0	11	33
	259 Min	0	23	47
	261 Min	0	06	48
	264 Min	0	00	40
	262 Min	0	15	38
	886 Min	0	11	33
	889 Min	0	00	81
	890 Min	0	10	52
	891 Min	0	11	33

1	2	3	4	5
Ajhai Khurd—Contd.	892 Min	0	14	57
	896 Min	0	06	88
	897 Min	0	33	59
	912 Min	0	00	81
	1267 Min	0	02	43
	1277 Min	0	21	04
	1279 Min	0	00	81
	1281 Min	0	01	62
	1283 Min	0	21	85
	1284 Min	0	11	74
	1288 Min	0	17	40
	1289 Min	0	20	23
	1311 Min	0	20	23
	1313 Min	0	25	50
	1315 Min	0	00	40
	1316 Min	0	00	40
	1318 Min	0	25	90
	1320 Min	0	18	62
Chomouhan	770 Min	0	10	12
	771 Min	0	46	54
	774 Min	0	00	40
	775 Min	0	00	81
	777 Min	0	16	59
	778 Min	0	12	95
	828 Min	0	01	62
	829 Min	0	10	93
	830 Min	0	31	16
	874 Min	0	12	55
	875 Min	0	00	81
	876 Min	0	24	69
	879 Min	0	01	21
	880 Min	0	05	26
	881 Min	0	14	57
	882 Min	0	14	97
	884 Min	0	01	62
	889 Min	0	33	59
	890 Min	0	00	40
	891 Min	0	19	83
	894 Min	0	02	83
	895 Min	0	23	47
	964 Min	0	15	78
	965 Min	0	01	21
Sihana	85 Min	0	12	14
	86 Min	0	11	74
	87 Min	0	41	68
	88 Min	0	01	62
	194 Min	0	00	40
	197 Mln	0	41	28
	207 Min	0	00	81
	209 Min	0	00	81
	223 Min	0	00	81
	242 Min	0	08	90
	243 Min	0	00	81
	244 Min	0	17	00
	245 Min	0	00	81
	247 Min	0	25	50
	248 Min	0	03	64
	322 Min	0	03	24
	338 Min	0	14	16
	339 Min	0	00	40
	340 Min	0	11	33
	341 Min	0	01	21
	342 Min	0	10	52
	362 Min	0	03	24
	364 Min	0	01	21
	368 Min	0	00	81

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Sihana—Contd.	369 Min	0	00	40	Nari—Contd.	662 Min	0	17	81
	370 Min	0	00	81		665 Min	0	17	81
	371 Min	0	05	67		683 Min	0	42	49
	377 Min	0	04	45	Semri	15 Min	0	03	24
	378 Min	0	04	86		16 Min	0	00	81
	379 Min	0	00	40		17 Min	0	38	04
	380 Min	0	12	95		25 Min	0	00	81
	381 Min	0	00	81		26 Min	0	21	85
	382 Min	0	03	64		30 Min	0	00	81
	423 Min	0	18	62		36 Min	0	23	47
	424 Min	0	53	42		37 Min	0	12	55
	426 Min	0	23	88		76 Min	0	01	21
	429 Min	0	31	97		79 Min	0	60	70
						609 Min	0	28	33
						610 Min	0	25	50
Konkan	2 Min	0	20	23		619 Min	0	00	81
	4 Min	0	18	21		620 Min	0	57	06
	5 Min	0	00	40		622 Min	0	01	21
	6 Min	0	00	81		628 Min	0	04	45
	8 Min	0	09	31		629 Min	0	40	87
	9 Min	0	12	95	Ranwari	631 Min	0	03	24
	10 Min	0	32	37		639 Min	0	04	05
	58 Min	0	33	59		640 Min	0	21	45
	59 Min	0	00	81		641 Min	0	17	00
	60 Min	0	00	40		642 Min	0	04	45
	62 Min	0	17	81		643 Min	0	26	30
	106 Min	0	00	81		376 Min	0	43	30
	107 Min	0	23	47		377 Min	0	00	40
	108 Min	0	26	71		380 Min	0	04	86
	110 Min	0	00	81		381 Min	0	01	21
	115 Min	0	14	57		382 Min	0	31	57
						383 Min	0	00	81
						384 Min	0	19	02
						385 Min	0	14	16
Nari	73 Min	0	47	75		386 Min	0	02	02
	74 Min	0	00	81		388 Min	0	00	81
	92 Min	0	00	81		389 Min	0	14	16
	94 Min	0	37	64		397 Min	0	10	12
	95 Min	0	00	40		398 Min	0	00	81
	96 Min	0	00	81		399 Min	0	01	62
	97 Min	0	07	28		403 Min	0	00	81
	104 Min	0	03	24		411 Min	0	31	16
	113 Min	0	00	40		413 Min	6	02	02
	114 Min	0	18	21		414 Min	0	20	64
	115 Min	0	00	81		415 Min	0	21	04
	116 Min	0	10	12		416 Min	0	00	81
	120 Min	0	21	45		417 Min	0	18	21
	124 Min	0	00	40		420 Min	0	00	81
	603 Min	0	53	02		421 Min	0	16	59
	604 Min	0	12	14		422 Min	0	01	21
	606 Min	0	00	81		423 Min	0	42	09
	608 Min	0	34	40	Gohari	11 Min	0	41	28
	613 Min	0	00	40		13 Min	0	06	47
	616 Min	0	00	81		26 Min	0	06	07
	632 Min	0	00	81		27 Min	0	36	42
	634 Min	0	08	09		28 Min	0	10	93
	635 Min	0	02	39		29 Min	0	04	05
	636 Min	0	01	21		31 Min	0	01	21
	646 Min	0	00	40		32 Min	0	01	21
	654 Min	0	20	23		40 Min	0	05	26
	655 Min	0	05	26		41 Min	0	01	21
	656 Min	0	00	40		42 Min	0	01	21
	659 Min	0	08	90		43 Min	0	02	83
	660 Min	0	03	24		44 Min	0	13	76
	661 Min	0	08	50		45 Min	0	13	76
						46 Min	0	05	26

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Navipur	4 Min	0	15	78	Kotban—Contd.	605 Min	0	59	08
	5 Min	0	33	18		608 Min	0	23	07
	6 Min	0	09	31		609 Min	0	21	45
Umrala	98 Min	0	37	23		659/14 Min	0	07	28
	101 Min	0	00	40		659/13 Min	0	16	19
	102 Min	0	15	78		667 Min	0	02	43
	104 Min	0	02	02		684 Min	0	04	05
	105 Min	0	08	50		686 Min	0	04	86
	106 Min	0	04	86		688 Min	0	29	14
	110 Min	0	03	24		689 Min	0	38	04
	136 Min	0	03	24		130 Min	0	10	93
	137 Min	0	01	21		131 Min	0	36	83
	150 Min	0	01	21		132 Min	0	21	45
	155 Min	0	14	57		145 Min	0	15	38
	156 Min	0	50	96		163 Min	0	01	62
	157 Min	0	44	11		166 Min	0	01	21
	188 Min	0	04	86		167 Min	0	02	43
	191 Min	0	21	45		168 Min	0	09	31
	192 Min	0	00	40		169 Min	0	00	40
	193 Min	0	01	21		170 Min	0	11	74
	194 Min	0	34	40		171 Min	0	01	62
	195 Min	0	30	76		175 Min	0	26	71
	198 Min	0	02	02		176 Min	0	19	42
	199/1 min	0	14	57		177 Min	0	07	28
	200 Min	0	34	80		178 Min	0	09	71
	205 Min	0	00	81		181 Min	0	09	31
	240 Min	0	25	50		182 Min	0	37	23
	250 Min	0	22	26		1382 Min	0	14	16
	251 Min	0	01	21		1383 Min	0	03	24
	252 Min	0	17	40		1384 Min	0	02	83
	258 Min	0	00	81		1385 Min	0	01	21
	259 Min	0	07	69		1392 Min	0	04	45
	260 Min	0	12	14		1393 Min	0	13	76
	199/2 Min	0	06	48		1394 Min	0	00	40
Kotban	2 Min	0	64	75		1395 Min	0	12	95
	13 Min	0	02	02		1508 Min	0	12	55
	15 Min	0	09	31		1509 Min	0	01	62
	33 Min	0	00	81		1528 Min	0	00	40
	34 Min	0	26	30		1529 Min	0	02	43
	35 Min	0	34	80		1530 Min	0	01	21
	36 Min	0	17	00		1532 Min	0	00	81
	37 Min	0	00	81		1533 Min	0	16	19
	38 Min	0	33	59		1536 Min	0	57	47
	39 Min	0	50	18		1537 Min	0	20	64
	80 Min	0	31	97		1538 Min	0	00	81
	85 Min	0	21	85		1541 Min	0	24	28
	87 Min	0	00	81		1542 Min	0	02	83
	89 Min	0	26	30		1543 Min	0	02	02
	90 Min	0	02	02		1557 Min	0	01	62
	91 Min	0	01	21		1559 Min	0	25	09
	93 Min	0	00	81		1562 Min	0	34	40
	57 Min	0	06	88		1565 Min	0	02	02
	73 Min	0	15	78		1568 Min	0	29	14
	74 Min	0	08	09		1570 Min	0	12	55
	75 Min	0	06	88		1657 Min	0	10	12
	76 Min	0	17	81		1658 Min	0	48	56
	77 Min	0	08	09		1659 Min	0	07	28
	78 Min	0	08	50		1661 Min	0	00	81
	80 Min	0	17	81		1664 Min	0	00	40
	82 Min	0	00	81		1665 Min	0	05	67
	83 Min	0	25	90		1666 Min	0	02	43
	84 Min	0	18	21		1667 Min	0	02	43
	117 Min	0	00	81		1668 Min	0	06	88
	119 Min	0	34	40		1672 Min	0	15	78
	123 Min	0	00	81		1673 Min	0	04	05
	595 Min	0	00	81		1674 Min	0	06	48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Chhata—Contd.	1691 Min	0	27	92	Kosi Kalan—Contd.	472 Min	0	00	81
	1692 Min	0	08	81		473 Min	0	10	52
Kosi Kalan	14 Min	0	04	86		478 Min	0	06	48
	19 Min	0	02	02		480 Min	0	01	21
	20 Min	0	01	21		486 Min	0	01	62
	27 Min	0	19	02		487 Min	0	23	88
	30 Min	0	02	83		611 Min	0	15	78
	31 Min	0	12	55		618 Min	0	04	86
	34 Min	0	10	52		619 Min	0	00	40
	35 Min	0	00	81		620 Min	0	06	07
	36 Min	0	00	40		621 Min	0	02	02
	37 Min	0	19	42		651 Min	0	00	40
	39 Min	0	04	45		652 Min	0	01	62
	40 Min	0	00	40		650 Min	0	21	45
	128 Min	0	17	81		654 Min	0	03	64
	130 Min	0	02	83		655 Min	0	04	45
	131 Min	0	06	88		663 Min	0	04	05
	133 Min	0	17	40		665 Min	0	00	81
	140 Min	0	06	07		676 Min	0	00	81
	142 Min	0	01	21		677 Min	0	26	71
	143 Min	0	12	14		678 Min	0	14	16
	144 Min	0	05	67		684 Min	0	01	21
	145 Min	0	01	21		702 Min	0	12	55
	147 Min	0	04	05		703 Min	0	12	14
	148 Min	0	29	14		705 Min	0	27	92
	149 Min	0	00	81		708 Min	0	08	50
	150 Min	0	13	76		709 Min	0	17	81
	151 Min	0	08	90		711 Min	0	02	02
	152 Min	0	08	09		712 Min	0	00	81
	181 Min	0	09	31		713 Min	0	00	81
	222 Min	0	39	66		714 Min	0	00	40
	224 Min	0	10	52		1650 Min	0	02	02
	471 Min	0	01	21		1666 Min	0	00	40
						1888/481 Min	0	02	02

[No. 12029/9/80-Prod]

मुद्रित पत्र

का० ना० 2961.—पेट्रोलियम और जैविक पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का भर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) के अन्तर्गत भारत सरकार पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंजूलय (पेट्रोलियम विभाग) द्वारा जारी प्रधिसूचना का० ना० सं० 1461 संख्या 12020/10/80 प्रोड दिनांक 8-5-80 से संलग्न प्रमुखशी में भारत के राजपत्र के भाग II, बो० 3 उपरोड (ii) विनाक 24-5-80 में प्रकाशित सहस्रील गुडगांव जिला गुडगांव राज्य प्रशियाणा के लिये :

द्वारा	के स्थान पर	कासरा मं०	पक्ष			कासरा नं०	पक्ष			
			भेलफल				भेलफल			
			हेक्टर	ऐयर	वर्ग मी०		हेक्टर	ऐयर	वर्ग मी०	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
सौलामी ह०न० 207	16/2/2	मिन	0	06	07	16/6/5	मिन	0	06	07
	24/9/1	"	0	00	51	24/9/1/1	"	0	00	51
	47/25/1	"	0	03	80	42/25	"	0	03	80
	57/5	"	0	12	14	57/5	"	0	16	19
	77/17/1/2	"	0	02	02	77/17/1/1	"	0	02	02
	58/19	"	0	10	37	{ 58/19/1	"	0	09	61
						{ 58/19/2	"	0	00	76
	77/17/2	"	0	02	78					
	77/17/3	"	0	02	78	77/17/2	"	0	08	35
	77/17/4	"	0	02	78					
	58/22/1	"	0	06	58	58/22/1/1	"	0	08	58
करनकी ह० न० 206	3/10	"	0	05	06	2/10	"	0	05	06
	3/9	"	0	05	57	2/9	"	0	05	57
	3/12	"	0	12	14	2/12	"	0	12	14
	3/18	"	0	08	60	2/18	"	0	08	60
	3/19	"	0	03	54	2/19	"	0	03	54

1	2	3	4	5	6	7	8	9		
क्रमकी दृष्टि 206—जारी	3/23	मिन	0	11	64	2/23	मिन	0	11	64
	3/24	"	0	00	51	2/24	"	0	00	51
—	"	0	00	00	20/20	"	0	07	84	
22	"	0	12	14	20/22	"	0	12	14	
30/13/3	"	0	01	01	30/13/1/1	"	0	01	01	
13/17	"	0	05	31	13/17/2	"	0	05	31	
30/8/1	"	0	02	28	30/8/1/2	"	0	02	28	
30/8/3	"	0	03	54	30/8/3/2	"	0	03	54	
आंहेश्वर दृष्टि 203	18/6/1 2	"	0	06	07	18/6/1	"	0	00	25
					18/6/2	"	0	05	82	
हरचंदपुर दृष्टि 199	617/49	"	0	15	18	49	"	0	15	18
	621/622/52	"	0	16	45	52	"	0	16	45
—	"	0	00	00	55	"	0	00	00	
621/622/56	"	0	03	80	56	"	0	03	80	
621/622/60	"	0	97	59	60	"	0	07	59	
621/622/58	"	0	07	59	58	"	0	07	59	
621/622/59	"	0	10	12	59	"	0	10	12	
621/622/66	"	0	03	80	66	"	0	03	80	
621/622/70	"	0	11	39	70	"	0	11	39	
621/622/71	"	0	05	06	71	"	0	05	06	
621/622/72	"	0	12	65	72	"	0	12	65	
621/622/73*	"	0	02	53	73	"	0	02	53	
621/622/80	"	0	16	45	80	"	0	16	45	
621/622/75	"	0	18	98	75	"	0	18	98	
621/622/76	"	0	11	39	76	"	0	11	39	
621/622/77	"	0	06	33	77	"	0	06	33	
621/622/78	"	0	07	59	78	"	0	07	59	
621/622/232	"	0	03	80	232	"	0	03	80	
621/622/239	"	0	15	18	239	"	0	15	18	
621/622/238	"	0	20	24	238	"	0	20	24	
621/622/240	"	0	01	27	240	"	0	01	27	
621/622/469	"	0	01	27	469	"	0	01	27	
621/622/470	"	0	11	39	470	"	0	11	39	
621/622/471	"	0	02	53	471	"	0	02	53	
621/622/472	"	0	00	00	472	"	0	00	00	
621/622/475	"	0	06	33	475/2	"	0	06	33	
621/622/477	"	0	10	12	477	"	0	10	12	
621/622/478	"	0	03	80	478	"	0	03	80	
621/622/479	"	0	00	00	479	"	0	00	00	
621/622/438/3	"	0	07	59	438/3	"	0	07	59	
621/632/435	"	0	01	27	435	"	0	01	27	
621/622/437	"	0	02	53	437	"	0	02	53	
621/622/434	"	0	00	00	434	"	0	00	00	
621/622/436	"	0	06	33	436	"	0	06	36	
621/622/431	"	0	01	27	431	"	0	01	27	
621/622/432	"	0	07	59	432	"	0	07	59	
693/429	"	0	02	53	429	"	0	02	53	
693/425	"	0	03	80	425	"	0	03	80	
693/424	"	0	02	53	424	"	0	02	53	
693/423	"	0	06	33	423	"	0	06	33	
693/422	"	0	06	33	422	"	0	06	33	
693/405	"	0	17	71	405	"	0	17	71	
693/410	"	0	08	86	410	"	0	08	86	

1	2	3	4	5	6	7	8	9		
हस्तनवपुर ह०न० 199-जारी	693/409	मिन	०	०२	५३	४०९	मिन	०	०२	५३
	693/406	"	०	०६	३३	४०६	"	०	०६	३३
	693/407	"	०	०२	५३	४०७	"	०	०२	५३
	693/408	"	०	०१	२७	४०८	"	०	०१	२७
	693/400	"	०	११	३९	४००	"	०	११	३९
	693/399	"	०	१२	६५	३९९	"	०	१२	६५
	693/398	"	०	१२	६५	३९८	"	०	१२	६५
	693/474	"	०	०३	८०	४७४/१	"	०	०३	८०
	693/474/३	"	०	०३	८०	४७४/३	"	०	०३	८०
					५५	"	०	००	००	
खोबरी ह०न० 196	६०	"	०	०५	३०	६०	"	०	२५	३०
	१७५/८७	"	०	१२	६५	८७	"	०	१२	६५
	१७५/८६	"	०	१५	१८	८६	"	०	१५	१८
ग्रामेश्वर ह०न० 173	११७	"	०	०१	०१	११७/३	"	०	०१	०१
ग्रामेश्वरा ह०न० 174	११/१३	"	०	०५	०६	११/१५/१	"	०	००	२५
						११/१५/२	"	०	०४	८०
	११/१६	"	०	०२	५३	११/१६/१	"	०	०१	५१
						११/१६/२	"	०	०१	०१
	३३/१०/१	"	०	१२	१४	३३/१०	"	०	१२	१४
खोडकला ह०न० 177	१८/३/१	"	०	०९	१०	१८/३/२	"	०	०९	१०
	१८/३/२	"	०	०२	०२	१८/३/१	"	०	०२	०२
	५२/८२	"	०	००	५०	८२	"	०	००	५०
	३०/१९	"	०	००	७६	३०/१९/२	"	०	००	७६
	३८/१८	"	०	०८	८५	३९/१८/१	"	०	०८	८५
						३९/१८/२	"	०	००	००
	५२/४	"	०	०९	३५	५२/४/१	"	०	०९	३५
खोडलपा ह०न० 171	२८/१०२	"	०	००	५०	१०२	"	०	००	५०
	३८/५३	"	०	००	७६	५३	"	०	००	७६
	२८/२२	"	०	०२	७८	२८/२२/२	"	०	०२	७८
सहजावास ह०न० 170	२४/१२/२	"	०	००	२५	२४/१२/२	"	०	००	५०
	२७/४	"	०	१०	१२	२७/४	"	०	१०	८८
	२८/२०/३	"	०	०६	५७	२८/२०/२/२	"	०	०६	५७
	५२/२४/१२/२	"	०	००	५०	—	"	—	—	—
	५२/९८	"	०	००	५०	—	"	—	—	—
	५२/९९	"	०	००	५०	९९	"	०	००	७६
	५२/१००	"	०	००	५०	१००	"	०	००	५०
	५२/१०४	"	०	००	५०	१०४	"	०	००	५०
	२४/२३	"	०	००	२५	२४/२३/२	"	०	००	२५
	२८/२०/३	"	०	०६	५७	२८/२०/२/२	"	०	०६	५७
स्थिरोज ह०न० 169	—	"	—	—	—	५४/२३/२	"	०	००	००
						५५/९/१	"	०	००	००
भोडसी ह०न० 168	१६/६	"	०	०१	०१	१६/६/१	"	०	०१	०१
		"	०	—	—	१६/६/२	"	०	००	००
						३५/२१	"	०	००	००
						७९/९/१	"	०	००	००
सेवावास ह०न० 85	४५/१	"	०	०३	०४	४५/१	"	०	०४	०५
	४५/२	"	०	०७	०८	४५/२	"	०	०६	०७
	६१/२४	"	०	००	५१	६१/२४/१	"	०	००	५१
	—	"	—	—	—	४५/१०	"	०	००	००
	—	"	—	—	—	७३/२४	"	०	००	००
पतली ऊमरपुर ह०न० 82	--	"	—	—	—	८/९	"	०	००	००
	--	"	—	—	—	१३/७	"	०	००	०

1	2	3	4	5	6	7	8	9
नियम हॉन० 51	88	मिन	0	00	51	88/1	मिन	0
	15/6/1/1	"	0	01	01	15/6/1/1/1	"	0
	23/12	,	0	01	10	23/12	"	0
	--	"	--	--	4/17/2	"	0	00
बजीगढ़ाद हॉन० 75	848	"	0	08	86	848/1	"	0
						848/2	"	0
	--	"	--	--	--	671	,	0
	--	"	--	--	--	795/1	"	0
	--	"	--	--	--	869	,	0
	--	"	--	--	--	879	,	0
	--	"	--	--	--	846	"	0
	--	"	--	--	--	852	"	0
कालई हॉन० 73	40/12	"	0	10	12	40/12/1	"	0
						40/12/2	"	0
सीलीखरा हॉन० 72	--	"	--	--	--	18/17	"	0
सुखरामी हॉन० 71	14/17	,	0	00	76	14/17/1	,	0
सीरहाल हॉन० 70	43/3/1	"	0	00	25	43/3/1/2	"	0
	--	"	--	--	--	29/7/2	"	0
	--	"	--	--	--	29/9/2/1	"	0
						43/1	"	0
इनायत पुर हॉन० 64	13/23/1	"	0	03	54	13/23/2	"	0
	16/19/1	"	0	02	78	--	--	--
	16/18	"	0	03	04	--	--	--
	16/23	"	0	10	63	--	--	--
	16/24	,	0	06	83	--	--	--
	13/14/2	"	0	00	25	13/14/2/2	,	0
	--		--	--	--	13/16/3	"	0
						16/13/1	"	0
						27/1	,	0
								00

[क्रम सं 12020/10/80-प्रोड०]

CORRIGENDUM

S.O. 2961.—In the Schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 1461 (No 12020/10/80 (Prod) dated 8th May, 1980 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962) published at pages 1495—1503 dated 24th May, 1980 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii) for Tehsil Gurgaon Distt. Gurgaon State of Haryana

Name of Village	For				Read			
	Khasra No	H	A	Sq Mtrs	Khasra No	H	A	Sq Mtrs
		1	2	3	4	5	6	7
Selani H No. 207	16/6/2 Min	0	06	07	16/6/5 Min	0	06	07
	24/91/1 Min	0	00	51	24/9/1/1 Min	0	00	51
	47/25/1 Min	0	03	80	47/25 Min	0	03	80
	57/5 Min	0	12	14	57/5 Min	0	16	19
	77/17/1/2 Min	0	02	02	77/17/1/1 Min	0	02	02
	58/19 Min	0	10	37	58/19/1	0	09	61
					58/19/2 Min	0	00	76
	77/17/2 Min	0	02	78	77/17/2 Min	0	08	35
	77/17/3 Min	0	02	78				
	77/17/4 Min	0	02	78				
	58/22/1 Min	0	06	58	58/22/1/1 Min	0	06	58
Karanki H No. 206	3/10 Min	0	05	06	2/10 Min	0	05	06
	3/9 Min	0	05	57	2/9 Min	0	05	57
	3/12 Min	0	12	14	2/12 Min	0	12	14
	3/18 Min	0	08	60	2/18 Min	0	08	60
	3/19 Min	0	03	54	2/19 Min	0	03	54
	3/23 Min	0	11	64	2/23 Min	0	11	64
	3/24 Min	0	00	51	2/24 Min	0	00	51
	--	0	00	00	20/20 Min	0	07	84

1	2	3	4	5	6	7	8	9
Karanki H. No. 206 (contd)	22 Min	0	12	14	20/22 Min	0	12	14
	30/13/3 Min	0	01	01	30/13/1/3 Min	0	01	01
	13/17 Min	0	05	31	13/17/2 Min	0	05	31
	30/8/1 Min	0	02	28	30/8/1/2 Min	0	02	28
	30/8/3 Min	0	03	54	30/8/3/2 Min	0	03	54
Choharpur H.No. 203	18/6/1/2 Min	0	06	07	18/6/1 Min	0	00	25
					18/6/2 Min	0	05	82
Harchandpur H.No. 199	617/49 Min	0	15	18	49 Min	0	15	18
	621/622/52 Min	0	16	45	52 Min	0	16	45
	—	0	00	00	55 Min	0	00	00
	621/622/56 Min	0	03	80	56 Min	0	03	80
	621/622/60 Min	0	97	59	60 Min	0	07	59
	621/622/58 Min	0	07	59	58 Min	0	07	59
	621/622/59 Min	0	10	12	59 Min	0	10	12
	621/622/66 Min	0	03	80	66 Min	0	03	80
	621/622/70 Min	0	11	39	70 Min	0	11	39
	621/622/71 Min	0	05	06	71 Min	0	05	06
	621/622/72 Min	0	12	65	72 Min	0	12	56
	621/622/73 Min	0	02	53	73 Min	0	02	53
	621/622/80 Min	0	16	45	80 Min	0	16	45
	621/622/75 Min	0	18	98	75 Min	0	18	98
	621/622/76 Min	0	11	39	76 Min	0	11	39
	621/622/77 Min	0	06	33	77 Min	0	06	33
	621/622/78 Min	0	07	59	78 Min	0	07	59
	621/622 232 Min	0	03	80	232 Min	0	03	80
	621/622/239 Min	0	15	18	239 Min	0	15	18
	621/622 238 Min	0	20	24	238 Min	0	20	24
	621/622/240 Min	0	01	27	240 Min	0	01	27
	621/622/469 Min	0	01	27	469 Min	0	01	27
	621/622/470 Min	0	11	39	470 Min	0	11	39
	621/622/471 Min	0	02	53	471 Min	0	02	53
	621/622/472 Min	0	00	00	472 Min	0	00	00
	621/622/475 Min	0	06	33	475/2 Min	0	06	33
	621/622/477 Min	0	10	12	477 Min	0	10	12
	621/622/478 Min	0	03	80	478 Min	0	03	80
	621/622/479 Min	0	00	00	479 Min	0	00	00
	621/622/438/3 Min	0	07	59	438/3 Min	0	07	59
	621/622/435 Min	0	01	27	435 Min	0	01	27
	621/622/437 Min	0	02	53	437 Min	0	02	53
	621/622/434 Min	0	00	00	434 Min	0	00	00
	621/622/436 Min	0	06	33	436 Min	0	06	33
	621/622/431 Min	0	01	27	431 Min	0	01	27
	621/622/432 Min	0	07	59	432 Min	0	07	59
	698/429 Min	0	02	53	429 Min	0	02	53
	693/425 Min	0	03	80	425 Min	0	03	80
	693/424 Min	0	02	53	424 Min	0	02	53
	693/423 Min	0	06	33	423 Min	0	06	33
	693/422 Min	0	06	33	422 Min	0	06	33
	693/405 Min	0	17	71	405 Min	0	17	71
	693/410 Min	0	08	86	410 Min	0	08	86
	693/409 Min	0	02	53	409 Min	0	02	53
	693/406 Min	0	06	33	406 Min	0	06	33
	693/407 Min	0	02	53	407 Min	0	02	53
	693/408 Min	0	01	27	408 Min	0	01	27
	693/400 Min	0	11	39	400 Min	0	11	39
	693/399 Min	0	12	65	399 Min	0	12	65
	693/398 Min	0	12	65	398 Min	0	12	65
	693/474 Min	0	03	80	474/1 Min	0	03	80
	693/474/3 Min	0	03	80	474/3 Min	0	03	80
					55 Min.	0	00	00
Khobri H. No. 196	60 Min	0	05	30	60 Min	0	25	30
	175/87 Min	0	12	65	87 Min	0	12	65
	175/86 Min	0	15	18	86 Min	0	15	18
Abhepur H. No. 173	117 Min	0	01	01	117/3 Min	0	01	01

1	2	3	4	5	6	7	8	9
Dandama H. No. 174	11/15 Min	0	05	06	11/15/1 Min 11/15/2 Min	0	00	25 80
	11/16 Min	0	02	53	11/16/1 Min 11/16/2 Min	0	01	51 01
Kheria H. No. 177	33/10/1 Min	0	12	14	33/10 Min	0	12	14
	18/3/1 Min	0	09	10	18/3/2 Min	0	09	10
	18/3/2 Min	0	02	02	18/3/1 Min	0	02	02
	52/82 Min	0	00	50	82 Min	0	00	50
	30/19 Min	0	00	76	30/19/2 Min	0	00	76
	39/18 Min	0	08	85	39/18/1 Min 39/18/2 Min	0	08	85 00
Bhimp H. No. 171	52/4 Min	0	09	35	52/4/1 Min	0	09	35
	28/102 Min	0	00	50	102 Min	0	00	50
	38/53 Min	0	00	76	53 Min	0	00	76
	28/22 Min	0	02	78	28/22/2 Min	0	02	78
Sohjawas H. No. 176	24/12/2 Min	0	00	25	24/12/2 Min	0	00	50
	27/4 Min	0	10	12	27/4 Min	0	10	88
	28/20/3 Min	0	06	57	28/20/2/2 Min	0	06	57
	52/24/12/2 Min	0	00	50	.. Min
	52/98 Min	0	00	50	.. Min
	52/99 Min	0	00	50	99 Min	0	00	76
	52/100 Min	0	00	50	100 Min	0	00	50
	52/104 Min	0	00	50	104 Min	0	00	50
	24/23 Min	0	00	25	24/23/2 Min	0	00	25
	28/20/3 Min	0	06	57	28/20/2/2 Min	0	06	57
Rethoj H. No. 169	.. Min	54/23/2 Min 55/9/1 Min	0	00	00
Bhondsi H. No. 168	16/6 Min	0	01	01	16/6/1 Min 16/6/2 Min	0	01	01 00
	.. Min	35/21 Min 79/9/1 Min	0	00	00
Medawas H. No. 85	45/1 Min	0	03	04	45/1 Min	0	04	05
	45/2 Min	0	07	08	45/2 Min	0	06	07
	61/24 Min	0	00	51	61/24/1 Min	0	00	51
	.. Min	45/10 Min	0	00	00
	.. Min	73/24 Min	0	00	00
Nangli Umarpur H. No. 82	.. Min	8/9 Min	0	00	00
	.. Min	13/7 Min	0	00	00
Tigra H. No. 51	88 Min	0	00	51	88/1 Min	0	00	51
	15/6/1/1 Min	0	01	01	15/6/1/1/1 Min	0	01	01
	23/12 Min	0	01	10	23/12 Min	0	01	01
	.. Min	4/17/2 Min	0	00	00
Wazirabad H. No. 75	848 Min	0	08	86	848/1 Min 848/2 Min	0	06	32 53
	.. Min	671 Min	0	00	00
	.. Min	795/1 Min	0	00	00
	.. Min	869 Min	0	00	00
	.. Min	879 Min	0	00	00
	.. Min	846 Min	0	00	00
	.. Min	852 Min	0	00	00
Kanai H. No. 73	40/12 Min	0	10	12	40/12/1 Min 40/12/2 Min	0	09	61 51
Silokhra Ho. No. 72	.. Min	18/17 Min	0	00	00
Sukhrai H. No. 71	14/17 Min	0	00	76	14/17/1 Min	0	00	76
Sirhole H. No. 70	43/3/1 Min	0	00	25	43/3/1/2 Min	0	00	25
	.. Min	29/7/2 Min	0	00	00
	.. Min	29/9/2/1 Min	0	00	00
					43/1 Min	0	00	00
Inayatpur H. No. 64	13/23/1 Min	0	03	54	13/23/2 Min	0	03	54
	16/19/1 Min	0	02	78	.. Min
	16/18 Min	0	03	04	.. Min
	16/23 Min	0	10	63	.. Min
	16/24 Min	0	06	83	.. Min
	13/14/2 Min	0	00	25	13/14/2/2 Min	0	00	25
	.. Min	13/16/3 Min	0	00	00
					16/13/1 Min	0	00	00
					27/1 Min	0	00	00

मई दिल्ली 10 प्राकृत्यर 1980

का० आ० सं० 2962.—यतः पेट्रोलियम और खनिज प्राप्तिाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्राप्ति) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का० आ० सं० 1616 तारीख 26-5-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम प्रधिसूचना से संलग्न घनसूची में विनिरिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अंजित करने का अपना आवश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्रम प्रधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न घनसूची में विनिरिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त याति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न घनसूची में विनिरिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवंद्वारा प्रजित किया जाता है।

और यांत्र लम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त यातियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बायाँ तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संगठनों द्वे मुक्त रूप में, जोबाजा के प्रकाशन की इच्छारीच को विहित होगा।

घनसूची

पानसर—2 से जी० जी० एम पानसर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात	जिला: मेहसाना	तालुका: कलोल	हेक्टेयर				
गांव	ब्लॉक नं०		प्रामार्दि	सेन्टीयर	Hectare	Acre	Centi-
			1	2	3	4	5
पानसर	1652	0	07	50			
	1313	0	10	50	0	07	50
	1312	0	06	90	0	06	90
	1309	0	12	90	0	12	90
	1308	0	12	30	0	01	30
	1306	0	01	90	Cart track	0	00
	काटेरेक	0	00	90	1270	0	11
	1270	0	11	40	1273	0	10
	1273	0	10	05	1263	0	09
	1263	0	09	90	Cart track	0	01
	काटे ट्रैक	0	01	50	1086	0	16
	1086	0	16	80	1087	0	16
	1087	0	16	95	1079	0	08
	1079	0	68	85	1078	0	34
	1078	0	34	65	948	0	15
	948	0	15	90	939	0	16
	939	0	16	95	935	0	13
	935	0	13	50	934	0	05
	934	0	05	10	943	0	01
	943	0	01	80	932	0	19
	932	0	19	80	925	0	10
	925	0	10	55	924	0	14
	924	0	08	70	923	0	08
	923	0	08	70			

[सं० 12016/25/80 प्रो० II]

New Delhi, the 10th October, 1980

S.O. 2962.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1616 dated 26-5-80 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Pansar—2 to GGS Pansar

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hec-tare	Acre	Centi-
1	2	3	4	5
Pansar	1652	0	07	50
	1313	0	10	50
	1312	0	06	90
	1309	0	12	90
	1308	0	12	30
	1306	0	01	90
	काटेरेक	0	00	90
	1270	0	11	40
	1273	0	10	05
	1263	0	09	90
	काटे ट्रैक	0	01	50
	1086	0	16	80
	1087	0	16	95
	1079	0	68	85
	1078	0	34	65
	948	0	15	90
	939	0	16	95
	935	0	13	50
	934	0	05	10
	943	0	01	80
	932	0	19	80
	925	0	10	55
	924	0	14	55
	923	0	08	70

[No. 12016/25/80-Pro-II]

का० आ० 2963.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्राप्ति) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का० आ० सं० 1615 तारीख 26-5-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम प्रधिसूचना से संलग्न घनसूची में विनिरिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अंजित करने का अपना आवश्य घोषित कर दिया था।

झीर यह: सक्रम प्रधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

झीर आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रतित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अब: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

झीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संवर्कों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप मं० के० ज० एक्स० से जी० जी० एस० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

लाय : बुजराल जिला : वेहसाना तालुका : कलोल

गांव	स्वोक मं०	हेक्टेयर	एमार्टै लैन्टीयर	
पानसर	925	0	03	00
	924	0	11	40
	924	0	01	80
	923	0	09	45

[न० 12016/25/80—प्र० I]

किलो चहा, भवर सचिव

S.O. 2963.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1615 dated 20-5-80 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report of the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. KJX to GGS

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol		
Village	Block No.	Hec- tre	Acre	Centi- metre
Pansar	925	0	03	00
	924	0	11	40
	924	0	01	80
	923	0	09	45

[No. 12016/25/80-Pro. I]

KIRAN CHADHA, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

मई विल्सनी, 15 सितम्बर, 1980

का० आ० 2964.—स्नातकोत्तर विकित्सा विभाग झीर अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ प्रधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 5 के खण्ड (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा झीर आ० सी० पुरी, मुख्य सचिव, पंजाब सरकार को झीर के० एस० नारंग के स्थान पर स्नातकोत्तर विकित्सा विभाग और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ का स्वास्थ्य मनोनीत करती है झीर भारत सरकार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की 30 जून, 1977 की प्रधिसूचना संघर्ष वी० 17013/1/77-एम० ई० (पी० जी०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त प्रधिसूचना में मद संभारा 3 पौर उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात् :—

“3. झीर आ० सी० पुरी, मुख्य सचिव,
पंजाब सरकार, चंडीगढ़।”

[संधा वी० 17011/3/80-एम० ई० (पी० जी०)
पी० सी० जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Health Department)

New Delhi, the 15th September, 1980

S.O. 2964.—In pursuance of clause (e) of section 5 of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (No. 51 of 1966), the Central Government hereby nominates Shri I. C. Puri, Chief Secretary to the Government of Punjab, Chandigarh to be a Member of the Post-Graduate Institute of Medication Education and Research, Chandigarh vice Shri K. S. Narang and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare Notification No. V. 17013/1/77-ME(PG) dated the 30th June, 1977 namely :—

In the said notification, for item number 3 and the entries relating thereto the following shall be substituted namely :—

“3 Shri I. C. Puri, Chief Secretary, Government of Punjab, Chandigarh.”

[No. V. 17011/3/80-ME(PG)]

P. C. JAIN, Under Secy.

झीर भारत सरकार

(कोपला विभाग)

नई विल्सनी, 13 अक्टूबर, 1980

का० आ० 2965—खान मविष्य विभाग के पैरा 9 के साथ पटित कोपला खान मविष्य विभाग प्रावधान प्रधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 3 उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत,

सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सांख्य 2151, दिनांक 10 जलाई, 1978 में निम्नलिखित संशोधित करती है, यथा—

उपर्युक्त अधिसूचना में, "सबस्य" शीर्षक के अधीन श्रम संख्या 12 और 17 के सामने की प्रविष्टियों के स्पात पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, यथा—

"12. श्री राजेन्द्र सिंह, निवेशक (कार्मिक), सेन्ट्रल कॉलफील्ड्स लिंग, दरभंगा द्वारा, राज्य

17. श्री डी० वी० परांजपे, महा प्रबंधक, सिगरेनी कॉलियरीज कंगू लिमिटेड, आकाशर—कोठापुड़ेम कॉलियरीज, (आंध्र प्रदेश)।"

[संख्या 7(3)/80-प्रशासन-I (पी एफ)]

ए० एस० देशपांडे, उप सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 13th October, 1980

S.O. 2965.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3A of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), read with paragraph 9 of the Coal Mines Provident Fund Scheme, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 2151, dated the 10th July, 1978, namely :

In the said notification, under the heading 'Members', against serial numbers 12 and 17, for the entries, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

"12. Shri Rajendra Singh, Director (Personnel), Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi.

17. Shri D. V. Paranjape, General Manager, Singareni Collieries Company Limited, Post Office, Kolhagudem Collieries (Andhra Pradesh).

[No. 7(3)/80-Adm-I(PF)]

A. S. DESHPANDE, Dy. Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

आवश्यक

मही विभागी, 13 अक्टूबर, 1980

सांख्य 2966.—केंद्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमाबन्धी, 1965 के नियम १ के उप-नियम (२) की तारा (व्य) तथा नियम २४ के उप-नियम (१) द्वारा प्रवत प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, इस्पात और खान मंत्रालय (आन विभाग) के दिनांक 27 अक्टूबर 1977 के आवेदन मंडवा कांख ३४९५ का प्रधिकारण करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा निदेश देते हैं कि—

(१) इस आदेश की अनुसूची के भाग-१ के कालम (१) में उल्लिखित सामान्य केन्द्रीय सेवा, वर्ग 'क' पदों के बारे में कालम (२) की समकक्ष प्रविष्टि में उल्लिखित प्राधिकारी नियुक्ति प्राधिकारी होगा, तथा कालम (३) और (५) की समकक्ष प्रविष्टियों में उल्लिखित प्राधिकारी कालम (४) में उल्लिखित शास्त्रियों के संबंध में क्रमशः अनुशासन प्राधिकारी श्रीर अपील प्राधिकारी होंगे।

(२) क्षयित अनुसूची के भाग-II के कालम (१) में उल्लिखित सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग 'च' के पदों के संबंध में, कालम (२) की समकक्ष प्रविष्टि में उल्लिखित प्राधिकारी नियुक्ति प्राधिकारी होगा तथा कालम (३) और (५) की समकक्ष प्रविष्टियों में उल्लिखित प्राधिकारी, कालम (४)

में उल्लिखित शास्त्रियों के संबंध में क्रमशः अनुशासन प्राधिकारी और अपील प्राधिकारी होंगे।

अनुसूची

पद का नाम	नियुक्ति प्राधिकारी	केंद्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमाबन्धी, 1965 के नियम ११ की मध्य संबंधितों के संबंध में शास्त्रियों लापाने के लिए सकार प्राधिकारी और शास्त्रिय		प्राधिकारी	शास्त्रिय
		प्राधिकारी	शास्त्रिय		
1	2	3	4	5	
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भेदीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, संकिल कार्यालय, कोयला प्रभाग तथा हवाई अनिंज सर्वेक्षण और गवेषण स्कॉल सहित संबंधित भेदीय कार्यालय के पद।					
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का वरिष्ठ उप-महानिदेशक (भापरेशन) या जहा भेदीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, संकिल कार्यालय कोयला प्रभाग तथा हवाई अनिंज सर्वेक्षण और गवेषण स्कॉल सहित संबंधित भेदीय कार्यालय में वरिष्ठ उप-महानिदेशक (भापरेशन) नहीं है वहा भेदीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, संकिल कार्यालय कोयला प्रभाग तथा हवाई अनिंज सर्वेक्षण और गवेषण स्कॉल सहित संबंधित भेदीय कार्यालय के लिए उप-महानिदेशक (भूवैज्ञान)।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का वरिष्ठ सभी उप-महानिदेशक (भापरेशन) या जहा भेदीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, संकिल कार्यालय कोयला प्रभाग तथा हवाई अनिंज सर्वेक्षण और गवेषण स्कॉल सहित संबंधित भेदीय कार्यालय में वरिष्ठ उप-महानिदेशक (भापरेशन) नहीं है वहा भेदीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, संकिल कार्यालय, कोयला प्रभाग तथा हवाई अनिंज और गवेषण स्कॉल सहित संबंधित भेदीय कार्यालय के लिए उप-महानिदेशक (भूवैज्ञान)।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का वरिष्ठ सभी महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण।			

1	2	3	4	5
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारी उप महानिदेशक (कार्मिक)	वरिष्ठ उप महानिदेशक (कार्मिक)	सभी महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण।		
केन्द्रीय मुख्यालय के पद।				
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारी कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, कोयला प्रभाग तथा हवाई खनिज सर्वेक्षण और गवेषण संकेत सहित संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के लिए कोई क्षेत्रीय प्रशासन अधिकारी नहीं है, वहाँ क्षेत्रीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, कोयला प्रभाग या हवाई खनिज सर्वेक्षण और गवेषण संकेत सहित संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय हेतु वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का क्षेत्रीय प्रशासन अधिकारी या, जहाँ क्षेत्रीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, कोयला प्रभाग या हवाई खनिज सर्वेक्षण और गवेषण संकेत सहित संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के लिए कोई क्षेत्रीय प्रशासन अधिकारी नहीं है, वहाँ क्षेत्रीय कार्यालय के विशेषीकृत प्रभागों, कोयला प्रभाग या हवाई खनिज सर्वेक्षण और गवेषण संकेत सहित संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय हेतु वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का क्षेत्रीय प्रशासन अधिकारी या, जहाँ वरिष्ठ उप महानिदेशक (आपरेशन) नहीं है वहाँ संबंधित क्षेत्र, प्रभाग या संकेत का उप महानिदेशक (भूविज्ञान)		
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रत्येक सकिल कार्यालय के पद।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के संबंधित सकिल कार्यालय का निदेशक (भूविज्ञान)।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के संबंधित सकिल कार्यालय का निदेशक (भूविज्ञान)।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का वरिष्ठ उपमहानिदेशक (आपरेशन) या, जहाँ वरिष्ठ उप महानिदेशक (भूविज्ञान) नहीं है तो वहाँ संबंधित क्षेत्र, प्रभाग या संकेत का उप-महा निदेशक (भूविज्ञान)।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का वरिष्ठ उप महानिदेशक (कार्मिक)।
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के केन्द्रीय मुख्यालय के पद।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का क्षेत्रीय निदेशक (कार्मिक)।	भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का सभी निदेशक (कार्मिक)।		

[स० सी-11012/1/77-आ०-2]

एच.एल. अंग्रेजी, अधिकारी, सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

ORDER

New Delhi, the 13th October, 1980

S.O. 2966.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, and supersession of the order of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) No. S.O. 3495, dated the 27th October, 1977, the President hereby directs that —

(1) In respect of the posts in the General Central Service, Group C, specified in column (1) of Part I of the

Schedule to this order, the authority specified in the corresponding entry in column (2) shall be the appointing authority, and the authorities specified in the corresponding entries in columns (3) and (5) shall be the disciplinary authority and the appellate authority respectively in regard to the penalties specified in column (4);

(2) in respect of the posts in the General Central Service, Group D, specified in column (1) of Part II of the said Schedule, the authority specified in the corresponding entry in column (2) shall be the appointing authority, and the authorities specified in the corresponding entries in columns (3) and (5) shall be the disciplinary authority and the appellate authority respectively in regard to the penalties specified in column (4).

SCHEDULE

Description of post	Appointing Authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose with reference to items numbers in rule 11 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal Rules, 1965)	Appellate Authority	Authority
1	2	3	4	5
Part I—General Central Services—Group C				
Posts in each Regional Office including Specialised Divisions of a Regional	Senior Deputy Director General (Operations) or where there is no Senior Deputy Director	Senior Deputy Director General (Operations) or where there is no Senior Deputy Director	All	Director General, Geological Survey of India,

1

2

3

4

5

Office, Circle Office, Coal Division and Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing of Geological Survey of India.

General (Operations) for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Circle Office, Coal Division and Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing, Deputy Director General (Geology) for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Circle Office, Coal Division and Airborne Mineral Survey, and Exploration Wing of Geological Survey of India.

General (Operations) for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Circle Office Coal Division and Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing, Deputy Director General (Geology) for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Circle Office, Coal Division and Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing of Geological Survey of India.

Posts in Central Headquarters of the Geological Survey of India.

Senior Deputy Director General (Personnel), Senior Deputy Director General All (Personnel).

Director General Geological Survey of India.

PART —II GENERAL CENTRAL SERVICE—GROUP D

Post in each Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Coal Division and Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing of Geological Survey of India.

Regional Administrative Officer or, where there is no Regional Administrative Officer for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Coal Division or Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing, the Senior Administrative Officer for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Coal Division or Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing of Geological Survey of India.

Regional Administrative Officer All or, where there is no Regional Administrative Officer for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Coal Division or Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing, the Senior Administrative Officer for the respective Regional Office including Specialised Divisions of a Regional Office, Coal Division or Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing of Geological Survey of India.

Senior Deputy Director General (Operations) or, where there is no Senior Deputy Director General (Operations), Deputy Director General (Geology) of respective Region, Division or Wing in the Geological Survey of India.

Posts in each Circle Office of the Geological Survey of India.

Director (Geology) of the respective Circle Office in the Geological Survey of India.

Director (Geology) of the All respective Circle Office of Geological Survey of India.

Senior Deputy Director General (Operations) or, where there is no Senior Deputy Director General (Geology), Deputy Director General (Geology) of respective Region, Division or Wing in the Geological Survey of India.

Posts in Central Headquarters of Geological Survey of India.

Director (Personnel), Geological Survey of India.

Director (Personnel) Geological All Survey of India.

Senior Deputy Director General (Personnel), Geological Survey of India

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(हिन्दी अनुभाग)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1980

का०खा० 2967—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 8 (4) और 10 (4) के अनुसरण में भारत सरकार एवंद्वारा नौवहन और परिवहन मंत्रालय के निम्नलिखित संचाल और अधीनस्थ कार्यालयों आदि को अधिसूचित करती है, जहाँ के 80 प्रतिशत और उससे अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक भाषा प्राप्त कर लिया है:—

1. इंडियन रोड कॉस्टलाइन कारपोरेशन मिमिटी, नई दिल्ली।
2. बेंगल नियंत्रक कार्यालय, नई दिल्ली।
3. अधीक्षक इंजीनियर कार्यालय (सड़क पथ), अयपुर।
4. इंजीनियर सम्पर्क अधिकारी कार्यालय (सड़क पथ), ओमाच।
5. नौवहन महानिवेशालय, बम्हई।
6. कल्पाल अधीक्षक का कार्यालय प्रशिक्षण पोल, 'राजेन्ट', बम्हई।
7. बुद्ध वाचिक कल्पाल कार्यालय, बम्हई।
8. समुद्री इंजीनियरिंग और प्रशिक्षण कालेज विदेशालय, बम्हई।
9. दीपचंद निवेशक कार्यालय, बम्हई।
10. बीवहन भूल्क अनुसंधान अूरो, बांधीवाम।
11. नौवहन भूल्क अनुसंधान अूरो, कांडला।
12. कांडला गोदान अम बोर्ड, कांडला।
13. कप्तान प्रशिक्षक का कार्यालय, प्रशिक्षण पोल, 'बवली' बम्हई।
14. बोर्डोफ कार्यालय (सड़क पथ), चण्डीगढ़।
15. इंजीनियर सम्पर्क अधिकारी कार्यालय (सड़क पथ), जम्मू।

[फाईल नंबर : एच एस 147/80]
बी० संकरितिगम, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Hindi Section)

New Delhi, the 16th October, 1980

S.O. 2967.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 8 and sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Government of India hereby notifies the following Attached the Subordinate Offices of the Ministry of Shipping and Transport, 80 per cent staff whereof have been reported to have acquired working knowledge of Hindi:—

1. Indian Roads Construction Corporation Ltd., New Delhi.
2. Office of the Controller of Accounts, New Delhi.
3. Office of the Superintending Engineer (Roads Wing), Jaipur.
4. Office of Engineer Liaison Officer (Roads Wing), Bhopal.
5. Directorate General of Shipping, Bombay.
6. Office of the Captain Superintendent, Training Ship 'Rajendra', Bombay.
7. Principal Seamen's Welfare Office, Bombay.
8. Directorate Marine Engineering and Training College, Bombay.
9. Lighthouses Lightship Director's Office, Bombay.
10. Freight Investigation Bureau, Gandhidham.
11. Freight Investigation Bureau, Kandla.

12. Kandla Dock Labour Board, Kandla.
13. Office of the Captain Superintendent, Training Ship 'Naulakshi', Navalakhi, नौलक्षी.
14. Regional Office (Roads Wing), Chandigarh.
15. Office of the Engineer Liaison Officer, (Roads Wing), Jammu.

(F. No. PU/147/80)

V. SANKARALINGAM, Dy. Secy.

दिल्ली विकास प्रशिक्षण

नई दिल्ली 14 अक्टूबर

(मर्बे एंड सेटलमेंट यूनिट-1)

का० खा० 2968—दिल्ली विकास प्रशिक्षण 1957 (1957 की सं०-61) की धारा 22 की उपधारा (4) की व्यवस्थाओं के अनुसरण में दिल्ली विकास प्रशिक्षण ने नीचे लिखी अनुसूची में उल्लिखित भूमि आगे आकर्षण बैठाने हेतु शाक व तार विभाग को हस्तात्मित करने के लिये भूमि एवं विकास कार्यालय नियमण और अधिकारी अधिकारी अधिकारी कार्यालय संवादपथ, भारत सरकार, नई दिल्ली के निपटान पर देने हेतु केन्द्रीय सरकार के निपटान पर जोड़ दी है:—

अनुसूची

आगमन 1787 वर्ष गज (आगमन 1494 वर्ष ग्रीटर) माप का भूमि बाल्क जो रामा हृष्णा पूरम सैकटर पाठ पर स्थित है, जिसका लाइट नं० स्थल 89 है और जो अधिसूचना सं० एस एस 4719 विनांक 21-875 का अधिकारी/समस्त भाग है।

उपर्युक्त भूमि बाल्क की सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

उत्तर में:—	सड़क और पार्क
विशेष में:	सरकारी भूमि
पूर्व में:—	नाला
पश्चिम में:—	सड़क

[सं० एस० एस० एस० 33(42)/79 एस० एस० आई० 1169-71]

विकास कुमार यल्लोका, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(Survey and Settlement Unit, I)

S.O. 2968.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land and Development Office, Ministry of Works and Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the Post and Telegraph Department for construction of Post Office.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 1787 sq. yds. (about 1494 sq. m.) situated at R. K. Puram, Sector-VIII— bearing Plot No. Site No. 89 partly/full of Notification No. S. O. 4719 Dated 21-8-75.

The above piece of land is bounded as follows :—
 North—Road and (Park).
 (South—Government Land.
 East—Nalla
 West—Road.

[No. S&S 33(42)/79/A/SO(I)/1169-71]

B. K. MALHOTRA, Secy.

प्रति ग्राहक मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

मध्ये विलोगी, 7 अक्टूबर, 1980

क्रा० आ० 2969.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वासि विभाग), 1954 की धारा 34 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, गोविन्द जी० मिश्र, मुख्य बन्दोबस्तु आयुक्त, इसके द्वारा महाराष्ट्र सरकार, राजस्व व बन विभाग की अधिसूचना संख्या ई० बी० पी०-1079/182598 (i)/ग्रा० 9 दिनांक 26-9-1980 और ई० बी० पी०-1079/182598 (ii)/ग्रा० 9 दिनांक 26-9-1980 द्वारा, अमरा० बन्दोबस्तु आयुक्त और अभिभावक निष्कास्त सम्पत्ति महाराष्ट्र राज्य, बम्बई के रूप में नियुक्त किए गए श्री बी० पी० पाण्डे॒ सेवेश्वरन द्वारा उपकल्पकार को उक्त अधिकारियम की धारा 23, 24 तथा 28 के अधीन या उसके द्वारा, भूमि प्रदत्त शक्तियाँ सौंपता हूँ। इसके साथ यह होगी कि महाराष्ट्र राज्य के लिए नियुक्त उक्त बन्दोबस्तु आयुक्त, मुआवजा भूमि की ऐसी सम्पत्तियों, जो महाराष्ट्र राज्य में स्थित नहीं हैं, के संबंध में फिसी भी ऐसी शक्ति का प्रयोग नहीं करेंगे।

2. इससे पूर्ति ग्राहक पुनर्वासि मंत्रालय (पुनर्वासि विभाग) की अधिसूचना संख्या-1 (ii)/वि० सै०/77 एस० एस०-11 विनांक 25 जुलाई, 1978 का अधिकारण कर दिया जाता है।

[संख्या -1(11)/वि० सै०/77-एस० एस०-11]

गोविन्द जी० मिश्र, मुख्य बन्दोबस्तु आयुक्त

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 7th October, 1980

S.O. 2969.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954, I, G. J. Misra, Chief Settlement Commissioner, hereby delegate to Shri B. P. Pande, Selection Grade Deputy Collector, appointed by the Government of Maharashtra under Revenue and Forests Department's Notifications No. EVP-1079/182598(i)/R-9, dated 26-9-80, and EVP-1079/182598(ii)/R-9, dated 26-9-80, as Settlement Commissioner and Custodian of Evacuee Property, Maharashtra State, Bombay, respectively the powers conferred on me by or under Sections 23, 24 and 28 of the said Act, subject to the conditions that the said Settlement Commissioner for the State of Maharashtra shall not exercise any such powers in relation to the compensation pool properties not situated in Maharashtra State.

2. This supersedes Notification No. 1(11)/Spl. Cell/77-SS. II., dated the 25th July, 1978, issued by the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation). New Delhi.

[No. 1(11)/Spl. Cell/77-SS. II.]

G. J. MISRA, Chief Settlement Commissioner.

भरतीय डाक तार विभाग
(डाक महाप्रबंधक/महाप्रबंधक का कार्यालय)
शिलोग, 10 जून, 1980

क्रा० आ० 2970.—यह: भारत के राजपत्र के भाग II, छंड 3, उपर्युक्त (ii) विनांक 1 विसम्बर, 1979 में पृष्ठ 3426 पर प्रकाशित

संचार मंत्रालय (इक तार बोर्ड) सं० एस० एम० 3901 विनांक 18 मई, 1976 की भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा केन्द्र सरकार में विभागीय जांच (साक्षियों को उपस्थिति तथा दस्तावेज प्रस्तुतीकरण का प्रवर्तन) अधिनियम 1972 (1972 का 18) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन उस सरकार की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये अन्यों के साथ साथ अधोहस्ताक्षरी को भी विनियिष्ट किया है।

मीर यह: अधोहस्ताक्षरी के यह राय है कि श्री (1) अशित रंजन दे, फैश ओफिसियर, हैलकांडी, बर्लमान सेटिंग पोस्टमैन सिल्वर हेल-प्राक्षिपिस के विरुद्ध विभागीय जांच के प्रयोगम से (2) श्रीमती बी० पुर्णी श्री अधिकारी, भट्टाचार्यी, प्रभान अध्यापिका, नेताजी विद्या भवन, बालिका उच्च विद्यालय सिल्वर की, साक्षी (साक्षियों के बातों अथवा वस्तावेज प्रस्तुतीकरण का प्रवर्तन) (1) श्री अशित रंजन दे भी अधिकारी प्राविहित किया जाना आवश्यक है।

यह: यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा (2) श्री आर० भट्टाचार्यी, सहायक निवेशक (मेलस) कार्यालय, निवेशक डाक (विभाग) गैरूपांडी, रीजन, के संबंध में उक्त अधिनियम की धारा 5 में विनियिष्ट शक्तियों का प्रयोग करने के लिये साक्षी की उपस्थिति तथा वस्तावेज प्रस्तुतीकरण का प्रवर्तन, (1) श्री अशित रंजन दे भी अधिकारी प्राविहित किया जाता है।

[सौ बी आई जी०/14/17/79]

जी० बी० एस० राध, डाक महाप्रबंधक/महाप्रबंधक

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

(Office of the Postmaster-General)

Shillong, the 10th June, 1980

S.O. 2970.—Whereas by the notification of the Govt. of India in the Ministry of Communication (Posts and Telegraphs Board) No. S.O. 3901 dated the 18th May, 1976 published in the Gazette of India Part II section 3 Sub-section (ii) dated the 1st December, 1979 at page 3426, the Central Govt. has specified among others, the undersigned to exercise the powers of that Government under Sub-section (i) of Section 4 of the Departmental Enquiries (enforcement of attendance of witnesses and production of documents) Act, 1972 (18 of 1972).

And whereas the undersigned is of opinion that for the purposes of departmental enquiry against Shri Ashit Ranjan Dey, Cash Overseer Hallakandi and now officiating Sorting postman, Silchar H.O., it is necessary to summon as witness and call for Attendance Register and Admission Register along with application for admission of Shrimati Rubi Dey d/o Shri Ashit Ranjan Dey from Shrimati Gouri Bhattacharjee, Headmistress of Netaji Vidya Bhawan Girls' High School, Silchar.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of section 4 of the said Act, the undersigned hereby authorises Shri R. Bhattacharjee, A.D. (Mails) office of the D.P.S., Gauhati Region, Gauhati, the inquiring authority to exercise the powers specified in section 5 of the said Act in relation to enforcement of attendance of witness and production of documents.

[No. Vig/14/17/79]

G. V. S. Rao, Postmaster-General

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 5th September, 1980

S.O. 2971.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India, and their workmen, which was received by the Central Government on the 28-8-1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI.

I.D. No. 105 of 1977

In re :

The General Secretary,

U.P. Bank Workers' Organisation :

2. Navin Market, Parada, Kanpur ..Petitioner

Versus

The Divisional Manager :

Central Bank of India, Karachi Khana,
Kanpur.

...Respondent.

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L-12012/90/74-LR.III dated the 17th February, 1975 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to Industrial Tribunal, Kanpur in the following term. .

"Whether the action of the management of the Central Bank of India in denying the promotion and special allowance of Assistant Head cashier to Shri R.S. Kapoor w.e.f. the 9th October, 1973 is justified? If not, to what relief is he entitled?

2. On receipt of the reference used notices were sent to the parties and the parties filed their respective statements of claim but before written statement could be filed the matter was transferred vide order No. L-12025/22/74/D.III(A) dated 3-6-1976 to Industrial Tribunal, Delhi at the Industrial Tribunal, Delhi after registering the matter issued fresh notices to the parties but before any further action could be taken in the matter the term of Central Industrial Tribunal, Dehli came to an end and in consequence this case was transferred to this Tribunal in May, 1977. Upon receipt of this case it was ordered to be registered and notices were issued to the parties and a written statement was filed by the Bank and replication was filed by the workman and after admission and denial following one issue was framed for trial:

Issue :

As in the order of reference.

3. Thereafter it was found that the order of transfer date May, 1977 was defective and as such a fresh order of transfer was passed in May, 1978 by the appropriate Govt. Thereafter evidence of the parties was recorded and arguments were heard. I have gone through the pleadings of the parties and after giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings upon this issue.

4. The contention of the workman as evidenced by his statement of claim is that he was appointed as Asstt. Cashier at Naya Ganj Branch at Kanpur on 2-1-1946 and that at that time there was a post of Head Cashier, two posts of Asstt. Head Cashier and other posts of Asstt. Cashiers in that Branch and senior most Asstt. Cashier was called upon to officiate as Asstt. Head Cashier but when the post of Asstt. Head Cashier fell vacant on the transfer of Shri R. C. Avasthi it was not filled by the Bank and rather Sri R. S. Kapoor's representation dated 20-10-73 and reminders dated 4-12-73 and 10-12-73 also did not get him any promotion. Thereupon the workman is stated to have approached the ALC and hence this reference.

5. The contention of the Bank inter-alia is that on the transfer of Shri R. S. Avasthi one post of Asstt. Head Cashier was abolished in the Naya Ganj Branch of the Bank and as

such Shri Kapoor was not given any officiating chance. Even otherwise in the alternative it is contended by the Bank that Shri R.S. Kapoor was offered the post of Head cashier vide negotiations letter No. DM/staff/41/160 dated 9-5-73 but the said offer was not accepted by the workman and as such the Management vide their letter No. DM/staff/41/2026 dated 27-9-73 debarred the workman from the post of Head Cashier which inter-alia included debarring the workman from officiating chance also and hence it is urged by the Bank that the workman be not entitled to any relief what-so-ever. It may be mentioned here that the fact that the workman had been offered the post of a Head Cashier vide letter dated 9-5-73 and he had refused is not denied by the workman. It is also not denied by the workman that he had been deprived vide letter dated 27-9-73 from the post of Head Cashier. In the face thereof it would be difficult to accept that the workman was entitled to any officiating chance as claimed by him. The evidence of the workman consists of his own statement as W.W. 1 in which he has only reiterated what he has stated in his statement of claim but during cross examination it is admitted by him that no person was appointed to the vacancy arising out of the transfer of Shri Avasthi. It is further stated by him that he could not say if the post had been abolished and therefore no officiating was made as second Asstt. Head Cashier. He has also not been able to deny that this was the reason why had not been promoted. Strangely enough even though admitted in para No. 10 of his statement of claim that he had been deprived from the post of Head Cashier he has denied this fact in his cross examination. The Management in support of its contention has examined M.W. 1. Shri Shradoker, Chief Manager, State Bank of India, Kanpur, M.W. 2. Shri B. N. Chaturvedi, Divisional Manager of the Bank and M.W. 3. Shri K. C. Arora, the Branch Manager, M.W. 1 has proved documents Ex. M/1 to Ex. M/6. M.W. 2 has stated that it was thought necessary to abolish one post of Asstt. Head Cashier for administrative reasons and it was done then Mr. Avasthi was transferred. He has not been challenged on this aspect of the matter during cross examination. M.W. 3 Shri K. C. Arora has stated that to avoid duplication of workman one post of Asstt. Head Cashier was abolished on transfer of Mr. Avasthi. It is also stated by him that Shri R. S. Kapoor, workman was granted an opportunity by way of promotion but he refused to go out of Kanpur and as the post was out of Kanpur he did not afford the opportunity. During cross examination he has stated that the first offer to Mr. Kapoor was made in December, 1969 and thereafter again in May, 1973 but he declined both and this has resulted in his depriving from promotion as Head Cashier. In the face of the statement of M.W. 2 and M.W. 3 read with the admission in para No. 10 of the statement of claim of the workman and Ex. M/5 it is established that the workman had been rightly deprived for promotion to the post of Head Cashier and in accordance with the note to the settlement Ex. M/5 it would follow that the refusal by the workman to accept the post carrying a special allowance resulted in forfeiture of any claim of special allowance of any nature. In view of my discussions above, I hold that the Bank was justified in not offering the post of Asstt. Head Cashier on the transfer of Shri Avasthi

6. Let us consider the matter from yet another angle. M.W. 2 and M.W. 3 have categorically stated that for administrative reasons one post of Asstt. Head Cashier was abolished in the Naya Ganj Branch of the Bank at Kanpur which fact has not been challenged anywhere. That being the position it would mean that there was no post of Asstt. Head Cashier to which this workman could have promoted after Shri Avasthi was transferred and as such also it cannot be said that the action of the Management of Central Bank of India in denying promotion and special allowance of Asstt. Head Cashier to Shri R. S. Kapoor w.e.f. 9th October, 1973 is not justified.

7. It is urged that no notice u/s 9 of the Act was served before the post was abolished. However the decision not to fill the post does not mean that the post is formally abolished. There is no formal order abolishing the post only it was decided not to fill the post and therefore there was no need to give the notice u/s 9 of the I.D. Act. Even otherwise it cannot be said that abolition of post would attract provisions of Section 9 in the circumstances of this case. It may be mentioned here that it is not urged by the workman that a person junior to him was ever promoted to this post of Asstt. Head Cashier.

8. In view of my discussions above, it is awarded that the action of the Management of Central Bank of India in denying the promotion and special allowance of Ass't Head Cashier to Shri R. S. Kapoor at Naya Ganj Branch of Central Bank of India w.e.f. 9th October, 1973 is justified and that the workman is not entitled to any relief what-so-ever. Parties are however left to bear their own costs, in this matter.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

Dated : the 26th July, 1980

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/90/74-D. II(A)]
S. K. BISWAS, Desk Officer

श्रम संचालन

प्रारंभ

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 2972.—पैसर्स रि स्टेट्समैन लिमिटेड, स्टेट्समैन हाउस, कनाट सर्कस नई दिल्ली के प्रबन्धताल और उनके कर्मचारियों ने, जिनका प्रति-निवित्त स्टेट्समैन कर्मचारी यूनियन, स्टेट्समैन हाउस, कलाट मर्कें, न दिल्ली ने किया, दिल्ली प्रशासन के सुलह अधिकारी, श्री एस पी० जोशी के समझ 3 जनवरी, 1971 को एक समझौता बित्त, जिसमें अन्य आठों के माध्य-माध्य इन बातों की व्यवस्था है :

(i) तारीख 3 अगस्त, 1970 के भारत के राजपत्र (असाधारण) भा० 2, खंड 3, उप-खंड (ii) में प्रकाशित राष्ट्रीय अधिकरण, कलकत्ता के पंचाट को लागू करना

(ii) वर्ष 1970, 1971 और 1972 के लिए बोनस का भुगतान करना और (iii) कर्मकारों के ऐसे बातों के लिए बेतनमान मारंग करना, जिन्हें राष्ट्रीय अधिकरण के पूर्वोक्त पंचाट में स्थान प्राप्त नहीं हुआ है।

और अब कर्मकारों के कलिपय बातों के सम्बुद्धि स्थानान्तर में भी अवृत्ति मंजूरी भत्ते की अवायगी के संबंध में संदेह उत्पन्न हो गया है, और प्रबन्ध-ताल का दावा है कि ये कर्मकार समूहों/श्रेणियों में रखे गए हैं, जिनके हकदार हैं, जैसा कि उपाधन्य के संबंध 2 में प्रत्येक के सामने दर्शित किया गया है, जबकि यूनियन का यह तर्फ है कि ये कर्मकार उपाधन्य 'क' के संबंध 1 में उन कर्मकारों के सामने उल्लिखित समूहों/श्रेणियों में रखे जाने और उसमें यथादर्शित सहवर्ती मंजूरी भत्ते की अदायगी के हकदार हैं;

इससे उपाधन्य अनुसूची में विनिविष्ट औद्योगिक विवादों की राष्ट्रीय अधिकरण को ऐसो गया था जिसके पीछासीन अधिकारी न्यायमूर्ति श्री एस० क० मुखर्जी वे जिनका भुज्यालय कलकत्ता में था।

और उपर्युक्त न्यायमूर्ति श्री एस० क० मुखर्जी की सेवा भव उपलब्ध नहीं रही है।

अतः यद्य प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-ब, धारा 33ख की उपधारा (1) और धारा 36 ख द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक राष्ट्रीय अधिकरण गठित करती है जिसके पीछासीन अधिकारी न्यायमूर्ति श्री आर० एन० घट्टाचार्य होंगे, जिनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा और उक्त विवाद से संबंध कायेवाही की न्यायमूर्ति श्री एस० क० मुखर्जी, पीछासीन अधिकारी, राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता से बापस लेती है और उसे न्यायनिर्णयन के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को स्थानान्तरित करती है, जिसके प्रधान न्यायमूर्ति श्री आर० घट्टाचार्य होंगे।

अनुसूची

(i) क्या मैसर्स रि स्टेट्समैन लिमिटेड के प्रबन्धताल और स्टेट्समैन कर्मचारी यूनियन हाउस उठाए गए उपाधन्य 'क' में उल्लिखित नंबर को ध्यान में रखते हुए उसमें निविष्ट कर्मकार ऊपर पैरा 1 में निविष्ट राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण के पंचाट और सुलह अधिकारी, श्री एस० पी० जोशी के समझ 3 जनवरी 1971 को हुए समझौते के अनुसार समूचित समूहों/श्रेणियों में रखे गए हैं, और यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस समूहों/श्रेणियों में रखे जाने चाहिए और किस तारीख में?

(ii) क्या सहवर्ती मंजूरी भत्ता, जो वर्तमान में विद्या जा रहा है, ऊपर निविष्ट पंचाट और समझौते के अनुसार है, यदि नहीं तो क्या जिसी उपाधन्य की आवश्यकता है

[मि० ए०-51011/33/74-आर० एंड ई० (आर०)]
आर० पी० तस्ला, अवर सचिव

उपाधन्य 'क'

स्टेट्समैन कर्मचारी यूनियन का तर्क स्टेट्समैन के नियोजकों का तर्क

(क) दोषरूप व्यप में फिट करना —

तीन योग्यताके सर्वश्री भगवान ये मणीनमैन नीकरी विभाग में दास, नानक चंद्र और किशन की अवृत्ति यत्र का प्रवालन कर रहे थे। 190-8-238-15-328- द० रो०-20-388-द०, समूह-III (कारखाना) ये यत्र पंचाट के अधीन समूह-4 (कारखाना) में समूहवद किए के बेतनमान तो स्थान पर 175-7-217-12-301-द० रो० 20-341 रु० के बेतनमान में गलत ढंग से फिट किया गया।

1-1-1971 से, गलत फिट किए जाने की बात जो सुधारा गया और उन्हें समूह-II (कारखाना) 210-8-258-15-348 द० रो०-20-408 द० में रखा गया। 1-7-67 से 30-12-70 तक कर्मकारों को समूह-III (कारखाना) में फिट किया जाना चाहिए और तदुनासार वकाया संबंध की जानी चाहिए।

(ii) ज्येष्ठतम होने पर भी श्री नेकराम को प्रोसेस विभाग में नेकराम, मणीन मैन चालक को समूह-II (कारखाना) में श्रेणी उपर्युक्त नहीं किया गया।

श्री नेकराम को प्रोसेस विभाग में नियोजित किया गया है, त कि वाणिज्यिक मुद्रण विभाग में मणीन-मैन के व्यप में फिट किए जाने के समय उसके वास्तविक कार्य को ध्यान में रखा गया था।

(x) आठ कर्मकारों का पदान्वित विवाद के अधीन समूह-III (कारखाना) के अंतर्गत आता है। काम की प्रकृति स्टीरियो ब्लॉकमैन की है, स्टीरियों कास्टर के छत्तों का निवेश किया और जो समूह-II (कारखाना) में, 210-8-258-15-343-द० रो०-20-408

६० के वेतनमान में फिट किए जाने के हकदार हैं, दोषपूर्ण रूप से समूह III (कारखाना) में 190-388 रु० ६० के वेतनमान में फिट किया गया है। प्रोसेस विभाग

(ग) श्री पी० एन० खाना उर्फीण छाफटोन मिथरक को 210-408 रु० (समूह II कारखाना) के स्थान पर 110-160 रु० (समूह IV कारखाना) वेतनमान दिया गया है। उन्हें 1-7-1967 से यह वेतनमान मिलना चाहिए।

(घ) प्रोसेस विभाग के श्री सतपाल को जो दोषपूर्ण रूप से समूह II (कारखाना) में फिट किए गए हैं समूह (कारखाना) में 250-670 रु० के वेतनमान में 1-7-67 से फिट किया जाना चाहिए।

(ङ) श्री दयाचंद जैन प्रौद्योगिकी विभाग के दोनों 'क' श्रेणी के टक्के हैं। 'क' श्रेणी के लिपिक प्रौद्योगिकी विभाग को समूह IV (प्रशासन) (वेतनमान 190-374 रु०) के स्थान पर 1-7-67 से समूह V (प्रशासन) में जिसका वेतनमान 250-660 रु० है, फिट किया जाना चाहिए। उन्हें ठीक जगह फिट किया जाना चाहिए और सही वेतन विधा जाना चाहिए।

(च) श्री राम फल प्रौद्योगिकी विभाग के समूह VII (प्रशासन) के स्थान पर जिल्दसाजी को समूह VIII (क) (190-374 रु०) के वेतनमान में 1-7-67 से फिट किया जाना चाहिए और वकाया का संदाय किया जाना चाहिए।

(छ) श्री राम समुज मिह को समूह VI (क) (190-374) की उसकी सही श्रेणी के स्थान पर समूह VIII (क) (110-160 रु०) में दोषपूर्ण रूप से फिट किया गया है।

(ज) सभी लेखा-लिपिकों को 196-374 रु० समूह VII (क) के स्थान पर 1967 से भूतलझी प्रभाव से 250-600 रु० समूह (क) का वेतन दिया जाना चाहिए।

श्री खाना जा० प्रोसेस विभाग में वेतनमान मदवार के रूप में पदाधिक है। रजिस्टर पर ९ हाफ टोन निकारकों के नाम वर्ज हैं। वह केवल मात्र उनकी सहायता करता है।

श्री सतपाल को केवल प्रचालक के रूप में नियोजित किया गया है प्रौद्योगिकी विभाग के समूह II (कारखाना) के अधीन ठीक ही फिट किया गया है। फोटो ट्रांसफैरसी का काम नगर्य है और उसके लिए पूर्ण कालिक आदानी रखने की आवश्यकता नहीं है।

श्री दयाचंद प्रौद्योगिकी विभाग के दोनों 'क' श्रेणी के टक्के हैं। 'क' श्रेणी के लिपिक प्रौद्योगिकी विभाग को समूह IV (प्रशासन) (वेतनमान 190-374 रु०) के स्थान पर 1-7-67 से समूह V (प्रशासन) में जिसका वेतनमान 250-660 रु० है, फिट किया जाना चाहिए। उन्हें ठीक जगह फिट किया जाना चाहिए और सही वेतन विधा जाना चाहिए।

श्री राम फल प्रौद्योगिकी विभाग के समूह VII (प्रशासन) के स्थान पर जिल्दसाजी को समूह VIII (क) (110-160 रु०) में दोषपूर्ण रूप से फिट किया गया है।

श्री राम समुज सिंह प्रेषण लिपिक के साथ लगा चपरासी है। फ्रेकिंग यंत्र इस लिए लगाया गया है कि प्रेषण लिपिक डाक का द्रुत गति से निपटान कर सके। वह यदि का प्रचालन नहीं करता है। उसका प्रचालक तो लिपिक ही है। लेखा-लिपिकों को कम्पनी के वेतनमानों के अधीन दीन समूहों (क, ख और ग) में विभाजित किया गया था। ख और ग समूहों के लिपिकों को कनिष्ठ लिपिक माना गया था प्रौद्योगिक उन्हें समूह 4(क) के अधीन फिट किया गया और क समूह के लिपिकों को कुशल माना गया और उन्हें समूह (क) के अधीन रखा गया।

(अ) दिल्ली के समाचार/विज्ञा-पन अनुभागों के प्रूफ शोधक पंचाट के गलत क्रियान्वयन से पीड़ित हो गए। दिल्ली में जाव अनुभाग के प्रूफ शोधक और कलकत्ता के प्रूफ शोधक और कलकत्ता के जाव और विज्ञापन रीडर प्रारंभ में 1-7-67 को समूह (iii) कारखाना में फिट किए गए थे प्रौद्योगिकी विभाग के समूह 5 (कारखाना) में रखा जाएगा। पूर्वीक फिटमैन पर न तो विचार विमर्श किया गया था प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन यह आता है।

II सेवा वेतन वृद्धि

कुछ कर्मकार/प्रोसेस कर्मचारि-वृद्धि और लिपिकों को भव तक उनकी वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी गई है। पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर लेने पर वे एक सेवा वेतन-वृद्धि के हकदार हैं और 10 वर्ष या इससे अधिक की सेवा पर वो वेतन वृद्धियों के हकदार हैं।

(क) लिपिक—जो वर्षी से प्रत्येक कर्मचारी को सभी सेवा भवरूप कार्य करते रहे हैं, उन्हें 'क' 'ख' और 'ग' श्रेणी लिपिकों के रूप में कम्पनी की कृतिग्रन्थ नाम पद्धति में उनकी सेवा के असाध्य प्रधार पर वेतन-वृद्धियां नहीं दी गई। लिपिकों की सेवा को सेवा वेतन-वृद्धिया देने के लिए विचार-शत किया जाना चाहिए, न कि कम्पनी की नाम पद्धति 'क' 'ख' और 'ग' में उनकी सेवाओं को।

(ख) प्रोसेस कर्मचारिवृद्धि

इसी प्रकार, प्रोसेस विभाग के कई कर्मकारों को सेवा वेतन-वृद्धियां देने से इकाई किया गया है लाइन निरक्षक और हाफ टोन निकारक के रूप में उनके काम की प्रक्रिया/ट्रैड समाचार होते हुए भी, कम्पनी ने 'क' श्रेणी कर्मकार, 'ख' श्रेणी कर्मकार और 'ग' श्रेणी कर्मकार के रूप में नामपद्धति संलग्न कर दी है।

(ग) श्री रत्न लाल और श्री पुरी से प्रबंधक वर्ग ने १० पी० एल० प्रचालक और कनिष्ठ/करेक्टर दोनों के कर्तव्यों के पालन की अपेक्षा की थी। चूंकि उनकी सेवा केवल १० पी० एल० प्रचालक के रूप में ही हिसाब से ली गई, अतः उन्हें सेवा वेतन-वृद्धियों देने से इकाई किया गया है। उनकी कुल सेवा को हिसाब में लिया जाए।

प्रूफ-शोधक समझौते के अन्तर्गत विनिश्चित रूप से उपावधि 'आ'

खण्ड (2) के अधीन आ गए और यह सहमत हुई थी कि उन्हें पंचाट

के समूह 5 (कारखाना) में रखा जाएगा। पूर्वीक फिटमैन पर न तो

विचार विमर्श किया गया था प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन यह आता है।

सेवा वेतन-वृद्धि के लिए लेखे में ली जाने वाली सेवा अवधि उसी प्रवर्ग में, जिसमें कर्मकार फिट किए जाने के समय नियोजित किया गया था, कार्य पर आधारित है।

प्रत्येक कर्मचारी को सभी सेवा

वेतन-वृद्धियों दी गई है।

(ग) श्री शिव बरन मिहिर को इसलिए सेवा बेतन-बृद्धि से इंकार किया गया है क्योंकि उसे हैडमैन के रूप में पदामिहित किया गया है, यथापि उसे समूह III (कारखाना) में किया गया है।

इसी प्रकार, श्री स्वरूपा का पदनाम हैड-स्ट्रीपर रखा गया है जिसका बेतन उसके अधिन काम कर रहे स्वीपरों से कम है।

(ख) बक्ता रोधः—समझौते के कियाव्यवस्थन के प्रथम वर्ष में बक्ता रोध लागू नहीं किया जाना चाहिए। विस्तीर्णवालीय में दो कर्मकार श्री एच०नी जेकब, भेकडाय मैन पर्फैक्शन और प्रोसेस विभाग के श्री भरत राम को 1971 में बक्ता रोधक के आधार पर, रुदात्मक रूप से बेतन-बृद्धियों देने से इंकार कर दिया गया।

बक्ता रोध आविरोधित करने के लिए प्रबंधक वर्ग को, पंचाट के अनुसार, प्रक्रिया अपनानी चाहिए, किन्तु इसमें उमका अनुसरण नहीं किया गया है।

III सहजर्ती मंहगाई भत्ता:-

मंहगाई भत्ते पर प्रति वर्ष पुनरीक्षा होनी चाहिए। जनवरी, 1971 में प्रबंधक वर्ग ने 10 प्लाइट का मंहगाई भत्ता संदर्त किया जबकि अंतर 15 प्लाइट का था और कर्मकारों को योग पांच प्लाइट के लाभ से अधिक रखा गया।

श्री जेकब और भरत राम को बेतन-बृद्धियों देने पर विभार किया गया था। विभागीय एपोर्ट यह विशित करती है कि वे उच्चतर बेतनमान में दक्ष कर्मचारों पर लिए जाने के बारे में नहीं समझे गए।

यदि यह मान भी लिया जाए कि बक्ता रोध को प्रक्रिया का अनुगालन किया बिना लागू किया गया है तो भी समझौते या प्रावाट के किसी उल्लंघन का अभियोगन नहीं किया जा सकता।

मंहगाई भत्ते को पूर्ववर्ती 12 मास के श्रीसत के आधार पर प्रत्येक वर्ष के प्रथम दिन पर आधारित, श्रमिक वर्ग के वर्ष 1965 के उपभोक्ता कीमत सूचकांक के अधिल भारतीय श्रीसत के माध्य सहन किया जाना होता है, यदि किसी विशिष्ट वर्ष के श्रीसत में पूर्ववर्ती वर्ष से 10 प्लाइट या अधिक की उपरिमुखीय अपेंगुर्जा भिन्नता होती है :

मिस्निलिखित वर्षों के लिए श्रीसत

1965—166
1966—184
1967—209
1968—215
1969—213
1970—224

प्रथम पुनरीक्षण 1969 में हुआ था। 19 में सूचकांक 1967 की तुलना में 6 प्लाइट बढ़ा, इसलिए पुनरीक्षण की कोई प्रावधाकरण न थी; 1971 में पुनरीक्षण किया गया।

ORDER

New Delhi, the 13th October, 1980

S.O. 2972.—Whereas the management of Messers The Statesman Limited, Statesman House, Connaught Circus, New Delhi, and its workmen represented by the Statesman Employees' Union, Statesman House, Connaught Circus, New Delhi, had entered into a settlement before the Conciliation Officer, Delhi Administration, Shri S. P. Joshi, on 8th January, 1971 which inter-alia provided for : (i) implementation of the award of the National Tribunal, Calcutta Published in the Gazette of India Extraordinary (Part II-Section 3-Sub-Section (ii) dated the 3rd August, 1970), (ii) payment of bonus for the year 1970, 1971 and 1972 and (iii) Introduction of scales of pay for such categories of workmen which do not find place in the aforesaid award of the National Tribunal.

And, whereas, a doubt has now arisen with regard to the proper placement of certain categories of workmen and payment of linkage Dearness Allowance, the management maintaining that these workmen have been placed in proper groups/grades to which they are entitled as shown against each in column 2 of Annexure 'A', the Union, however, contending that these workmen are entitled to be placed in groups/grades mentioned against these workmen in column 1 of Annexure 'A' and paid linkage Dearness Allowance as shown therein;

Whereas the industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed were referred to the National Industrial Tribunal of which Justice Shri S. K. Mukherjee was the Presiding Officer with headquarters at Calcutta,

And whereas the services of the said Justice Shri S. K. Mukherjee are no longer available.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7B, Sub-Section (1) of section 33B and section 36A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes a National Industrial Tribunal of which Justice Shri R. N. Bhattacharya shall be the Presiding Officer with headquarters at Calcutta and withdraws the proceedings in relation to the said disputes from Justice Shri S. K. Mukherjee, Presiding Officer, National Industrial Tribunal, Calcutta, and transfers the same for adjudication to the National Industrial Tribunal, Calcutta presided over by Justice Shri R. N. Bhattacharya.

SCHEDULE

(i) whether in view of the contention raised by the management of Messers The Statesman Limited and the Statesman Employees' Union as stated in Annexure 'A', the workmen detailed therein have been placed in proper group/grades in pursuance of the award of the National Industrial Tribunal, referred to in para 1 above and settlement dated 8th January, 1971, before the Conciliation Officer, Shri S. P. Joshi, and if not, in which groups/grades these workmen should be placed and from which date?

(ii) whether the linkage Dearness Allowance which is being paid at present is in accordance with the award and settlement referred to above, and if not whether any modification is required?

[No. L-51011/33/74-I&E(I)]
R. P. NARULA, Under Secy.

ANNEXURE 'A'

Statesman Employees Union's Statesman Employers' Contention

1 (A) Wrongful fitment

Three mechanics Sarva Shri Bhagwan Das, Nanak Chand and Kishan were wrongly fitted in the pay scale of Rs. 175-7-217-12-

These Machinemen were operating Threadle Machines in Job Department. These mechanics are grouped in Group IV (Factory) under

301-EB-20-341 awarded for group IV (Factory) instead of pay scale of Rs. 190-8-238-15-328-EB-20-388 group III (Factory).

From 1-1-1971 misfitment was rectified and they were placed in group II (Factory) Rs. 210-8-258-15-348-EB-20-408. From 1-7-67 to 30-12-70 the workmen should be fitted in Group III (Factory) and paid arrears accordingly.

(ii) Shri Nek Ram, Machineman has not been upgraded to group II (Factory) being senior most.

(B) Eight workmen Sarvashri E. Dott, N.R. Barua, N.K. Barua, Babu Khan, S.B. Barua, K.A. Walker, B.K. Barua & B.C. Dey who discharged functions of Stereo Caster and are entitled to be fitted in Group II (Factory) in the Pay scale of Rs. 210-8-258-15-348-EB-20-408 w.e.f. 1-7-67 have been wrongly fitted in Group III (Factory) in the pay scale of Rs. 190-388.

Process Deptt.

(C) Shri P.N. Khanna engineer/half tone etcher has been given pay scale Rs. 110-160 (Group IV Factory) instead of Rs. 210-408 (Group II Factory). Should be given scale w.e.f. 1-7-1967.

(D) Shri Sat Pal of the Process Department should be fitted in Group I (Factory) in the scale of Rs. 250-670 w.e.f. 1-7-67 who is wrongly fitted in Group II (Factory).

(E) Shri Daya Chand Jam and Shri P.N. Khanna both are 'A' grade typist, 'A' grade clerk and 'A' grade typist should be fitted in Group V (Admn.) carrying pay scale of Rs. 250-660 instead of Group VI (Admn.) (Pay scale Rs.

the award.

190-374) w.e.f. 1-7-67. settlement.

They should be correctly fitted and paid.

(F) Shri Ram Phael and Shri Emmanuel Sukhlal-Binders should be fitted in Binders Grade of Factory V in pay scale Rs. 130-297 instead of Group VII (Adm.) w.e.f. 1-7-67 and paid arrears.

Shri Ram Phael and Shri Emmanuel Sukhlal are employed as Daftaries and designated as such. There is no arrangement for proper binding of papers or documents set up in the section.

G) Shri Ram Samuj Singh wrongly fitted in Group VIII (A) (Rs. 110-5-160) instead of his rightful grade of Group VI (A) (Rs. 190-374).

Shri Ram Samuj Singh is a peon attached to the despatch clerk. The franking machine has been placed to help the Despatch Clerk for quick disposal of dak. He is not operating the machine. The clerk is operator of it.

(H) All accounts clerks should be given the pay scale of Rs. 250-660 Group V (A) instead of Rs. 190-374 Group VII (i) with retrospective effect from 1967.

Accounts clerks were divided into three groups under the Company's pay scale (A, B & C). Clerks of B & C groups were considered junior clerks and were given fitment under Group VI (A) and clerks of A scale were considered skilled and placed under Group V

(I) Proof Readers of the News/ Advt. Section of Delhi are victims of mis-implementation of Award. Job Section Proof Readers in Delhi and Job and Advertisement readers in Calcutta were initially fitted in Group (III) Factory on 1-7-67 and refitted accordingly to settlement on 1-1-71 but Proof Readers of News/ Advt. Section of Delhi have been denied the benefit and thus have suffered loss in wages.

Proof Readers were covered in the settlement specifically under Annexure 'B' Clause 2 and it was agreed that they would be placed in Group V (Factory) of the Award. Prior fitment was neither discussed nor covered under the settlement.

II. Service Increment:

Some workers Process Staff and Clerks have not been granted their annual increment so far. They are entitled to one service increment for 5 years completed service and two increments for 10 years of service and above.

(a) Clerks-Have been performing similar duties for years have been denied increments on the untenable ground of their service in the Company's artificial

The service period to be taken into account for service increment is based upon the work in the same category in which the workman was employed at the time of fitment.

Correct service increment have been given to each of the employees.

nomenclatures as 'A', 'B' and 'C' grade clerks. The service of the clerks should be taken for giving service increments and not their services in company's nomenclature 'A', 'B' and 'C'.

(b) *Process Staff*—Similarly several workmen of the Process Department have been denied service increments. Their nature of duties/trade such as Line Etcher and Half tone etcher being the same company had appended its nomenclature such as 'A' grade worker 'B' grade worker and 'C' grade worker.

(c) Shri Rattan Lal and Shri Puri were required by the management to perform the duties of both A.P.I. Operator and Junior Corrector. They have been denied service increments since their service as A.P.L. Operator only was taken into account. Their total service should be taken into account.

(d) Shri Shivaran Missir has been denied his service increment because he has been designated Headman though fitted in Group III (Factory).

Similarly Shri Swaroopa has been designated as Head Sweeper who draws less than sweepers under him.

(B) Efficiency Bar

E.B. should not be applied in the first year of the implementation of the Agreement. In Delhi Office the Two workmen, Mr. Anthony Jacob, Make up man Supervisor and Shri Bharat Ram of the process Department have been vindictively singled out for the denial of increments in 1971 on grounds of E.B.

The procedure should be adopted by the management for imposition of E.B. according to award, but the same has not been followed.

Mr. Jacob & Bharat Ram were considered for increment. Departmental reports showed they were not considered fit for taking on efficient duties in the higher scale. Even if it is held that the E.B. has been applied without observing the procedure no violation of the Agreement or the award can be alleged.

III. Linkage D.A.

The D.A. should be revised every year. In January, 1971 management paid dearness allowance of 10 points when the difference was 15 points and deprived workers benefit of rest 5 points.

D.A. is to be linked up with All India Average for Consumer Price Index Number for the working class for the year 1965 based on 1st of each year on the basis of previous 12 months average; if the average of any particular year differs by 10 points or more upward or downward of the previous year.

Average for	1965—166
	1966—184
	1967—209
	1968—215
	1969—213
	1970—224

The first revision took place in 1968. In 1969 index number rose by 6 points compared to 1967, therefore; no revision was necessary; in 1971 revision was given effect.

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 2973.—मैसरें सेशागाई पेपर एण्ड बोर्ड्स नि०, पल्लापालायम, कावेरी आर० एस० पी० थ्र० श्रीड, तमिलनाडु (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) वी धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अभियाय या प्रेमियम का मंदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियोग में सम्बन्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) अधीन उन्हें प्रदूषित हैं;

प्रतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसके उपांक अनुसूची में विनियिष्ट शर्तों के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन का, 1 अप्रैल, 1978 से 31 मार्च 1982 तक उक्त स्कीम के मध्ये उपवर्त्तों के प्रवर्तन से छूट देनी है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजा, ऐसे लेज्जा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर नियिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के अधीन नियिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत देखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रेमियम का सदाय लेखाओं का प्रत्यरूप, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले मध्ये व्ययों का वहां नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. यदि कोई वेसा कर्मचारी, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह कीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें मंशोधन किया जाए तब उस संग्रहण की एक प्रति ताता जन्मचारियों की बहुमंस्या की भाषा में उसकी मूल्य वाली का ग्रन्ती, स्वारंग के शूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई वेसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन घूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले में प्रवर्त्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज नहींगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संशल करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे वहाँ जाने हैं तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में मूल्यांकित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए मूल्य बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजीय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी वाल के छोटे हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दण में देय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के वित्तिक वारित/नामनिर्देशनी को प्रतिक्रिय के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बाबत रकम का सदाय करेगा।

8. मूल बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, नामनिर्देशन के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते की संभावना हो वहाँ, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना थूमिकोण स्पष्ट करने का युक्ति यूक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह घूट रद कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत नाशीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा स्थापन नियम नियत करें प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, और पालिनी को अपग्रद हो जाने द्वारा, घूट रद कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के सदाय, आदि में कोई अतिक्रम करता है तो, उस मूल मद्दतों के नाम निर्देशनियों या विधिक वारिसों के, जो वह घूट न दी जाने की वशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उन्नरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्देशनियों/विधिक वारिसों को बीमाहृत रकम का संवाद तपतरता से भीर प्रयोक दशा में भारतीय जीवन नियम से बीमाहृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर गुनिश्चित करेगा।

ज्ञानवास्तवक स्थापन

एस मामले में पूर्णांशा प्रभाव से घूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि घूट के लिए प्राप्त नावदम पत्र की कार्यवाई पर समय लगा। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपक्षी प्रभाव से घूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संज्ञा एम-35014/107/80-पी० एफ-II]

New Delhi, the 14th October, 1980

S.O. 2973.—Whereas Messrs Seshasayee Paper and Boards Limited, Pallipalayam Cauvery, RSPO, Erode, Tamil Nadu, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st April, 1978 and upto 31st March, 1982, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee, than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India already adopted by the establishment, or the benefits to the em-

ployees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014(107)/80-P.F. II.]

क्र.० शा० 2974.—मैमत दि भारत विजय मिल्स लिमिटेड, कलोल गुजरात (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का नमाख्यान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक आवधाय या प्रीमियम का नंदाय किए बिना ही भारतीय जीवन वीमा नियम की ममूल स्कीम के अधीन जीवन वीमा के रूप में कायदा उठ रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियोप से मन्दाय वीमा स्कीम 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उठे अनुयोग हैं;

ग्रन्त, घब्र, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रत्येक व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावद अनुसूची में विविष्ट गतों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 मार्च, 1980 से 28 फरवरी, 1982 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

ममूल

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रदेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियों भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निरिष्ट करेगा।

2. नियोजक, ऐसी निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की मामाणि से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा और केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) ने खण्ड (क) के अधीन निरिष्ट करेगा।

3. ममूल वीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लंबायों का रखा जाना, विवरणियों का प्रबन्ध किया जाना, वीमा प्रीमियम का, नंदाय लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का नंदाय भावि भी है, होने वाले भीषी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित ममूल वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की वहसंख्या की

पांच में उसकी मुख्य बातों का अनुकूल, स्थापन के मूलन-पद्ध पर प्रदायित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो नांच री नियोजक निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट पाने किया स्थापन में भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, ममूल वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्ष दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे वहाये जाने हैं तो, नियोजक, समूह वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध कायदों में ममूलित रूप से वृद्धि को जाने हा व्यवस्था करेगा जिसमें कर्मचारियों के लिए समूह वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. ममूल वीमा स्कीम में किसी बात को होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन लंदाय रकम उस रकम से कम है तो उम कर्मचारी की वीमा में देय छोड़ जब उक्त स्कीम के अधीन होता ता, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिम/नाम निर्देशांको को प्रतिवर्त के रूप में दोनों रकमों के मालिर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. ममूल वीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी नियम प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदित के बिना नहीं किया जा एगा और जब किसी मंशोद्धन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहुंचे की समावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुज्ञेय देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिक्षण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवधार देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारों भारतीय जीवन वीमा नियम की उम ममूल वीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहुंचे अपना जुका है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीत से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रख द कर दी जाएगी।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उम नियम तारिख के भीतर जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का नंदाय करने में अमर्फल रहता है, और पालिमी को अपवाह हो जाने दिया जाता है तो, छूट रख द कर दी जाएगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के सदाय आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मूल वस्त्यों के नाम निर्देशितयों या विधिक वारिमों के, जो वह छूट न दी जाने की वासा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा कायदों के संबंध का उत्तराधिकार नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हक्कदार नाम निर्देशितयों/विधिक वारिमों को बीमाहृत रकम का सदाय तत्पता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन नियम से बीमाहृत रकम प्राप्त जाने के सात दिन के भीतर सुनिष्टिकर करेगा।

व्यापारालयक आवाय

इस मामाणे में पूर्वपेशी प्रभाव से छूट देनी प्रावश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की फॉर्म ए पर समय लगा। तथापि यह प्रामाणित किया जाता है कि पूर्वपेशी प्रभाव से छूट देने में किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहेंगा।

[संख्या एम० 3501 ६/१०५/८०-पी०एफ२]

S.O. 2974.—Whereas Messers The Bharat Vijay Mills Limited, Kalol Gujarat (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-sec-

tion (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st March, 1980 and upto 28th February, 1982 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient feature, thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding any thing contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance

Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-35014(105)/80-PF. II]

का. ३० अगस्त २९७५ --मैसमें देवास टेक्स्टाइल मिल्स (प्राइवेट) नियमित देवास, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भारतीय निधि और प्रकारण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है की घारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन पूर्ण जाते के लिए आवेदन किया है।

ओर केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई प्रथम प्रधिनियम या प्रीमियम का सदाय किए जिता ही, भारतीय जीवन शीमा नियम की समूह शीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन व्यक्तियों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी नियोप से सम्बद्ध शीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रकारण कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुदीय हैं।

अब, अब, केंद्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की घारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपायान सम्मुच्ची में शिल्पविल भर्ती के अधीन रखते हुए उक्त प्रधिनियम को, 1 मई, 1978 से 30 अप्रैल, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रयोग से छुट करोगा है।

अनुसन्धान

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भवित्व निधि आवृक्त, सध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी भवित्वांत्रिक प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भाग की समाप्ति से 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त प्रधिनियम की घारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन निर्विळ करें।

3. समूह शीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, शीमा प्रीमियम का सदाय नेशनल बोर्ड द्वारा, निरीक्षण प्रभारी का सदाय भावि भी है, हीने आले भवी व्यक्ति का वहन नियोजक हारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह शीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की व्यापकता की भाषा में उसकी मुख्य बालों का अनुवात, स्थापन के सूचना-पृष्ठ पर प्रदर्शित करेगा।

6. यदि कोई देश कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के अधीन छृट रकम अपने स्वापन की भविष्य निधि का पहले से सबस्थ है, उक्त स्वापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, भूमूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

7. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कार्यवेक्षकों द्वारा जाते हैं तो, नियोजक, भूमूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कार्यवेक्षकों में समृच्छित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कार्यवेक्षकों से अधिक प्रत्यक्ष होंगे, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुबोध हैं।

8. समूह बीमा स्कीम में किसी जात के होने हुए भी, यदि किसी वर्द्धनार्थी के मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में देय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नामानिर्देशियों को प्रतिकूल के रूप में दोनों रकमों के अंतर के व्यवाहर रकम का संबंध रखेगा।

9. भूमूह बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुर्क, माय प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के द्वारा नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुर्क, अपना अमर्भोदय देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना बूटिकाण स्पष्ट करने का दृष्टिकृत अक्षय डेगा।

10. यदि किसी कारणवश, स्वापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस संग्रह बीमा स्कीम के, जिसे स्वापन पहले अपना छुका है अधीन, नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कार्यवेक्षकों द्वारा रकम से कम हो जाते हैं, तो यह छृट रकम करकी जाएगी।

11. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत नारंख के अंतर्गत जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संबंध करने से असफल रहता है, और पालिसी को व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो, यह छृट रकम दर्ता जाएगी।

12. उक्त स्वापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधिन आने वाले हिस्से संबस्थ भी मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियोजितयों/विविध वारिसों से भी मृत्यु रकम का स्वाधीन नियत से और प्रत्येक दशा में भास्तीय जीवन बीमा नियम से वामानुकूल रकम प्राप्त होने के साथ दिन के अंतर सुनिश्चित करेगा।

13. उक्त स्वापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधिन आने वाले हिस्से संबस्थ भी मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियोजितयों/विविध वारिसों से भी मृत्यु रकम का स्वाधीन नियत से और प्रत्येक दशा में भास्तीय जीवन बीमा नियम से वामानुकूल रकम प्राप्त होने के साथ दिन के अंतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वपिक्षी प्रभाव से छृट देनी आवश्यक हो गई है अपेक्षित छृट के लिये प्राप्त व्याख्यात्मक का कारंवाई पर समय लगा। तथांग, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिक्षी प्रभाव से छृट देन से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मं० एम०-३५०१४/९५/८०-पी०ए० २]

S.O. 2975.—Whereas Messrs Dewas Textiles Mills (Private) Limited, Dewas, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making

any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st May, 1978 and upto 30th April, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members, who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12 Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 15 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application or exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014(95)/80-PF. II]

कांस्ट्रॉ० 2976—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस निर्मला इस्टेट, पोस्ट बॉक्स नं. 31, सिद्धापुर, दक्षिण कुर्ग, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रौद्योगिक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग बरते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 मार्च 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम-35019/42/80-पी०एफ-2]

S.O. 2976.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nirmala state, Post Box No. 31, Siddapur, South Coorg, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1979.

[No. S. 35019(42)/80-PF. II]

कांस्ट्रॉ० 2977—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस हार्टल प्रेसर्ट, रैक स्टूट डैशरेशन नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रौद्योगिक कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा इस अधिकार का प्रयोग बरते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(41)/80-पी०एफ-2]

S.O. 2977.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Pratni, Bank Street, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1979.

[No. S. 35019(41)/80-PF. II]

कांस्ट्रॉ० 2978—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस एडवरटाइजिंग सर्विस (प्राइवेट) लिमिटेड, 42, व्हाइट्स रोड, मद्रास 14, जिसके अंतर्गत 6, ट्राफोर्ड हाउस, केस्ट्रोड रोड, फॉर्ट, बॉम्बे, स्थित उसकी घोषा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग बरते हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019/39/80-पी०एफ-2]

S.O. 2978.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Moulis Advertising Service (Private) Limited, 42, Whites Road, Madras-14 including its branch at 6, Traford House, Frescot Road, Fort, Bombay, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35019(39)/80-PF. II]

कांस्ट्रॉ० 2979—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस प्रेज एकोरेस स (प्राइवेट) लिमिटेड, 15, पुष्पा विहार नं. 3, ओपोसिट कोलाबा डॉक घाट के सामने, कोलाबा, मुम्बई 5, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रौद्योगिक कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग बरते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018/150/79-पी०एफ-2]

S.O. 2979.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs RKS Page Decorations (Private) Limited, 15, Puspha Vihar No. 3, 3rd Floor, Opposite Colaba Post Office, Colaba, Bombay-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1979.

[No. S. 35018(150)/79-PF. II]

कांस्ट्रॉ० 2980—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस चिक्केश्वारा फिल्म कोर्पोरेटिव लिमिटेड, पल्लुकम लिंग्डम-17, जिसके अंतर्गत कालीकट स्थित उनका प्रारंभिक कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रौद्योगिक कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर

सहमत न हो गई है कि कर्मचारी भवित्व तिधि और प्रक्रीय उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रत, इब, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपलब्धा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है;

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1979 को प्रदृष्ट हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(291)/79-दो. एफ-३]

S.O. 2980.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chithralekha Film Cooperative Limited, Akkulam, Trivandrum-17, including its Regional Office at Calicut have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1979.

[No. S. 35019(291)/79-PF. II]

का० आ० 2981.—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि देससं स्थील हस्तशिल्प केरल लिमिटेड (केरल सरकार का उपक्रम) "श्री हरि", टी० बी० नं० 9/1720, लिवेलम 10, जिसके मात्रातंत्र (1) दिल्लूर और (2) भेरथाले, स्थित उसकी शाखाएँ दो हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों द्वारा बहुमत्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भवित्व तिधि और प्रक्रीय उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अब, इब, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपलब्धा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1979 को प्रदृष्ट हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019/183/79-दो. एफ-२]

ए० दूनन, उप सचिव

S.O. 2981.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Steel Industries Kerala Limited (A Government of Kerala undertaking) "Sri Hari", T. C. No. 9/1720, Trivandrum-10 including its branches at (1) Trichur and (2) Sherthalay, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1979.

[No. F. 35019(183)/79-PF. II]

A. POONEN, Dy. Secy.

S.O. 2982.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1980.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 87 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of United Bank of India

AND

Their Workmen

APPARANCES :

On behalf of Employers.—Mr. Dipak Dey, Advocate.

On behalf of Workmen.—Mr. S. Sen Gupta, Secretary, Assam State Committee, United Bank of India Employees Association.

STATE : Assam

INDUSTRY : Banking.

AWARD

This reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 was referred to this Tribunal for adjudication by the Central Government vide Order No. L-12011/16/77-D.II.A dated 27/30th October, 1978. The dispute referred to in the Schedule to the Order of Reference reads :

"Whether the proposed action of the management of United Bank of India in discontinuing payment of Special house rent allowance to their workmen employed in North Eastern Region including Assam w.e.f. 1-11-1976 is legal and justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?"

2. When the matter is taken up, I find joint petition of compromise filed by both the parties, namely the management of United Bank of India and Assam State Committee of United Bank of India Employees Association, Gauhati. I have heard the parties and I have gone through the contents of the petition as well as Annexures thereto of which Annexure "A" is a copy of memorandum of settlement dated 21st April, 1980 between the Indian Banks Association and All India Bank Employees Association and National Confederation of Bank Employees. The petition is signed by the Secretary of the State Committee of the Union and also by the constituted attorney, namely the Assistant General Manager, Personnel Department for and on behalf of United Bank of India. It is prayed by both the parties that an award may be passed in terms of the relevant portion of the Annexure "A" particularly in terms of Assam allowance mentioned in the said Annexure "A", the memorandum of settlement dated 21st April, 1980. It is stated that the workmen according to the terms of compromise are entitled to the allowance as mentioned under the heading "Assam Allowance".

3. As prayed for, the parties will get an award and the petition of compromise with Annexure "A" alone attached thereto shall form part of the award. It appears that Annexure B to the petition contains the same terms regarding Assam allowance. Therefore it is needless to mention Annexure B in the award. Mr. Sengupta for the Union and Mr. Dipak Dey, learned Advocate for the Bank also submit that Annexure "B" to the petition need not be made part of the award.

4. I find that the Secretary, Mr. Sen Gupta has signed on behalf of the Union and his presence today is essential. Therefore I direct that the Bank shall allow special leave to Mr. Sen Gupta with pay for attending this tribunal today. I understand that he will be staying here for to-morrow in connexion with other matters and therefore the question of leave for return journey does not arise in my view.

Thus I pass the award.

Dated, Calcutta,

The 23rd September, 1980.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 87 of 1978

Employers in relation to the Management of United Bank of India

Vs.

their workmen

The humble joint petition of the Management and Union, the petitioners above named—

Most respectfully sheweth—

1. Your petitioners state and contend that the hearing of the above matter was held at Gauhati on September 10, 1979.

2. Your petitioners further state and contend that the dispute with regard to the Assam Allowance has been amicably settled by and between the Indian Banks Association, representing the Management and All India Banks Employees Association, the National Confederation of the Banks Employees and Indian National Bank Employees Congress representing the Workmen outside the Tribunal.

3. The terms and conditions of the said settlement are recorded in the Memorandum of Settlements dated April 21, 1980 and 15-7-1980. Your petitioner crave leave to refer to the said original Memorandum of Settlements at the time of hearing of this application, if necessary.

4. Your petitioners submit that an Award should be passed disposing of the reference pending before the Learned Tribunal on the Terms and conditions recorded in the said Memorandum of Settlements. A copy each of the said Memorandum of Settlements are annexed hereto and marked with the letter 'A' & 'B'.

5. Your petitioners further state and submit that an award be passed in accordance with the Memorandum of Settlements.

Your petitioners, therefore, humbly pray your Honour for an order that—

- (a) An order be made awarding the term of settlements made by and between the parties as recorded in annexures 'A' & 'B' to the petition.
- (b) Such further or other orders be made and or directions be given as your Honour may deem fit and proper;

And for this act of kindness your petitioners as in duty bound shall ever pray.

ANNEXURE 'A'

Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980 between India Banks Association and All India Bank Employees' Association and National Confederation of Bank Employees

Name of the parties:—58 Banks.

Representing the Employers :

1. Shri K. Venkatachari
2. Shri N. Vaghul.

On behalf of the India Bank Association.
Representing the Workmen :

1. Shri D. P. Chadha.
2. Shri K. K. Mandul
3. Shri Prabhat Kar.
4. Shri Tarakeswar Chakraborti
5. Shri N. Sampath

On behalf of All India Bank Employees' Association.

1. Shri D. P. Gupta.
2. Shri C. L Rajaratnam.
3. Shri C. R. Chandrasekaran..
4. Shri N C Choudhury

On behalf of National Confederation of Bank Employees.

Preamble :

Whereas the Goa Allowance and Assam Allowances paid/ payable to the workmen were under discussion between the parties during the Bipartite negotiations.

And whereas there are cases also pending before Tribunals in respect of these allowances.

It is now agreed by and between the parties as under:—

(1) **Goa Allowances :**

- (a) Till 31-8-1978 Goa allowance will be payable to all employees in all banks which were paying Goa Allowance at the rates obtaining in the respective Banks.
- (b) From 1-9-1978—
 - (i) CCA would be payable in the urban agglomeration of Panaji and Margao.
 - (ii) HRA will be payable in accordance with Bipartite Settlement at the places in Goa eligible for the same.
 - (iii) In respect of employees covered by (a) above and who continue to be in Goa as on the date of this Settlement, if the aggregate of the HRA and CCA falls short of the Goa Allowance payable to them, such shortfall will be continued to be paid to them from time to time as Goa Allowance

Assam Allowance :

- (a) All employees who were working prior to 31-3-1980 in the Banks where Assam Allowance (by any name) was being paid, the Assam Allowance will be paid till 31-3-1980 at the respective rates.
- (b) From 1-4-1980 those employees will continue to draw the allowance at the same rates.
- (c) In all other cases, in all Banks, the allowance will be paid at a flat rate of Rs. 10 from 1-4-1980.
- (d) It is understood that Assam Allowance shall be paid as per clauses (a), (b) & (c) above in other States, viz. Manipur, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Arunachal Pradesh & Mizoram where the said allowance (by any name) was being paid till special area Allowances payable in these areas settled in respect of workmen in these areas.

In respect of the proceedings now pending before Tribunals in respect of 'Goa Allowance' and 'Assam Allowance' this agreement will be submitted to the respective Tribunals with the request for a 'Consent Award' on these terms.

[No. L-12011/61/77.D.II.A]

For Indian Banks' Association

K. VENKATACHARI, N. VAGHUL

S.O. 2983.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank, Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 5 of 1978

In re :

The Secretary, Rajasthan (State) Bank Workers Organisation, Dev Bhavan, Near Public Park, Udaipur, Jodhpur.

—Petitioner

Versus

The Chairman, Vijaya Bank Ltd., No. 2, Residency Road, Bangalore

—Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/118/77-D.II.A dated the 28th December, 1977 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

"Whether the action of the management of Vijaya Bank Ltd. Bangalore in terminating the services of Shri

S. N. Sharma, Clerk of Jodhpur Branch of the Bank with effect from 12-4-1977 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties. In pursuance whereof a statement of claim was filed by the workman side. A written statement was later filed by the Bank and finally a replication was also got filed. Following two issues were framed vide my order dated the 25th October, 1979 :

1. Whether any demand was raised. If not, its effect?
2. As in order of reference.

3. After the workman had filed the affidavits talks for compromise started between the parties and ultimately the matter has been settled between the parties vide settlement Ex. S/1. Thereafter statement of Shri C. L. Bhardwaj and Shri Jagat Arora, the representatives of the workman and Bank respectively were recorded which reads as under :

'The parties have settled the dispute vide S/1, read with Annexure A & B. An award in terms of settlement S/1 be made leaving the parties to bear costs.'

4. In pursuance of the statements recorded above dispute stands settled amicably and accordingly an award in accordance with the settlement S/1 read with Annexure A & B is hereby made S/1 & annexure would form part of award. The parties would bear their own costs.

Further Ordered :

Requisite number of copies of this award with copies of S/1 & Annexure may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 22nd September, 1980.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

FORM 'H'

(See Rule 58)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

NAME OF THE PARTIES :

1. Representing Employers—Mr. P. K. Handa, Regional Manager, Vijaya Bank, New Delhi.
2. Representing Workmen.—Mr. C. L. Bhardwaj & Mr. S. N. Sharma, Workman in person.

SHORT RECITAL OF THE CASE

I. Mr. S. N. Sharma was appointed on probation with effect from 12-10-1976 in the service of the Bank vide letter dated 13-10-1976 as a Probationer. His services and performance was not upto the mark and he was not found suitable for absorption in the Bank's service. As such, his services were rightly and legally terminated on 11-4-1977. Subsequently, the order of termination of service of Shri S. N. Sharma was referred by the Central Government to the Central Government Industrial Tribunal presided over by Shri Mahesh Chandra for adjudication.

II. That it is the contention of the management that the non-confirmation of Shri S. N. Sharma in the Bank's service was perfectly in order and in accordance with the Bank's award and his contract of employment was terminated after having assessed his suitability for the job.

III. That Shri S. N. Sharma made an application dated June 5, 1980, which is annexed as Annexure 'A' requesting the management that he was prepared to withdraw the above said case provided he is given a fresh appointment as a clerk in any branch and further agreed that he is prepared to tender an unconditional apology for all his past acts against the Bank.

That in view of the same, a settlement has been arrived at between the parties which is without prejudice to the various contention as raised by the management in their written statement :—

TERMS OF SETTLEMENT :

1. That this settlement is in full and final settlement of all his claims including his claim for back wages.

retrenchment compensation, gratuity, provident fund, leave salary, bonus or any other benefits of whatsoever nature.

2. That Shri S. N. Sharma has tendered an unconditional apology for all his lapses in the past, vide his letter which is annexed as Annexure 'B' to this settlement.
3. That it has been agreed to by the Bank that within two months from the Publication of the award, the management will appoint him afresh as a Probationary Clerk and the appointment letter appointing him on probation for a period of six months will be issued.
4. It has also been agreed to by Shri S. N. Sharma that he may be posted in any branch or office of the Bank where the Bank has a vacancy.

This settlement is signed at Delhi, this 22nd Day of September, 1980.

Signature of the parties :

C. L. Bhardwaj

For & on behalf of workman

For & on behalf of the Employers/Management.
For VIJAYA BANK
Sd/-
Illegible
Regional Manager,
New Delhi.

Dated : the 22nd September, 1980

WITNESS :

1. S. RAMANNA, Vijaya Bank, Regional Office, New Delhi.
2. S. N. SHARMA, Vyas Sadan Vijayachowk Jodhpur (Rajasthan).

The Personnel Manager,
Personnel Deptt.
Vijaya Bank,
H. O. Bangalore.

Dear Sir,

You may kindly refer to the industrial dispute before the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, regarding my termination on 11-4-1977 from the services of the Bank.

In the above connection, I am prepared to withdraw the above said case, provided I am given a fresh appointment as a clerk, not necessarily in Jodhpur branch. If this proposal is acceptable, I shall be prepared to tender an unconditional apology for all my past acts against the Bank.

Kindly let me know your decision in the matter, at your earliest.

Thanking you,

Your faithfully,
(S. N. SHARMA)
Vyas Sadan,
Vijaya Chowk,
Jodhpur (Rajasthan)

New Delhi
June 5, 1980.

ANNEXURE 'B'

The Regional Manager/Personnel Manager,
Vijaya Bank,
Kasturba Gandhi Marg/
New Delhi/H.O./Bangalore.
Dear Sir.

Reg : I. D. No. L-12012/118/77-D II-A/5/77 between the management of Vijaya Bank and its workmen relating to termination of my service.

With reference to the above I have to submit that my services were terminated on 11-4-77. I agitated against my termination and the dispute was referred for adjudication to the Hon'ble Presiding Officer, Central Govt. Industrial Tribunal, New Delhi.

M, services were terminated on the ground that my behaviour with my colleagues and customers was not proper. As regards my work there was no complaint at all. As far as I feel I never gave any chance of complaint about my behaviour with my colleagues and customers and as such there appears to be some misunderstanding on this score. However, if the authorities feel that my behaviour with the staff and customer was not proper I feel sorry for that in case I am taken back in Bank services.

I am ready to be posted as a Probationer as fresh entrant to be confirmed as per rules after six months. For my this apology I request that I be given employment with immediate effect.

September 22, 1980

Yours faithfully,

S. N SHARMA, Yyas Sadan, Vijaya Chowk, Jodhpur
[No L-12012/118/77-D II A]

S.O. 2984.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Grindlays Bank Limited, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

ID. No 23 of 1980

The Assistant Secretary,

National & Grindlays Bank Employees Union,
N-Block, Connaught Circus, New Delhi.

Petitioner

Versus

The Manager, Northern India Office of the
General Manager, Northern India,
Grindlays Bank Ltd., Connaught Circus.

New Delhi

Respondent

AWARD

The Central Govt as appropriate Govt referred an Industrial Dispute u/s 10 of the ID Act, 1947 vide its order L-12012/140/78-D-II A dated the 23rd April, 1980 in the following terms :

"Whether the action of the Management of the Grindlays Bank Limited Connaught Circus, New Delhi in calling upon Shri Mohan Lal, Jamadar to operate Cyclostylling Machine in the office of the General Manager of the Bank at Connaught Circus, New Delhi is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?"

2 On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties. Whereupon parties representatives appeared and requested that parties may be given sometime to enable them to compromise and in course of time the matter was compromised between the parties and the said compromise was filed which is Ex S/1. The statement of parties representatives was recorded on 4th of September, 1980 which reads as follows :

'Parties have settled vide S/1. A no dispute award be made.'

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in this reference leaving the parties to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt for necessary action at their end

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No L-12012/140/78-D II A]

Dated the 19th September, 1980.

S.O. 2985—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dis-

pute between the employers in relation to the management of Central Bank of India, Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

ID. No 18 of 1980

In re

The General Secretary,
Rajasthan Bank Employees' Union,
Parvana Bhavan, Madho Bagh,

Jodhpur

.. Petitioner

Versus

The Divisional Manager,
Central Bank of India, Divisional Office,
Sansar Chandra Road,
Jaipur (Rajasthan).

Respondent

AWARD

The Central Govt, as appropriate Govt, referred an Industrial Dispute to this Tribunal vide its order No. L-12012/132/79-D, II(A) dated the 10th April, 1980 u/s 10 in the following terms,

'Whether the action of the management of the Central Bank of India, Jaipur in withholding two increments of Shri Kushal Singh, Armed Guard at Bikaner Branch of the Bank with cumulative effect by way of punishment as per Appellate Authority's order dated August 17, 1978 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and in pursuance whereof a statement of claim was filed. None appeared for the workman while Shri B. N. Kak appeared for the Management. In so far as none had been appearing for the workman ex parte proceedings were ordered against the workman side and the Management was directed to file a statement of claim. A statement of claim was in fact filed. From the perusal whereof following one issue was framed

As in the order of reference.

3. The case was then adjourned for evidence of the Bank. The evidence of the Bank has been recorded which consists of M-1, Presenting Officer on behalf of the Bank before the Enquiry Officer and the statement of Shri B. N. Kak. The enquiry proceedings and the various orders have been filed, in consequence thereof has also been filed as Annexure R-1 with the affidavit. From the perusal of statement of claim filed on behalf of the Bank I find that the contention of the Bank is that the alleged punishment of withholding to increments of Shri Khushal Singh, Armed Guard at Bikaner Branch of the Bank with cumulative effect was passed as a result of an enquiry held into the charges levelled against the workman. From the perusal of the enquiry proceedings and various orders filed as Annexure R-1 I find that the contention of the Bank substantiated by the enquiry proceedings and various other orders passed in pursuance thereof. The claim of the Management is supported by M-1 and after perusal of the enquiry proceedings and other documents I find that the enquiry in any manner was vitiated. The enquiry was held in provisions of the law laid down by various courts in this behalf. From the perusal of enquiry proceedings I do not find that the workman was not afforded full opportunity to present his case. The enquiry proceedings even do not remotely suggest that the Enquiry Officer has mis-directed himself or the enquiry or that he has unduly favoured the Management. There is absolutely nothing which goes to show that the enquiry is liable to be set aside. That being the position I do not think that the workman is entitled to any relief in this reference.

4. It may also be mentioned here that the conclusion arrived at by the Enquiry Officer are not capably wrong and are based upon the evidence led before the Enquiry Officer. The punishment also is not too harsh keeping in view the charges levelled against the workman. For my discussions and findings above, it is awarded that the action of the

Management of the Central Bank of India Jaipur in withholding two increments of Shri Kushal Singh, Armed Guard at Bikancer Branch of the Bank with cumulative effect by way of punishment as per appellate authority's orders is justified and that the workman is not entitled to any relief. Parties are however left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

Dated : the 27th August, 1980.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-12012/132/79.D.II.A]

S.O. 2986.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India, Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st October, 1980.

BEFORE SHRI A.G. QURESHI, M.A.L.L.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/I.C(R)(17)/1979

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Reserve Bank of India, Nagpur and their workmen represented through the Chief Secretary, Reserve Bank Workers' Union C/o Reserve Bank of India Office, Nagpur-440001.

APPEARANCES:

For Union ...Shri G.C. Deshpande, Chief Secretary.

For Bank ...Shri G.G. Modak, Advocate.

INDUSTRY : Bank ...DISTRICT : Nagpur (M.P.)

AWARD

Dated September 20, 1980

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred by Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Order No. L-12011/102/78.D.II.A Dated 5th July, 1979:—

"Whether the action of the management in not paying pay and allowances for periods ranging from 15 to 30 minutes to the workers shown in the annexure, on the alleged ground of their not attending to their work on 18-2-1978 for the said periods is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

ANNEXURE

Sl. No.	Name	Designation
1	2	3
1.	Shri G.G. Deshpande	Daftary
2.	Shri V.B. Gadway	"
3.	Shri P.D. Pande	"
4.	Shri B.L. Wagh	Record Clerk
5.	Shri Y.B. Mohite	Peon
6.	Shri P.O. Kalu	"
7.	Shri B.H. Kame	"
8.	Shri S.S. Tonpe	"
9.	Shri N.G. Choube	"

1	2	3
10.	Shri N.K. Persedk	Peon
11.	Shri R.P. Hiwase	"
12.	Shri D.N. Ukey	Peon (Temp.)
13.	Shri Pritam Singh	Peon
14.	Shri S.S. Hete	Peon (Temp.)
15.	Shri D.B. Pendan	Liftman
16.	Shri D.K. Chitarkar	Durwan
17.	Shri B.J. Gawande	Mazdoor
18.	Shri S.V. Thul	"
19.	Shri Dharampal Yadva	"
20.	Shri J.H. Hir	Mazdoor (Temp.)
21.	Shri Danial Methes	Peon
22.	Shri B.H. Daf	Peon

2. The case of the Union is that on 18th February 1978 about 200 Class IV employees working in the Reserve Bank of India Nagpur, who are the members of the Union met the Manager in connection with certain important issues. As the Manager had refused to meet the Chief Secretary of the Union and the other office bearers of the Union on 17th February 1978, the deputation on 18-2-1978 consisted of 200 members. The deputation met the Manager at the start of the office. The Manager assured the deputation of his best cooperation. Thereafter within few minutes all the workmen went back to their respective desks. As a result of the assurance by the Manager the members ensured that no dislocation of work was to be caused and the work of the entire bank was carried out with utmost normalcy and without any hindrance. As the matter was resolved amicably there was no reason to allow the matter to be precipitated any further. Still the management issued an order deducting the wages of 22 employees for 15 minutes on proportionate basis. Actually 200 employees had joined the deputation still the management isolated only 22 workmen for wage cut.

It has further been averred that normal office hours start at 10.15 a.m. and banking hours from 10.30 a.m. The deputation met the Manager at 10 a.m. and the negotiations had concluded within a few minutes. No work was dislocated and banking work started as usual at 10.30 a.m. As the management had entertained the deputation it was unreasonable to deduct the wages for the period when the deputation met the Manager. The deputation was peaceful and disciplined; no objectionable slogans were raised by any of the deputationists.

3. The management resisted the claim of the workmen on the grounds that according to the practice, the Manager of each office holds regular conciliation meetings with the office bearers of the Union, with a view to sort out all local issues. Whenever the office bearers of the Union desire to discuss any matter with the Manager, they are required to do so with prior appointment, unless the matter requires immediate attention. But no prior intimation was given by the Union office bearers for meeting the Manager on 17th February 1978. Had the Chief Secretary of the Union given prior notice, the Manager would have adjusted his work and spared sometime for discussion with the Chief Secretary and the other office bearers. But as the Chief Secretary wanted to meet the Manager without any prior intimation, the Manager being preoccupied with some other, he could not meet the Chief Secretary. It is not the practice that any number of workmen may come and meet the Manager. On 18th February 1978, about 70 employees of the Bank resorted to mass demonstration during office hours suspending their normal duties. The call for mass demonstration was already issued on 16th February, 1978 and as a result of the call the workmen staged a mass demonstration during office hours after signing in the muster of attendance to voice their grievances. The workmen were addressed by the Chief Secretary of the Union for about 15 minutes and the employees then dispersed and went to their respective departments. They also shouted slogans against the bank management and against one of the officers of the Bank by name. The mass deputation commenced at 10 a.m. and

continued till 10.30 a.m. Although 70 employees did in fact participate in the mass demonstration, the wage deduction could be made only in respect of 22 employees, who could be identified and about whom the reports were received that they were absent from duties for the period of demonstration. The demands of the Union were already heard and the Personnel Officer of the Bank on the evening previous to the mass demonstration, had informed the Union representatives that arrangements have already been finalised for appointment of 24 daily wage mazdoors. Therefore, the mass deputation of Union on 18-2-1978 was totally unwarranted.

4. The Bank denied all the allegations made by the Union in its statement of claim and has further averred that the abstention from work amounts to a strike and the strike was an illegal strike as it was commenced in contravention of Sec. 22 of the Industrial Disputes Act. Therefore the management was justified in deducting the wages of the Class IV staff whose duties commence at 10 a.m. except the Daffaries; Gestetner Operators, Record Clerks and P.D.O. Press employees who are also Class IV staff and who attend office at 10.15 a.m. The management also raised certain legal objections to the competency of this reference but the legal objections were not pressed at the time of arguments by the management.

5. The parties have not led any evidence in support of their respective claims. The Union even did not send a rejoinder denying the allegations made by the management. Inspite of intimation of the dates of hearing the Union remained absent on the dates fixed for filing of the documents, evidence and arguments.

6. The management has denied the allegations made by the Union but the Union has not cared to deny any of the allegations made by the management by filing the rejoinder. The Union did not care to appear before the Tribunal to rebut the allegations by filing any documents or leading any evidence. As such although the allegations made by the Union have been denied by the management, the allegations of the management remain undenied and thus unchallenged. In view of the fact, that the Union has not denied the allegations made by the management the management was not required to prove its allegations because the facts which are not disputed need not be proved. According to the management, there was no practice of staging a mass demonstration or taking a mass deputation during the office hours. The office hours of Class IV employees commence at 10 a.m. and of some other Class IV employees at 10.15 a.m. The workmen entered the office building, signed the attendance muster and then instead of working in the office, staged a demonstration and the slogans were shouted against the management and against a particular officer by name.

7. From the above undenied allegations of the Bank it is proved that the members of the Union including the concerned 22 workmen joined the mass demonstration during the office hours and that in the demonstration slogans were shouted against the management. It is also proved that the demonstration was staged as a result of a call from the union on 16-2-1978. As such, there was cessation of work and it was by a body of workmen acting in combination. Therefore, the action of the workmen is clearly a "strike" as defined in Sec. 2(q) of the Industrial Disputes Act, 1947. It has come on record that the Personnel Officer of the Reserve Bank of India Nagpur had already informed the Union that their demands were considered and being dealt with sympathetically. Therefore, there was no justification in staging a demonstration or making a joint deputation during office hours. The Union has tried to justify its action on the allegations that one day earlier to the mass deputation, the Manager had refused to meet the office bearers of the Union. But in this respect the management has averred that as the office bearers wanted to meet without any prior appointment and as the Manager was busy with some other urgent work, he could not meet them. Therefore, only this reason cannot justify the mass deputation. Further, the notice for mass deputation was issued on 16th February by the Union, which clearly shows that refusal by the Manager of the Bank to meet the office bearers of the Union on 17th February was not the main cause for staging a mass demonstration. Hence I find no justification in the cessation of work by the workmen during office hours, which amounted to a strike. The workmen cannot be held to be justified

in using the weapon of strike, without exhausting the reasonable avenues for a peaceful achievement of their objectives. The strike was not peaceful and the slogans were raised in the office building against the management and against a particular officer by name.

The management was therefore justified in deducting the wages of the workmen for the strike period, as the strike was not provoked by any high handed action of the employer and was thus not a justified strike. If the workmen instead of resorting to the conciliatory methods used the weapon of the strike without any provocation by the management to press their demands then the management cannot be held responsible for the loss of wages of the strike period. I am fortified in my view by the judgment of the Supreme Court in Candra-malai Estate, Ernakulam Vs. Its workmen and another (1960-II-LJ p. 243).

8. It has further been averred by the workmen union that 200 workmen had participated in the strike, whereas only 22 workmen were sorted out for deduction of wages. On this point, the management has clearly averred that the management could identify and locate only 22 workmen out of about 70 workmen who participated in the strike. Therefore the wages of only 22 workmen could be deducted. The Union has not shown that the management has isolated these 22 workmen with some ulterior motive and has favoured the other workmen who participated in the strike. The action of the management therefore cannot be held to be discriminatory also.

9. In the result, I hold that the action of the management of Reserve Bank of India Nagpur Branch in not paying the pay and allowances to the 22 workmen shown in the annexure is justified. The workmen are, therefore, not entitled to any relief. Parties shall bear their own costs as incurred.

A. G. QURESHI, Presiding Officer,
[No. L-12011/102/78-D.II.A]

S.O. 2987.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th October, 1980.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 88 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Punjab National Bank.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Mr. Dipak Dey, Advocate.

On behalf of Workmen.—Mr. P. K. Biswas, General Secretary, Punjab National Bank Shramik Union.

STATE : Assam

INDUSTRY : Banking

AWARD

This reference under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has been referred to this Tribunal for adjudication by the Government of India by Order No. L-12011/57/77-D.II.A dated 27/30th October, 1978. The dispute referred for adjudication reads :

"Whether the proposed action of the management of Punjab National Bank in discontinuing payment of House rent allowance to their employees employed in North Eastern Sector including Assam w.e.f. 5-11-1976 is legal and justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

2. In this case both the parties, namely the employers in relation to the management of Punjab National Bank and its workmen represented by Punjab National Bank

Shramik Union have filed a joint petition of compromise praying for an award in terms of settlement appearing in Annexure 'A' & 'B' to the petition. Annexure 'A' is a Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980 between the Indian Banks Association on the one hand and All India Bank Employees Association and National Confederation of Bank Employees on the other. Annexure 'B' is a Memorandum of Settlement dated 15th July, 1980 between the Indian Banks Association on the one hand and Indian National Bank Employees Congress on the other. Both the Annexures contain terms including the term for Assam allowance. In the present case we are concerned with Assam allowance which according to the terms between the parties the workmen are entitled to.

3. I have heard Mr. P. K. Biswas, General Secretary of Punjab National Bank Shramik Union and Mr. Dipak Dey, Advocate appearing on behalf of the Bank. It is submitted by both the parties before me that if an award be passed on the basis of the terms in respect of Assam allowance mentioned in Annexure 'A' it will be sufficient and the parties will be satisfied. The terms appearing in Annexure 'B' are the same as I find in Annexure 'A' in respect of Assam allowance.

4. In the circumstances, I find that the settlement is reasonable and legal and as prayed for by the parties I pass an award in terms of the petition of compromise with reference to the term in respect of Assam allowance appearing in Annexure 'A'. The joint petition of compromise and Annexure 'A' shall form part of this award.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer.

Dated, Calcutta,

The 29th September, 1980.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 88 of 1978

Employers in relation to the Management of Punjab National Bank.

Vs.

Its Workmen.

The humble joint petition of the Management and Union, the petitioners abovenamed.
Most respectfully sheweth—

1. Your petitioners state and contend that the hearing of the above matter was held at Gauhati on September 10, 1979.

2. Your petitioners further state and contend that the dispute with regard to the Assam Allowance has been amicably settled by and between the Indian Banks Association, representing the Management and All India Banks Employees Association, the National Confederation of the Banks Employees, and Indian National Bank Employees Congress representing the workmen outside the Tribunal.

3. The terms and conditions of the said settlement are recorded in the Memorandum of Settlements dated April 21, 1980 and 15-7-1980. Your petitioners crave leave to refer to the said original Memorandum of Settlements at the time of hearing of this application, if necessary.

4. Your petitioners submit that an Award should be passed disposing of the reference pending before the Learned Tribunal on the terms and conditions recorded in the said Memorandum of Settlements. A copy of the Memorandum of Settlement are annexed hereto and marked with the latter 'A' and 'B'.

5. Your petitioners further state and submit that an award be passed in accordance with the Memorandum of Settlements.

Your petitioners, therefore, humbly pray your Honour for an order that—

- (a) An order be made awarding the terms of settlements made by and between the parties as recorded in annexure 'A' & 'B' to the petition.
- (b) Such further or other orders be made and or directions to be given as your Honour may deem fit and proper.

And for this act of kindness your petitioners as in duty bound shall ever pray.

ANNEXURE 'A'

Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980 between Indian Banks Association and All India Bank Employees' Association and National Confederation of Bank Employees

Name of the parties :

58 Banks.

Representing the Employers :

- 1. Shri K. Venkatachari.
- 2. Shri N. Vaghul.

On behalf of the Indian Banks Association.
Representing the Workmen :

- 1. Shri D. P. Chadha.
- 2. Shri K. K. Mandul.
- 3. Shri Prabhat Kar.
- 4. Shri Tarakeswar Charabort.
- 5. Shri N. Sampath.

On behalf of All India Bank Employees' Association.

- 1. Shri O. P. Gupta.
- 2. Shri C. L. Rajaratnam.
- 3. Shri C. R. Chandrasekaran.
- 4. Shri N. C. Choudhury.

On behalf of National Confederation of Bank Employees.
Preamble :

Whereas the Goa Allowance and Assam Allowances paid payable to the workmen were under discussion between the parties during the Bipartite negotiations.

And whereas there are cases also pending before Tribunals in respect of these allowances.

It is now agreed by and between the parties as under :—

(1) Goa Allowance :

(a) Till 31-8-1978 Goa Allowance will be payable to all employees in all banks which were paying Goa Allowance at the rates obtaining in the respective Banks.

(b) From 1-9-1978—

(i) CCA would be payable in the urban agglomeration of Panaji and Marmugao.

(ii) HRA will be payable in accordance with Bipartite Settlement at the places in Goa eligible for the same.

(iii) In respect of employees covered by (a) above and who continue to be in Goa as on the date of this Settlement, if the aggregate of the HRA and CCA falls short of the Goa Allowance payable to them, such shortfall will be continued to be paid to them for time to time as Goa Allowance.

(2) Assam Allowance :

(a) All employees who were working prior to 31-3-1980 in the Banks where Assam Allowance (by any name) was being paid, the Assam Allowance will be paid till 31-3-1980 at the respective rates.

(b) From 1-4-1980 those employees will continue to draw the allowance at the same rates.

(c) In all other cases, in all banks, the allowance will be paid at a flat rate of Rs. 10/- from 1-4-1980

(d) It is understood that Assam Allowance shall be paid as per clauses (a), (b) & (c) above in other states,

viz. Manipur, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Arunachal Pradesh & Mizoram where the said allowance (by any name) was being paid till special area Allowances payable in these areas.

In respect of the proceedings now pending before Tribunals in respect of 'Goa Allowance' and 'Assam Allowance', this agreement will be submitted to the respective Tribunals with the request for a 'Constant Award' on these terms.

FOR INDIAN BANKS' ASSOCIATION

Sd/-
K. Venkatecheri
Sd/-
N. Vaghul

FOR ALL INDIA BANK EMPLOYEES ASSOCIATION

Sd/-
D.P. Chadha
Sd/-

Tarakeswar Chakraborty

FOR NATIONAL CONFEDERATION OF BANK EMPLOYEES

Sd/-
C.L. Rajaratnam
Sd/-

C.R. Chandrasekaran

Witness :

- Sd/-
1. M. Ram Mohan Rao
Sd/-
2. N. Sampath
Sd/-
3. R. Sivagyanam

Date : April 21, 1980

Place : Madras

Copy to :

1. Conciliation Officer (Central), Madras.
2. Regional Labour Commissioner (Central), Madras.
3. Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.
4. The Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi.

[No. L-12011/57/77-D.IIA]
S. H. S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 14th October, 1980

S.O. 2988.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kuju Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Kuju, District Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th October, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Reference No. 77 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES : Employers in relation to the management of Kuju colliery of Messrs Central Coalfields Limited, Post Office Kuju, District Hazaribagh

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers : Shri T. P. Choudhury, Advocate.

On behalf of the workmen : Shri B. Joshi Advocate.

State : Bihar Industry : Coal.

Dhanbad, 30th September, 1980

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its notification No. L-20012/217A/76-

DIIA dated 3rd September, 1977 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following points :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kuju colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Kuju, District Hazaribagh, in stopping Sri Lala Satyanarayan Prasad, Sinha, Munshi-cum-attendance clerk, from work with effect from 11th May, 1973, is justified. If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The case of the concerned workman, Shri Lala Satyanarayan Sinha is that he was appointed in Kuju Colliery as Munshi-cum-attendance clerk on 18-2-72 at incline No. 6C and quarry No. 6C. The colliery then was worked by a contractor Shri J. K. Sayal under the owner Shri Jiwan Lal Sunda. The management of this colliery was taken over by the Central Government w.e.f. 31-1-1973. The same contractor continued to operate the mine till 31-3-73 whereafter it was departmentally operated. All the persons employed in the different mine under the contractor were allowed to continue in the employment and became the employee of the Government company w.e.f. 1-3-73 and were paid monthly wages from 1-3-73. From 1-5-73 nationalisation came and the right, title and interest of the previous owners of the colliery vested in the National Coal Development Corporation Ltd. which was subsequently designated as M/s. Central Coalfields Ltd. The case of the concerned workman is that he continued in the employment under the Government company after abolition of the contract system, and even after nationalisation. According to him although he was employed in the year 1972, his service was confirmed with effect from 11-1-73 and his name was duly entered in the form B register. His attendance was marked in the Form C and D registers and his salary was paid on form Y register. His case is that all of a sudden the management stopped the concerned workman from duty w.e.f. 11-5-73 without assigning any reason. When he approached the manager of the colliery he was informed that he was considered to be a inductee by the screening committee although the manager had forwarded his name in the list of the genuine workers of the colliery. He was also informed that some political decision was followed by the screening committee at the instance of the union representatives. The concerned workman realised that the union representatives did not help him because he was unable to pay to the union funds the demand of money made by the union leader. He therefore approached the Assistant Labour Commissioner (C) Hazaribagh and raised an industrial dispute before him. According to him the management representative agreed before the conciliation Officer (C) to consider the case of the concerned workman in order to reinstate him in the job and got the proceeding stayed. But sometime after it was realised that the management was simply avoiding the issue and was unnecessarily protracting the conciliation proceeding on one pretext or another. The Assistant Labour Commissioner (C) therefore submitted a failure report to the Ministry of Labour, Government of India as a result of which this reference has been made.

3. The case of the management is that Kuju colliery, a noncoking coal mine was taken over by the Central Government under the ordinance on 31-1-73. The Central Government constituted an authority known as Coal Mines Authority which became the Custodian of the taken over non-coking coal mines. Later on Government company named as Coal Mines Authority was incorporated and on further re-organisation, M/s. N.C.D.C. Ltd. now known as Central Coalfields Limited came in the management of Kuju colliery. Kuju colliery was being worked by the owners mostly through the contractors. While some records were available about the employees appointed directly by the ex-owners, there was no record maintained by the contractor. Since hundreds of persons were claiming to be employed in the mine, the management was compelled to allow every one to work till the screening was done by the Government company. Accordingly Shri Sinha, the concerned workman was allowed to work in the colliery for sometime claiming to be an employee of the contractor Shri J. K. Sayal. The screening committee consisted of the responsible officers of the Coal Mines Authority and worked in close co-operation with the local secretary of Rastriya Mazdoor Sangh,

Kuju Branch. His case was carefully examined by the committee. The concerned workman was found to be not genuine workman of the contractor—Shri J. K. Sayal. The concerned workman along with others preferred appeals against the decision of the screening committee which was heard by the Dy. Custodian General on 10-7-73 and 11-7-73. The trade union representatives submitted an agreed list of 19 monthly rated employees which should have been included in the screening list and the Dy. Custodian General issued orders for absorption those 19 persons. In the appeal also the concerned workman was not considered to be a genuine employee even by the representatives of the trade unions. According to the management, therefor, there is no question of reinstatement.

4. The management also took the plea that since the concerned workman was an inductee this was virtually a case of seeking employment and so it is not an industrial dispute under S. 2A of the I. D. Act, 1947.

5. It will appear from the case of the parties that from the papers produced before the management by the contractor such as Form B register, attendance register and wage register that the concerned workman was the Munshi-cum-attendance clerk of the contractor Shri Sayal. All those papers were produced at the conciliation stage. Form B register, which is a record of employment was produced before the Conciliation Officer and returned to the management. While other registers have been produced here by the management, Form B register could not be produced and the plea in the written statement is that this register has mysteriously disappeared. In short, we can say even from the documents produced by the management, the concerned workman was an employee of the contractor at the time when the take over of the colliery took place. Since he was stopped from 11-5-73, the concerned workman worked for 10 days even after the nationalisation of the colliery which took place on 1-5-73. It has been argued on behalf of the concerned workman that the concerned workman has given ample proof of the fact that he was a workman of the colliery at the time of take over, continued to be a workman till the date of nationalisation and thereafter and so his interest is protected as workman under the scheme of Nationalisation Act. Now this is a position which could be normally accepted but for the fact that according to the management the concerned workman was not employee of the contractor and the contractor manufactured documents in order to show that he is a workman in the colliery so that he could be absorbed at the time of take over and subsequent nationalisation. For taking this stand the management relied upon the decisions taken by the screening committee and the Appellate Committee. The screening committee consisted of higher officers and the different unions presented before the screening committee the names of genuine workmen. The screening committee considered them and prepared a screening list of genuine workmen. The concerned workman was screened out. He thereafter preferred an appeal and at that stage the union leaders presented the names of 19 workmen who were screened out by the screening committee. The appellate authority reinstated them on the basis of the agreed list of the union representatives. The concerned workman was again not supported by the unions and he was left out. The management, therefore, has to say that as the union representatives had not supported the case of the concerned workman, he was screened out by the screening committee and his appeal was rejected. The Assistant Labour Commissioner (C) Hazaribagh considered this aspect when the management representatives put such an argument and according to him this was a curious argument and not acceptable to him.

6. The screening list is Ext. M1. This only shows that he was a workman of the colliery and was screened out. This document does not give any reason why he was screened out. The learned Advocate appearing for the management has not given a single good reason why the concerned workman should have been regarded as an inductee or an imposter. Ext. M7 contains the names of 6C incline workmen in which the name of Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha appears in the end. It has been contended by him that the name of the concerned workman is an addition because his name is at the end. This is not sound argument. Then again in Ext. M6 it has been pointed out that 11-1-73 was a Sunday but his attendance had been marked even on that date. It is stated to be an interpolation. I do not see why :—because

even on sundays a workman can be called upon to work. Ext. M5 is said to contain most of the writings by this concerned workman. On behalf of the workmen it has been argued that Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha being a B.Sc was utilised by the contractors in writing out papers concerning the workings of the colliery. It further appears that the other munshies were less qualified. For instance Shri Rajendra Prasad shown as S. No. 67 in the screening list was B. Sc Part I. The qualification of Shri Deo Kishan Thakur at sl. No. 68 has not been mentioned. Another munshi Shri Ram Kumar Prasad at sl. no. 69 happens to be a non-matric. It is an admitted case that 4 munshies were employed by the contractor although there were three shifts as admitted by MW-1 and the concerned workman. The learned Advocate for the workmen tells me that there should have been at least 8 munshies and attendance clerks. The contractor with the idea of minimising the expenditure had not employed persons but that could not be a fault of the workmen and no adverse inference could be taken against him. The only document upon which the management relied is Ext. M-11 a list submitted by the contractor prior to 31-1-73. The name of Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha does not occur there. But according to the management all the documents and papers were filed by the contractor in the month of March, 1973, i.e. after the take over. Now if Ext. M-11 was a correct document, how should the name of the concerned workman occur in the workers list when the Custodian took charge of the colliery. It is an admitted position that all the workmen of the contractor included in the Form B register showed that the concerned workman was a workman of the colliery. It was on that basis that he continued to work in the colliery till he was stopped from work. It cannot be therefore, said that the contractor excluded Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha from the list of workers.

7. I have tried to pick out the necessary documents referred to by the management out of the list of exhibits which is a large one and has no direct bearing in our discussions. 2 witnesses were examined on behalf of the concerned workman. The management examined Shri S. K. Maity the manager of the colliery. They have all given the history of the case and proved documents, MW-1 is the manager of the colliery. His evidence is that he never saw Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha prior to the take over. Then we have before us certain papers of the conciliation stage which are Exts. W.2 to W.6. In Ext. W.2, the Asstt. Labour Commissioner (C) Hazaribagh wrote to Shri S. K. Singh, Sub-Area Manager that the exclusion of Shri Sinha from the screening list and his stoppage from work did not appear to be justified. Ext. W.4 is a letter addressed to the Regional Labour Commissioner (C) Dhanbad by Shri S. N. Sahay, Secretary of Colliery Mazdoor Sangh requesting him to absorb Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha in the job in the interest of justice. Ext. W.6 is a letter addressed to Shri P. C. Rai, Dy. Chief Labour Commissioner (C) New Delhi by Shri J. N. Das, Regional Labour Commissioner (C) Dhanbad on 28-1-77 in which the case of the concerned workman has been fully presented and it has been stated that in view of the hard attitude adopted by the management he had no other alternative but to refer the dispute for adjudication.

8. From the above it will be evidently clear that Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha the concerned workman was chucked out as an inductee without any apparent reason as to how he could be called as inductee. The only reason shown is that at the time of screening and at the appellate stage the union representatives did not support him. In the written statement and in his evidence the concerned workman has made it clear that the union representatives did not favour him because he could not meet their monetary demands. It has been argued on behalf of the workmen that at the time of screening even the union representatives were anxious to put the case of their own men and Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha did not find favour from them. Similarly 26 persons had appealed from the decisions of the screening committee and the union representatives combined to support the case of 19 persons and they were all taken in. From the screening list itself it will appear that in the screening list Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha was shown to be a workman from 1-1-73. The other munshi Shri Ram Kumar Prasad was shown to have been appointed on 4-1-73 having a non-matric qualification. Another munshi Shri Deo Kumar Thakur was appointed on 14-1-73 and Shri Rajendra Prasad another munshi was appointed on 16-2-73. Obviously Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha was the senior most among all the other munshies. But unfortunately the screening committee and the appellate committee chucked him

out and approved all others. Naturally they were taken into the jobs on the basis of the contractor's papers. How could the same papers be held to be forged in the case of the concerned workmen when the management on the basis of the said papers held the other munshies to be genuine. This considering all aspects of the case I have to hold that the management had no reason to consider Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha as inductee in order to screen him out. The management has taken the plea that in this reference the union has not raised this dispute and therefore this dispute should be considered to be under S. 2A of the I.D. Act. According to the management Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha was not a genuine worker and therefore the demand of the workmen would amount to seeking a job.

I have no reason to agree with this argument. Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha was admittedly a workman and he was stopped from work by the management on the ground that he was not a genuine workman. I have already held that the management has shown no justification for holding that the concerned workman was an inductee. The stoppage of work, therefore, would amount to retrenchment and therefore, this case should be deemed to be an industrial dispute under S. 2A of the I.D. Act, 1947.

9. Thus having considered all aspects of the case I have to hold that the action of the management of Kuju colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Kuju District Hazaribagh, in stopping Shri Lala Satnarayan Prasad Sinha, Munshi-cum-attendance clerk, from work with effect from 11th May, 1973 is not justified. Consequently, the workman is entitled to be reinstated in his job with effect from 11th May, 1973 with all back wages and other emoluments.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012/217-A/76-D. III A]

New Delhi, the 15th October, 1980

S.O. 2989.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Stores, Central Coalfields Limited, Barkakana and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th October, 1980.

OFFICE OF SRI R. S. MURTHY, ARBITRATOR C/O CHIEF PERSONNEL OFFICER, CENTRAL COALFIELDS LIMITED, DARBHANGA HOUSE, RANCHI

In the matter of an industrial dispute

BETWEEN

- (1) Employers in relation to the management of Central Stores of Central Coalfields Limited, Barkakana
AND
- (2) Their workmen as represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Barkakana Area, Post Office Barkakana, New Township, Distt. Hazaribagh.

APPEARANCES :

For the management : (1) Col. K. C. Sharma, Materials Manager (Stores) Central Coalfields Ltd., Darbhanga House Ranchi. (2) Sri A. K. Sen, Dy. Materials Manager, Central Coalfields Ltd., Darbhanga House, Ranchi. (3) Sri T. P. S. Sodhi, Dy. Personnel Manager, Central Workshop, Central Coalfields Ltd., P.O. Barkakana, New Township, Distt. Hazaribagh.

For the workman : (1) Sri Badri Singh, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh Central Workshop, P.O. Barkakana Distt. Hazaribagh.

AWARD

Ranchi, the 27th September, 1980

An industrial dispute with the following terms of reference between the above parties was referred to me for arbitration under Section 10-A of the Industrial Disputes Act vide notification No. L-20013(4)/80-D.III(A) dated 11-4-1980 of the Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi :—

"Whether action of Management of Central Coalfields Ltd., in stopping two increments with cumulative

effect in respect of Sri S. N. Rai, Cashier, Central Stores, Barkakana in the pay scale of the post held by him is justified? If not, to what relief Sri S. N. Rai is entitled?"

After notices were issued by me to the parties and they submitted their written statements indicating their respective stands and rejoinders to the written statements of each other, I heard the parties in the officer's Rest House, CCL, Ranchi on 30-8-1980.

2. In terms of the aforesaid notification, I was required to give my award within a period of 3 months or within such further time as is extended by mutual agreement between the parties in writing. In case the award is not given within the period aforementioned the reference to arbitration would stand automatically cancelled and the parties will be free to negotiate for fresh arbitration. The parties agreed to extend time to enable me to give my award upto 30-9-1980.

3. The case of the Management is as follows :—

- (a) The workman concerned Sri S. N. Rai, Cashier Central Stores, Barkakana was issued with a charge-sheet No. COS/Confi/S. N. Rai/77/3467 dated 7-10-1977. The charge related to the train fare bill amounting to Rs. 66.80 prepared in the name of Sri Neur Ram, Tyndal, Central Stores, Barkakana not having actually been paid to him by Sri S. N. Rai and the acquittance roll of Sri Neur Ram showing that the payment had been made by him to Sri Neur Ram. In this manner Sri S. N. Rai indulged in falsehood with a view to secure financial gains for himself by pocketing the amount of the bill.
- (b) After the workman had submitted his explanation an enquiry was ordered which was conducted by Sri P. B. K. Rao, Asstt. Chief Personnel Officer, Barkakana Area and the Enquiry Officer also submitted his findings on the basis of the enquiry held by him as he was required to do.
- (c) The Enquiry Officer held Sri S. N. Rai, Cashier, Central Stores, Barkakana guilty of the charge framed against him regarding embezzlement of the train fare bill amounting to Rs. 66.80 and on the basis of the evidence on record and the findings of the Enquiry Officer Sri S. N. Rai was punished with stoppage of two increments with cumulative effect and also the amount of Rs. 66.80 embezzled by him was also ordered to be recovered from him. The order was issued on 1-9-1979.
- (d) The action of the management imposing the punishment in question against him was quite lenient, reasonable and justified. Sri S. N. Rai actually deserved to be dismissed from service under the circumstances, but the management took a lenient view of the charge established against him in awarding a lighter punishment.

4. As against the above stand of the Management, the case of the union is as follows :—

- (a) While there was no controversy in regard to the charge framed against Sri Rai, the enquiry ordered by the management after he submitted his explanation and the enquiry held by Sri P. B. K. Rao and the submission of findings by him, the union contended that the Enquiry Officer actually recommended that the ends of justice will be met if Sri Rai is censured and the whole amount of Rs. 66.80 representing pecuniary loss caused to the Company is recovered from his wages and paid to the complainant Sri Neur Ram. However, the Materials Manager(S) awarded him with punishment of stoppage of two annual increments with cumulative effect.
- (b) While the Enquiry Officer submitted his recommendations as per the directions of the management along with his findings and enquiry report, the management should have constituted another enquiry, if they did not agree with the findings and recommendations of the Enquiry Officer. They also stated that the Materials Manager(S) did not differ from the findings and recommendations of the Enquiry Officer.

(c) The union claimed in view of their contentions that the order of the management of withholding two annual increments with cumulative effect is null and void and relief should be given accordingly.

5. I have heard the parties at length who repeated their respective contentions as advanced both in the written statements and rejoinders. I have also interrogated the workman concerned to find out the facts of the case and he stated that he did not make any wrong payment to any person earlier after working for 8 years or more and that the charge framed against him is not correct. He reiterated that he had paid the amount to Sri Neur Ram himself. The additional contentions advanced by Sri Badri Singh on behalf of the workman are as follows :—

- (a) At the relevant time when the payment was made to Sri Neur Ram Sri Rai was an Upper Division Clerk and he was not formally appointed as cashier and it was only later that he was appointed as a cashier. This was confirmed by the management representatives.
- (b) In the order dated 1-9-1979 issued by the Materials Manager(S) imposing the punishment to Sri S. N. Rai, it was not stated that the Materials Manager(S) had disagreed with the findings and recommendations of the Enquiry Officer.

6. The stand of the management is that the order issued by the Materials Manager(S) imposing the punishment dated 1-9-1979 was very clear. It stated inter-alia as follows :—

"I have carefully considered the report of the Enquiry Officer and the connected documents. The Enquiry Officer came to the conclusion that there is overwhelming evidence to show that Sri S. N. Rai has committed the misconduct with which he was charged and that he was trying to take different pleas with a view to save himself. Subsequently he came to the conclusion that Shri S. N. Rai is guilty of the charge that the train fare bill amounting to Rs. 66.80 was paid to someone else other than the actual payee. The charge whether Shri Rai has pocketed the amount and indulged in falsehood for securing pecuniary gain is not proved according to the Enquiry Officer.

On the basis of the study of the case and all the relevant documents as made by me including the evidence the charge framed against Sri S. N. Rai that the train fare bill amounting to Rs. 66.80 in the name of Shri Neur Ram, Tyndal, Central Stores, Barkakana was not paid to him although in the acquittance roll it was shown that the payment had been made to him. There is no evidence to show that the payment was made to someone else as stated by the Enquiry Officer. In fact, Sri S. N. Rai also did not take such a stand in his written explanation dated 18-10-77 to the charge-sheet nor has he produced any evidence to that effect. The irresistible conclusion, therefore, is that Sri S. N. Rai has pocketed the amount of Rs. 66.80 and indulged in falsehood with a view to securing a financial gain for himself. Thus Thre-iterate the conclusion that the charge in question has been thoroughly established against Shri Rai and that he is guilty of the same.

I have also considered the matter as regards the punishment to be awarded to Shri Rai. Considering the gravity of the misconduct committed by Shri Rai there is a strong case for dismissing him from service. However, I have decided to take a lenient view and to impose the punishment of withholding of two increments of Shri S. N. Rai in the pay scale of the post held by him. That is to say the two increments that may fall due to him hereafter in the said pay scale will be withheld and such withholding of increments will have cumulative effect i.e. effect of postponing future increments. I further

order that the amount of Rs. 66.80 should be recovered from the salary of Shri Rai and paid to Shri Neur Ram in case the Management has not otherwise made such payment to Shri Ram."

7. The above order is self-explanatory and there was no substance in the contention of the union.

8. The union has not found any fault with the charge-sheet or the enquiry and their case is confined only to the point relating to the imposing of the punishment by the Materials Manager(S). The disciplinary authority it is well stated, is quite competent to disagree with the findings and recommendations of the Enquiry Officer and he may come to his own conclusion on the basis of the evidence. The aforesaid order of the Materials Manager(S) confirms that he proceeds on that basis. Having done so, he was also entitled to come to his own conclusion about the quantum of punishment to be awarded to the charge-sheeted employee.

9. It is not even the case of Sri Rai that he did not know Sri Neur Ram. The enquiry report also reveals that the payment was not made to Sri Neur Ram or anyone else or the natural inference is that Sri Rai himself pocketed this amount in question. The opinion of the handwriting expert was also taken by the Enquiry Officer which confirms that the signature on the receipt was not that of Sri Neur Ram himself. In the circumstances, there is no strong case in favour of Sri Rai for interfering with the decision taken by the management.

10. However, it is also admitted during the course of oral submissions of the parties that Sri Rai put in long years of service in the organisation and that his previous records were clean. During the relevant period he was not formally appointed as cashier, but this contention is not quite tenable as Sri Rai had accepted the responsibilities of the Cashier and the pay scale of post of Cashier and UDC is the same. For the purpose of this particular case, I feel however some consideration to this contention of the union should be given. Having thus considered the matter and also keeping in view the totality of the circumstances of the case, the long and clean past records of service of Sri Rai, I feel that there will be justification for reducing the punishment from stoppage of two increments with cumulative effect to stoppage of one increment for six months without cumulative effect. That is to say that the next increment after 1-9-1979 which falls due to Sri Rai in the pay scale of post held by him would be postponed by six months without cumulative effect from the date it falls due in the ordinary course according to the rules of the management. To illustrate if the next increment falls due on 1-3-1980 it will be given from 1-9-1980. This is being indicated only by way of illustration. The actual date will have to be determined with reference to the next date of increment of Sri Rai after 1-9-1979. There will be no charge in regard to recovery of the amount in question from Sri Rai. I give my award accordingly.

11. In the circumstances of the case, each party will bear their costs.

R. S. MURTHY, Arbitrator

[No. L-20013(4)/80-D. III(A)]

S.O 2990.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL

TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
NEW DELHI

I.D. No. 35 of 1980

In re :

The State Vice President, Punjab National Bank Employees' Union, 295/387, Deen Dayal Road, Ashrafabad, Lucknow. ...Petitioner

Versus

The Regional Manager, Punjab National Bank, Bibhab Nagar, Agra.—Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 vide its order No. L-12012/121/79-D.II.A dated the 20th May, 1980 in the following terms :

'Whether the action of the management of Punjab National Bank in relation to their Jhansi Branch in not treating Shri Mumtaz Khan, Peon-cum-Driver, as Bank's employee and also terminating his services from April, 1977 was justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?'

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties. Whereupon the workman side filed its statement of claim and thereafter the case was fixed for filing of written statement. But before any written statement could be filed the parties have come forward before me stating that they have compromised the dispute, whereafter I pass an order for the recording of settlement. The statement of representatives of the parties was recorded which is as under :

'Vide the settlement S/1 the matter is compromised. An award be passed accordingly.'

3. In view of the statement recorded above I persued the settlement Ex. S/1 and find that it is for the benefit of the workman and a no dispute award is hereby made in this reference leaving the parties to bear their own costs. The settlement Ex. S/1 would form part of this award.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated, the 1st October, 1980

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
NEW DELHI

Case No. I.D. 35 of 1980

In the matter of Industrial Dispute
BETWEEN

The Management of Punjab National Bank through their Regional Manager, Agra

AND

their workmen represented by Punjab National Bank Employees' Union, 19, Garbharjala, Aminabad, Lucknow.

JOINT MEMO FILED BY THE PARTIES
Most Respectfully Showeth :

THAT :

1. The above matter is pending adjudication before the Hon'ble Tribunal and the parties have arrived at the following settlement :—

(a) that without prejudice to its contention that Shri Mumtaz Khan was a personal driver of the Development Manager, the Bank agrees to appoint Shri Mumtaz Khan in the sub. cadre as a confirmed Peon at any of the office of the Bank at Jhansi. He will be given starting salary of the scale of the sub. staff. He shall be appointed within 30 days of signing this joint memo.

(b) that Shri Mumtaz Khan and his union on his behalf agree and hereby give up all the claims, monetary or otherwise, in respect of the services put in by Shri Mumtaz Khan as a private driver or otherwise in the form of arrears, seniority etc. etc.

(c) that the above settlement has been arrived at having regard to the peculiar circumstances of the cases and would not be cited as a precedent by any of the parties anywhere.

2. The parties pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an Award in terms of the above.

For & on behalf of PNB Employees' For & on behalf of Union & All India PNB Staff Punjab National Bank Federation

(O P GUPTA)
General Secretary

(A. ROY CHOUDHARY)
Manager

Personnel Division HQ : NEW DELHI

Dated : 23-9-1980.

WITNESSES :

(1) Shri Mumtaz Khan Workman concerned	(2) Shri C. K. D. Gowda Sr. Personnel Officer
---	--

[No L-12012/121/79-D.II.A]

New Delhi, the 16th October, 1980

S.O. 2991.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th October, 1980.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CALCUTTA

Reference No. 22 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of Baroda, Calcutta.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Mr. Abhijit Mukherjee, Advocate.

On behalf of Workmen.—Mr. T. B. Chhetri, President, Bank of Baroda Employees Association, Gauhati.

STATE : Assam

INDUSTRY : Banking.

AWARD

This reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, was referred to this Tribunal for adjudication by the Government of India, Ministry of Labour, vide Order No. L-12011/52/77-D-II.A dated 13th February, 1978. The dispute mentioned in the Schedule to the Order of Reference reads :

"Whether the proposed action of the management of Bank of Baroda in discontinuing payment of temporary additional allowance in respect of their workmen employed in their Gauhati and Shillong branches with effect from 1-11-1976 is legal and justified? If not, to what relief are these workmen entitled?"

2. A joint petition of compromise is filed today by Mr. M. R. Doshi, Regional Manager of Bank of Baroda and Mr. T. B. Chhetri, President of Bank of Baroda Employees Association, Gauhati. I have heard Mr. Abhijit Mukherjee, learned Advocate appearing on behalf of the Bank who has duly filed the power of authority granted by the Bank and also the President of the Union representing the workmen of the Bank. I have also persued the contents of the joint petition of compromise with a copy of settlement attached to it showing a Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980 between the Indian Banks Association on the one hand and All India Bank Employees Association and National Confederation of Bank Employees on the other. It is submitted by the parties before me that an award may be passed on the basis of the joint petition of compromise in terms of the Memorandum of Settlement marked Annexure "A" in respect of Assam Allowance payable to the workmen. I find that the petition of compromise is legal and the terms are reasonable.

3. As prayed for by the parties, I pass an award in terms of the joint petition of compromise and the Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980, already referred to and marked Annexure "A". Both the joint petition of compromise and Annexure "A" shall form part of this award.

4. I understand that Mr. Chhetri, President of the Union has come from Gauhati by Train in connection with this case and will return tomorrow by Air. Mr. Doshi also, appearing on behalf of the Bank, has agreed to it. In the circumstances, the Bank is directed to sanction special leave with pay to Mr. Chhetri for the period from 29th September, 1980 to 1st October, 1980 inclusive of both the days.

Thus I pass my award.

Calcutta,

The 30th September, 1980.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 22 of 1978

Employers in relation to the Management of Bank of Baroda

Vs.

Workmen.

The humble joint petition of the Management and Union, the petitioners above named—

Most respectfully sheweth—

1. Your petitioners state and contend that the hearing of the above matter was held at Gauhati on September 10, 1979.

2. Your petitioners further state and contend that the dispute with regard to the Assam Allowance has been amicably settled by and between the Indian Banks Association, representing the Management and All India Banks Employees Association, the National Confederation of the Banks Employees and Indian National Bank Employees Congress representing the Workmen outside the Tribunal.

3. The terms and conditions of the said settlement are recorded in the Memorandum of Settlements dated April 21, 1980. Your petitioners crave leave to refer to the said original Memorandum of Settlements at the time of hearing of this application, if necessary.

4. Your petitioners submit that an Award should be passed disposing of the reference pending before the Learned Tribunal on the Terms and Conditions recorded in the said Memorandum of Settlements. A copy of the said Memorandum of Settlement are annexed hereto and marked with the letter "A".

5. Your petitioners further state and submit that an Award be passed in accordance with the Memorandum of Settlements.

Your petitioners, therefore, humbly pray your Honour for an order that :—

(a) An order be made awarding the terms of settlements made by and between the parties as recorded in annexure "A" to the petition.

(b) Such further or other orders be made and or directions be given as your Honour may deem fit and proper.

And for this act of kindness your petitioners as in duty bound shall ever pray.

ANNEXURE 'A'

Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980 between Indian Banks' Association and All India Bank Employees' Association and National Confederation of Bank Employees.

Name of the parties—58 Banks.

Representing the Employers :

1. Shri K. Venkatachari.
2. Shri N. Vaghul

On behalf of the Indian Banks Association.

Representing the workmen :

1. Shri D. P. Chadha
2. Shri K. K. Mandul
3. Shri Prabhat Kar
4. Shri Tarakeswar Chakraborty
5. Shri N. Sampath.

On behalf of All India Bank Employees' Association.

1. Shri D. P. Gupta
2. Shri C. L. Rajaratnam
3. Shri C. R. Chandrasekaran
4. Shri N. C. Choudhury

On behalf of National Confederation of Bank Employees.

Preamble :

Whereas the Goa Allowance and Assam Allowances paid/payable to the workmen were under discussion between the parties during the Bipartite negotiations.

And whereas there are cases also pending before Tribunals in respect of these allowances.

It is now agreed by and between the parties as under :—

(i) Goa Allowances :

(a) Till 31-8-1978 Goa allowance will be payable to all employees in all banks which were paying Goa Allowance at the rates obtaining in the respective Banks.

(b) From 1-9-1978—

(i) CCA would be payable in the urban agglomeration of Panaji and Marmugao.

(ii) HRA will be payable in accordance with Bipartite Settlement at the places in Goa eligible for the same.

(iii) In respect of employees covered by (a) above and who continue to be in Goa as on the date of this Settlement, if the aggregate of the HRA and CCA falls short of the Goa Allowance payable to them, such shortfall will be continued to be paid to them from time to time as Goa Allowance.

ASSAM ALLOWANCE :

(a) All employees who were working prior to 31-3-1980 in the Banks where Assam Allowance (by any name) was being paid, the Assam Allowance will be paid till 31-3-1980 at the respective rate.

(b) From 1-4-1980 those employees will continue to draw the allowance at the same rates.

(c) In all other cases, in all banks, the allowance will be paid at a flat rate of Rs. 10 from 1-4-1980.

(d) It is understood that Assam Allowance shall be paid as per clauses (a), (b) & (c) above in other States, Viz., Manipur, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Arunachal Pradesh & Mizoram where the said allowance (by any name) was being paid till special area allowances payable in these areas are settled in respect of workmen in these areas.

In respect of the proceedings now pending before the Tribunals in respect of 'Goa Allowance' and 'Assam Allowance' this agreement will be submitted to the respective

Tribunals with the request for a 'Consent Award' those terms.

For Indian Banks' Association

Sd/- K. Venkatachari

Sd/- N. Veghul

For All India Bank Employees Association

Sd/-

D. P. Chadha

Sd/-

Tarakeswar Chakraborty

For National Confederation of Bank Employees

Sd/-

C. L. Rajarathnam

Sd/- C. R. Chandrasekaran

Witnesses :

1. M. Ram Mohan Rao

2. N. Sampath

3. R. Sivagyanam

Date : April 21, 1980.

Place : Madras

1. Conciliation Officer (Central) Madras
2. Regional Labour Commissioner (Central), Madras
3. Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi
4. The Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi.

[No. L-12011/52/77-D.II-A]

S.O. 2992.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Commercial Bank, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 168 of 1977

In re :

The President, U.P. Bank Employees Federation, 26/104, Birhana Road, Kanpur. —Petitioner.

Versus

The Manager, Chartered Bank, The Mall, Kanpur —Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947 vide its order No. L-12012/87/73/IRIII dated the 26th December, 1973 to Industrial Tribunal, Kanpur in the following terms:

'Whether the action of the management of Chartered Bank was justified in superseding Shri Jogeshwar Iha, Clerk in the Kanpur office of the said Bank, for promotion to the post of Special Assistant ? If not, to what relief is he entitled and from what date ?

2. It was registered at No. 167/4 and usual notices were sent to the parties. Whereupon statement of claims were filed by the parties representatives and thereafter written statements were also filed and in course of time before issues could be framed the reference was transferred to Industrial Tribunal, Delhi in the year 1976. Thereafter this reference

827 GI/80—9

was transferred to this Tribunal in 1977. On receipt of the reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the parties. After issues had been framed evidence of the parties was recorded and the case was fixed for arguments. Before arguments could be heard the parties representatives have come forward with the following statement today before me :

'In view of the fact that major relief has already been delivered to the workman, a no dispute award vide documents Ex. M/30, may be made in this reference. Parties to bear costs.'

3. In view of the fact that major relief has already been delivered to the workman vide documents Ex. M/20, a no dispute award was delivered to the workman and in view of the statement of the parties representatives reproduced above, a no dispute award is hereby made in this matter laying the parties to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer,
19th September, 1980.

[No. L-12012/87/73-LR.III/DIMTA]

New Delhi, the 21st October, 1980

S.O. 2993.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Commercial Bank, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th October, 1980.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Reference No. 21 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of United Commercial Bank, Calcutta.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Mr. Dipak Dey, Advocate.

On behalf of Workmen.—Mr. Subhan Dhekial Phukan, Secretary, United Commercial Bank Employees Association, Assam State Committee.

Mr. Ashoke Ghosh, Vice President, United Commercial Bank Employees' Association, Calcutta.

STATE : Assam

INDUSTRY : Banking.

AWARD

By Order No. L-12011/56/77-D.II.A, dated 13th February, 1978, the Government of India, Ministry of Labour, sent an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of United Commercial Bank, Calcutta and their workmen, to this tribunal for adjudication. The dispute mentioned in the Schedule to the order of Reference reads :

"Whether the proposed action of the management of United Commercial Bank in discontinuing payment of temporary Assam Allowance in respect of their workmen employed in the North Eastern Region with effect from 1-11-1976 is proper and justified ? If not, to what relief are these workmen entitled ?"

2. In this case both the parties, namely, United Commercial Bank, Calcutta and its workmen represented by the United Commercial Bank Employees Association, Assam State Committee, Gauhati have filed a joint petition of compromise praying for an award in terms of the settlement appearing in Annexures "A" and "B" to the petition. The joint petition of compromise is signed by the Deputy General Manager on behalf of the United Commercial Bank and Santi Ranjan Bal, General Secretary of the United Commercial Bank Employees Association and also Subhan Dhekial Phukan, Secretary of

the United Commercial Bank Employees Association, Assam State Committee, Gauhati. Annexure "A" to the petition is a Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980 between the Indian Banks Association on the one hand and All India Bank Employees Association and National Confederation of Bank Employees on the other. Annexure "B" is a Memorandum of Settlement dated 15th July, 1980 between Indian Banks Association and Indian National Bank Employees Congress. There are certain terms in both the Annexures in respect of Goa allowance and Assam allowance. In the present case the parties pray for an award in terms of Assam allowance appearing in the Annexures. The term about Assam allowance in both the Annexures is the same.

3 I have heard Mr Dipak Dey, learned Advocate appearing on behalf of the Bank and Mr. Subhan Dhekial Phukan, Secretary of the Assam State Unit of the Employees Association. They have prayed that it would be sufficient if an Award is passed in terms of Annexure "A" relating to Assam Allowance and there is no use mentioning about Annexure "B" which includes the same terms.

4 I find that the petition of compromise is reasonable and legal. As prayed for by the parties, I pass an Award on the basis of the joint petition of compromise and the Annexure "A" referred to therein, both of which shall form part of this award.

5 Mr Phukan has come from Assam for the purpose of this case. He is certainly entitled to leave for his journey from Assam to Calcutta and from Calcutta to Assam again. For this purpose the Bank shall sanction special leave on pay from 29th September to 1st October, 1980, inclusive of both the days.

Dated, Calcutta,

The 29th September, 1980

R BHATTACHARYA, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CALCUTTA

Reference No. 21 of 1978

Employers in relation to the Management of United Commercial Bank.

Vs.

Its workmen.

The humble joint petition of the Management and Union, the petitioners abovenamed—

Most respectfully sheweth—

1. Your petitioners state and contend that the hearing of the above matter was held at Gauhati on September 10, 1979.

2. Your petitioners further state and contend that the dispute with regard to the Assam Allowance has been amicably settled by and between the Indian Banks' Association, representing the Management and All India Banks Employees' Association the National Confederation of the Banks Employees and Indian National Bank Employees Congress representing the workmen outside the Tribunal.

3. The terms and conditions of the said settlements are recorded in the Memorandum of Settlements dt. April 21, 1980 and 15-7-1980. Your petitioners crave leave to refer to the said original Memorandum of Settlement at the time of hearing of this application, if necessary.

4. Your petitioners submit that an Award should be passed disposing of the reference pending before the learned Tribunal on the terms and conditions recorded in the said Memorandum of Settlements. A copy of the said Memorandum of Settlements are annexed hereto and marked with the letter "A", and "B".

5. Your petitioners further state and submit that an award be passed in accordance with the Memorandum of Settlements. Your petitioners, therefore, humbly pray your honour for an order that—

- (a) An order be made awarding the terms of settlements made by and between the parties as recorded in annexure "A" and "B" to the petition
- (b) Such further or other orders be made and or directions be given as your Honour may deem fit and proper;

And for this act of kindness your petitioners as in duty bound shall ever pray

ANNEXURE A

Memorandum of Settlement dated 21st April, 1980 between Indian Banks' Association and All India Bank Employees' Association and National Confederation of Bank Employees

Name of the parties : 58 Banks

Representing the Employers 1. Shri K. Venkatachari

2. Shri N. Vegul

On behalf of the Indian Banks' Association

Representing the workmen :

- 1. Shri D. P. Chadha
- 2. Shri K. K. Mandul
- 3. Shri Prabhat Kar
- 4. Shri Tarakeswar Chakraborty
- 5. Shri N. Sampath

On behalf of All India Bank Employees' Association

- 1. Shri O. P. Gupta
- 2. Shri C. L. Rajaratnam
- 3. Shri C. R. Chandrasekaran
- 4. Shri N. C. Choudhury

On behalf of National Confederation of Bank Employees.

Preamble Whereas the Goa Allowance and Assam Allowances paid/payable to the workmen were under discussion between the parties during the Bipartite negotiations

And whereas there are cases also pending before Tribunals in respect of these allowances.

It is now agreed by and between the parties as under :—

(1) Goa Allowance .

(a) Till 31-8-1978 Goa Allowance will be payable to all employees in all banks which were paying Goa Allowance at the rates obtaining in the respective Banks.

(b) From 1-9-1978—

(i) CCA would be payable in the urban agglomeration of Panaji and Marmugao.

(ii) HRA will be payable in accordance with Bipartite Settlement at the places in Goa eligible for the same.

(iii) In respect of employees covered by (a) above and who continue to be in Goa as on the date of this Settlement, if the aggregate of the HRA and CCA falls short of the Goa Allowance payable to them, such shortfall will be continued to be paid to them from time to time as Goa Allowance.

(2) Assam Allowance :

(a) All employees who were working prior to 31-3-1980 in the Banks where Assam Allowance (by any name) was being paid, the Assam Allowance will be paid till 31-3-1980 at the respective rates.

(b) From 1-4-1980 those employees will continue to draw the allowance at the same rates.

(c) In all other cases, in all banks, the allowance will be paid at a flat rate of Rs. 10 from 1-4-1980.

(d) It is understood that Assam Allowance shall be paid as per clauses (a) (b) and (c) above in other States, viz. Manipur, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Arunachal Pradesh and Mizoram where the said allowance (by any name) was being paid till special area Allowances payable in these areas are settled in respect of workmen in these areas.

In respect of the proceedings now pending before the Tribunals in respect of 'Goa Allowance' and 'Assam Allowance', this agreement will be submitted to the respective Tribunals with the request for a 'Consent Award' on these terms.

For Indian Banks' Association

K. Venkatachari Sd/-

N. Vaghul Sd/-

For All India Bank Employees' Association

D. P. Chadha Sd/-

Tarakeswar Chakraborty Sd/-

For National Confederation of Bank Employees

C. J. Rajarathnam Sd/-

C. R. Chandrasekharan Sd/-

Witnesses.

1. M. Ram Mohan Rao Sd/-

2. N. Sampath Sd/-

3. R. Sivagyanam Sd/-

Dated : April 21, 1980

Place : Madras

(No. L-12011|56|77-D.II-A)

S. H. S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 16th October, 1980

S.O. 2994—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay in the matter of an

Application under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 filed by Shri Arvind Ratilal Vora against the management of New India Assurance Company Limited, Bombay which was received by the Central Government on the 10th October, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

Complaint No. CGIT-2 of 1977

(Arising out of Reference No. CGIT-1 of 1977)

PARTIES :

Arvind Ratilal Vora, Irla Bldg.,

Block No. A/12, Society Rd.,

Bombay-56.

Complainant.

V/s.

The New India Assurance Co. Ltd.,

87, M.G. Road,

BOMBAY—400023,

: Opp. Party

APPEARANCES :—

For the Complainant—Mr. C.L. Dudhia, Advocate

For the Opposite Party—Mr. G.V. Pavaskar, Advocate

INDUSTRY : Insurance

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 22nd September, 1980.

AWARD

This is a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 (in the matter of Reference No. CGIT-1 of 1977) complaining the order of discharge passed against him.

2. The complainant wants to withdraw the complaint. He says that he is trying for Reference on that point. That could be done to the best of the advice he receives. The Tribunal given no directions. The Complainant is allowed to be withdrawn.

3. No order as to costs.

C. T. DIGHE, Presiding Officer

[No. L-31014/1/80-D IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

$$\frac{d}{dt} \left(\frac{1}{2} \|x(t)\|^2 \right) = -\gamma \|x(t)\|^2 + \gamma \int_{\mathbb{T}} u(t,x) x(t) dx.$$

Since

$$1$$